



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 30 पटना, बुधवार, 5 श्रावण 1944 (श०)
27 जुलाई 2022 (ई०)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1— नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और व्यक्तिगत सूचनाएं।	भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई०ए०, आई०एससी०, बी०ए०, बी०एससी०, एम०ए०, एम०एससी०, लॉ भाग-1 और 2, एम०बी०बी०एस०, बी०एस०ई०, डीप०-इन-एड०, एम०एस० और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	भाग-9—विज्ञापन
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।
भाग-4—बिहार अधिनियम	पुरक
	पुरक-क
2-43	46-115
---	116-117

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

7 जून 2022

सं० निग/सारा-4(पथ)-आरोप-43/2018-2508(s)—पथ प्रमंडल, खगड़िया अन्तर्गत पसराहा-मडैया जाने वाली सड़क में पायी गयी व्यापक अनियमितता/त्रुटियों के लिए विभागीय पत्रांक-8423 (एस) अनु० दिनांक-06.11.2018 द्वारा आरोप पत्र गठित करते हुए पूछे गये स्पष्टीकरण के आलोक में श्री प्रमोद कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, खगड़िया सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटनाके पत्रांक-952 अनु० दिनांक 29.11.2018 द्वारा स्पष्टीकरण उत्तर समर्पित किया गया।

2. प्रश्नगत मामले में अधीक्षण अभियंता, पथ अंचल, सहरसा के पत्रांक- 939 अनु० दिनांक-06.09.2018 द्वारा समर्पित निरीक्षण प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा के उपरान्त निम्न त्रुटियाँ पायी गयी:-

- (i) प्रथम कि०मी० के कुछ पथांशों में दोनों तरफ पथ पटरी में झाड़ी है। पथ पटरी में मिट्टी की आवश्यकता है। साथ ही कुछ पथांशों में छोटे-छोटे पॉट्स उभर गये हैं तथा कि०मी० पोस्ट का पेन्टिंग नहीं किया हुआ है।
- (ii) द्वितीय कि०मी० में कहीं-कहीं पथांश काफी क्षतिग्रस्त है तथा क्षतिग्रस्त पथांशों का पैच वर्क जो किया जा रहा था वह विशिष्टियों के अनुरूप नहीं है।
- (iii) तीसरा कि०मी० में कि०मी० पोस्ट झाड़ी से ढका हुआ है।
- (iv) चौथे कि०मी० में जिन क्षतिग्रस्त पथांशों की मरम्मत संवेदक द्वारा की गयी है वह विशिष्टियों के अनुरूप नहीं है एवं जिन क्षतिग्रस्त पथांशों की मरम्मत की जा रही थी उसके लिए Tractor में कुछ Materials रख कर कार्य किया जा रहा था तथा उसके पर Emulsion डाला जा रहा था एवं Rolling का कोई साधन नहीं था।
- (v) पाँचवें कि०मी० के दोनों तरफ कहीं-कहीं पथ पटरी में झाड़ी है। पथ काफी क्षतिग्रस्त है, जहाँ-तहाँ गड्ढे उभर गये हैं, जिसका मरम्मत संवेदक द्वारा नहीं किया गया है।
- (vi) छठे कि०मी० के कुछ पथांशों में SDBC पथ परत का क्षरण हो रहा है। साथ ही पथ में उभरे गड्ढे की मरम्मत संवेदक द्वारा नहीं की गयी है।
- (vii) सातवें कि०मी० के दोनों तरफ पथ पटरी में झाड़ी है। मडैया चौक पर पी०सी०सी० पथ पर जल जमाव था।
- (viii) आठवें कि०मी० के कुछ पथांशों में SDBC पथ परत क्षतिग्रस्त होकर क्षरण हो रहा है।
- (ix) नौवें कि०मी० के कुछ पथांशों में SDBC पथ परत क्षतिग्रस्त होकर क्षरण हो रहा है।
- (x) दसवें कि०मी० में कुल पाँच पॉट्स पाये गये। साथ ही कुछ पथांशों में SDBC पथ परत क्षतिग्रस्त होकर क्षरण हो रहा है।
- (xi) ग्यारहवें कि०मी० में Rain Cuts हैं एवं कहीं-कहीं SDBC पथ परत क्षतिग्रस्त होकर क्षरण हो रहा है। साथ ही इस कि०मी० का कि०मी० पोस्ट Missing है।
- (xii) बारहवें (अंश) कि०मी० में बड़े Rain Cuts हैं एवं कहीं-कहीं SDBC पथ परत क्षतिग्रस्त होकर क्षरण हो रहा है। साथ ही कुछ पथांशों में छोटे-छोटे पॉट्स भी उभर गये हैं।

3. वर्णित पायी गयी त्रुटियों के संदर्भ में श्री कुमार द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि श्री कुमार द्वारा आलोच्य पथ का निरीक्षण समय-समय पर किया गया है एवं पथ में पाये गये व्यापक त्रुटियों के मद्देनजर संबंधित संवेदक को मरम्मती एवं अनुरक्षण कार्य कराये जाने का निदेश भी दिया गया है। परन्तु संवेदक के द्वारा पथ का DLP में होने के बावजूद मरम्मती एवं अनुरक्षण कार्य नहीं किये जाने के संबंध में एकरारनामा में विहित प्रावधानों के तहत संवेदक के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गयी। श्री कुमार द्वारा कार्यपालक अभियंता के रूप में मात्र पत्राचार किये जाने तक ही अपने दायित्वों को सीमित रखा गया है, जबकि Engineer-in-Charge के रूप में उनके द्वारा संवेदक के विरुद्ध एकरारनामा के तहत ठोस कार्रवाई करते हुए पथ की मरम्मती किये जाने हेतु अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जाना अपेक्षित था, जो नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त दिनांक- 06.08.2018 की मासिक समीक्षा बैठक

में आलोच्य पथ के क्षतिग्रस्त होने की सूचना नहीं दिये जाने के संबंध में बैठक में उन्हें जबाब देने हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल पाने का दिये गये तर्क स्वीकारणीय नहीं पाया गया। अतएव श्री कुमार के द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर को अस्वीकार योग्य पाया गया।

4. तदालोक में विभागीय स्तर पर की गयी समीक्षा में पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा अपने स्पष्टीकरण उत्तर में कोई ऐसा ठोस एवं खंडनयुक्त तथ्य अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिस पर युक्तिसंगत ढंग से विचार किया जा सके जिसके फलस्वरूप उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार किये जाने का कोई अवसर प्रतीत नहीं होता है।

तदालोक में विभागीय स्तर पर की गयी समीक्षा के उपरान्त श्री कुमार के पत्रांक-952 दिनांक- 29.11.2018 द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर को अस्वीकृत करते हुए विभागीय अधिसूचना संख्या- 921 (एस)-सह-पठित ज्ञापांक- 922 (एस) दिनांक- 12.02.2021 द्वारा सम्यक् विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियमावली-2005) के नियम-14 के उपनियम-v के तहत निम्न शास्ति अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया गया।

(1) "तीन वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक"।

5. उक्त दण्डादेश के विरुद्ध श्री कुमार के पत्रांक- शून्य दिनांक- 03.03.2021 द्वारा पुनर्विलोकन अभ्यावेदन समर्पित किया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा की गयी। विभागीय समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री कुमार को जिन तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर दण्ड अधिरोपित किया गया है, उसके संबंध में श्री कुमार द्वारा अपने पुनर्विलोकन अभ्यावेदन में कोई ठोस तथ्य एवं तर्क प्रस्तुत नहीं किया गया है। जहाँतक श्री कुमार के द्वारा संबंधित संवेदक को Debar किये जाने के तथ्य प्रस्तुत किये जाने का प्रश्न है, तो इस संबंध में उनके द्वारा स्वयं यह उल्लेख किया गया है कि संवेदक को एक दूसरे कार्य के लिए Debar किया गया है। इस प्रकार उक्त तथ्यों एवं समीक्षा के आधार पर श्री कुमार द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अभ्यावेदन स्वीकार योग्य प्रतीत नहीं होता है।

तदालोक में श्री कुमार के पुनर्विलोकन अभ्यावेदन पत्रांक- शून्य दिनांक- 03.03.2021 को अस्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया जाता है।

6. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

7 जून 2022

सं० निग/सारा-4(पथ)-आरोप-61/2020-2510(s)—श्री ओम प्रकाश पाण्डेय, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ प्रमंडल, मोतिहारी सम्प्रति सेवानिवृत्त सहायक अभियंता से पथ प्रमंडल, मोतिहारी के पदस्थापन काल में CMBD कार्य कि०मी० 84.3 से 123.6(Section-Jagiraha to Pashupatinath Chowk) of SH-74 पथ में निदेशक, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक- 313 अनु० दिनांक-12.07.2016 एवं पत्रांक-517 अनु० दिनांक- 13.10.2016 से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा के क्रम में पायी गयी त्रुटियों हेतु विभागीय पत्रांक-9132 (एस) अनु०, दिनांक 18.10.2017 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

2. इसी प्रकार पथ प्रमंडल, मोतिहारी अन्तर्गत CMBD के तहत ढाका से फूलवरिया रोड में IRQP कार्य की अनियमितता के मामले में कार्यपालक अभियंता, उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-3, पथ निर्माण विभाग द्वारा दिनांक-28.01.2015 को जाँच किया गया। निदेशक, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक- 67 अनु० दिनांक- 12.02.2015 के माध्यम से प्रारम्भिक जाँच प्रतिवेदन तथा गुणवत्ता जाँच प्रतिवेदन पत्रांक- 148 अनु० दिनांक 01.04.2015 एवं Supplementary Report पत्रांक- 561 अनु० दिनांक- 23.09.2015 विभाग को समर्पित किया गया। समर्पित जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त पायी गयी त्रुटियों के लिए विभागीय पत्रांक- 315 (एस) अनु० दिनांक-18.01.2016 द्वारा भी श्री पाण्डेय से स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

3. उपर्युक्त कंडिका 1 एवं 2 के संबंध में श्री पाण्डेय ने क्रमशः पत्रांक-शून्य, दिनांक 14.11.2017 एवं पत्रांक-शून्य, दिनांक-09.02.2016 के द्वारा स्पष्टीकरण उत्तर समर्पित किया। समर्पित स्पष्टीकरण उत्तरों की विभागीय स्तर पर की गयी समीक्षा में संतोषप्रद नहीं पाये जाने की स्थिति में स्पष्टीकरण को अस्वीकृत करते हुए सम्यक् विचारोपरांत आरोप पत्र गठित कर विभागीय संकल्प ज्ञापांक-4838 (एस), अनु० दिनांक 17.05.2019 के द्वारा श्री पाण्डेय के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी) के तहत निम्न आरोपों हेतु विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी:-

(क) पथ प्रमंडल, मोतिहारी अन्तर्गत CMBD कार्य From Km 84.3 to 123.6 (section Jagiraha to Pashupati Nath Chowk) of SH-74 पथ में उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-3 द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा के उपरांत आलोच्य पथ कार्य में निम्न त्रुटियाँ/अनियमितता पायी गयी है:-

(i) पथ के 50वें से 86वें कि०मी० एवं 122वें कि०मी० में BC कार्य में Aggregate औसत Oversize क्रमशः 11.7468 प्रतिशत एवं 9.32 प्रतिशत तथा औसत Undersize क्रमशः 0.3387 प्रतिशत एवं 0.902 प्रतिशत पाया गया। पूरे पथ के लिए औसत Oversize-10.53 प्रतिशत औसत Undersize-0.62 प्रतिशत पाया गया, जबकि विभागीय मार्गदर्शिका के अनुसार औसत Oversize-10 प्रतिशत से अधिक पाया गया।

- (ii) पथ के 50वें से 86वें कि०मी० में BC कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की मात्रा क्रमशः 4.37 प्रतिशत & 3.9 प्रतिशत पाया गया। पूरे पथ के लिए औसत अलकतरा की मात्रा 4.14 प्रतिशत पाया गया, जबकि विभागीय मार्गदर्शिका के अनुसार औसत अलकतरा की मात्रा 4.19 प्रतिशत निर्धारित है।
- (ख) पथ प्रमंडल मोतिहारी अंतर्गत CMBD के तहत ढाका से फुलवरीयाघाट रोड में कराये गये IRQP कार्य में उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-3 द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा के उपरान्त आलोच्य पथ कार्य में निम्न त्रुटियाँ/अनियमितता पायी गयी है :-
- आलोच्य पथ के 7वे, 8वे, नौवे एवं 11वे कि०मी० में कराये गये SDBC कार्य के Top layer से Stone chips उखड़ा हुआ पाया गया।
 - पथ के 1ले कि०मी० में कराये गये PQC कार्य का औसत Compressive strength 80.153 kg/cm² पाया गया, जबकि प्रावधान 280 kg/cm² का है।
 - पथ के 10वें कि०मी० में कराये गये SDBC GR-II कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की औसत मात्रा 3.72% पायी गई, जबकि प्रावधान 5% का है।
4. श्री पाण्डेय के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-2843 अनु०, दिनांक 23.12.2020 के द्वारा तत्संबंधी जाँच प्रतिवेदन विभाग को समर्पित किया गया। संचालन प्रतिवेदनानुसार उपर्युक्त कंडिका- 3 (क) (i) एवं (ii) के आरोपों को अप्रमाणित तथा उपर्युक्त कंडिका-3 (ख) (i) को आंशिक प्रमाणित एवं आरोप संख्या- 3 (ख) (ii) एवं (iii) को प्रमाणित प्रतिवेदित किया गया, जिससे सहमत होते हुए विभागीय पत्रांक-834(एस) अनु० दिनांक 09.02.2021 के द्वारा श्री पाण्डेय को अपना लिखित अभिकथन समर्पित करने हेतु द्वितीय कारण-पृच्छा की गयी।
5. श्री पाण्डेय के आवेदन पत्रांक- शून्य दिनांक 25.02.2021 एवं पत्रांक- शून्य दिनांक- 09.03.2021 द्वारा समर्पित अपना बचाव एवं उक्त की समीक्षा निम्नरूपेण है:-
- ढाका से फुलवरीया पथ से संबंधित त्रुटि सं०-(i), जो आलोच्य पथ के 7वे, 8वे, 9वे एवं 11वे कि०मी० में कराये गये SDBC कार्य के Top layer से Stone chips उखड़ा हुआ पाये जाने से संबंधित है, के बिन्दु पर आरोपी के द्वारा मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया है कि जाँच की तिथि से दो-तीन दिन पूर्व क्षेत्र में वर्षा हो जाने के फलस्वरूप पथ के किनारे के वृक्ष से पानी टपकने के कारण SDBC परत का ऊपरी हिस्सा उखड़ गया, जिसे बाद में विशिष्टियों के अनुरूप सुधार कर दिया गया।
श्री पाण्डेय के द्वारा दिया गया उक्ततर्क बिल्कुल ही स्तरहीन पाया गया। यदि SDBC कार्य विशिष्टि के अनुरूप कराया जाता तो वृक्ष से पानी टपकने के कारण क्षतिग्रस्त नहीं हो सकता है। यह स्थापित होता है कि SDBC कार्य विशिष्टि के अनुरूप नहीं कराया गया है। अतएव इस संबंध में आरोपी द्वारा दिया गया उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया।
 - ढाका से फुलवरीया पथ से संबंधित त्रुटि सं०-(ii), जो पथ के 1ले कि०मी० में कराये गये PQC कार्य का औसत Compressive strength प्रावधान 280 kg/cm² के विरुद्ध 80.153 kg/cm² पाये जाने से संबंधित है, के बिन्दु पर आरोपी द्वारा अपने बचाव में मुख्य रूप से क्षेत्रीय गुण नियंत्रण अवर प्रमंडल में उक्त मद का जाँचफल विशिष्टि के अनुरूप पाये जाने, Core cutter से Cylindrical Core काटने पर Cube Disturb हो जाने, PQC का सतह छः वर्ष के बाद भी ठीक पाये जाने सहित IRC द्वारा प्रकाशित Specification of Road & Bridge work MORTH की कंडिका-903-5-22 एवं Government of India Revised CPWD Specification 2002 for Cement Concrete works (In pursuance to IS 456-2000) की कंडिका-54.10.4 का संदर्भ दिया गया है।
आरोपी श्री पाण्डेय के द्वारा अपने बचाव में जिन व्यवहारिक/तकनीकी कठिनाईयों का संदर्भ दिया गया है वस्तुतः इन्हीं कारणों से विभाग द्वारा टॉलरेन्स का निर्धारण किया गया है, परन्तु प्रस्तुत मामले में PQC कार्य का औसत Compressive Strength प्रावधान 280kg/cm² से काफी कम पाया गया है, जिसे किसी भी रूप से उचित नहीं माना जा सकता है।
 - ढाका से फुलवरीया पथ से संबंधित त्रुटि सं०-(iii), जो पथ के 10वे कि०मी० में कराये गये SDBC Gr-II कार्य में प्रयुक्त अलकतरा की औसत मात्रा प्रावधान 5% के विरुद्ध 3.72% पाये जाने से संबंधित है, के बिन्दु पर आरोपी के द्वारा मुख्य रूप से SDBC Gr-II कार्य कराये जाने के बाद जाँच किये जाने एवं क्षेत्रीय गुण नियंत्रण ईकाई के द्वारा कार्य कराये जाने के दौरान किये गये जाँच में प्राप्त जाँचफल विशिष्टि के अनुरूप पाये जाने का उल्लेख किया गया है।
उल्लेखनीय है कि आरोपी श्री पाण्डेय के द्वारा अपने बचाव में जिन व्यवहारिक/तकनीकी कठिनाईयों का संदर्भ दिया गया है वस्तुतः इन्हीं कारणों से विभाग द्वारा टॉलरेन्स का निर्धारण किया गया है, परन्तु प्रस्तुत मामले पायी गयी अलकतरा की औसत मात्रा निर्धारित टालरेन्स 4.19% से काफी कम 3.72% पाया गया है। अतएव आरोपी श्री पाण्डेय के द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर स्वीकार योग्य नहीं पाया गया।

6. श्री पाण्डेय द्वारा समर्पित उक्त बचाव विभागीय समीक्षा में स्वीकारयोग्य नहीं पाते हुये प्रमाणित पाये गये आरोप के लिए सक्षम प्राधिकार द्वारा श्री पाण्डेय के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी) के तहत इनके 05% पेंशन की कटौती 05 वर्षों तक किये जाने का दण्ड अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया गया।

7. सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में अनुमोदित दंड प्रस्ताव पर विभागीय पत्रांक-4263(S)we दिनांक-25.08.2021 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति/परामर्श की अपेक्षा की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2745, दिनांक-24.12.2021 द्वारा उक्तनिर्णित दण्ड प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त किया गया।

तदालोक में श्री ओम प्रकाश पाण्डेय, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ प्रमंडल, मोतिहारी सम्प्रति सेवानिवृत्त सहायक अभियंता को उनके विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43(बी) के तहत संचालित विभागीय कार्यवाही में प्रमाणित आरोपों के लिए निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है :-

(i) "05% (पाँच प्रतिशत) पेंशन की कटौती 05 (पाँच) वर्षों तक "।

8. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(हो) अस्पष्ट, उप-सचिव।

17 जून 2022

सं० 01/विविध-08/2020-2800(s)—सी०डब्लू०जे०सी० सं०- 2613/2014 (चेतन कुमार मारकन बनाम बिहार राज्य एवं अन्य) से उत्पन्न एम०जे०सी० सं०-19/2019 में दिनांक- 20.04.2022 को माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में श्री चेतन कुमार मारकन, सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता (असैनिक) को दिनांक-23.09.2006 के भूतलक्षी प्रभाव से आर्थिक लाभ सहित अधीक्षण अभियंता (असैनिक) के पद पर प्रोन्नति दी जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

20 जून 2022

सं० निग/सारा-1 (पथ)-आरोप-57/2018-2863(s)—श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कोचस के उक्त पदस्थापन अवधि में OPRMC (Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) के अंतर्गत पैकेज संख्या-61 में सासाराम-चौसा राज्य उच्च पथ के दीर्घकालीन पथ संधारण में पायी गयी गंभीर अनियमितता के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-9691 (एस), दिनांक 20.12.2018 के द्वारा निलंबित किया गया तथा विभागीय संकल्प ज्ञापांक-02 (एस) दिनांक 01.01.2019 के द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। विभागीय अधिसूचना संख्या-4603 (एस), दिनांक 10.09.2021 के द्वारा श्री सुमन के निलंबन को समाप्त किया गया। उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप के बिन्दु निम्नलिखित हैं :-

(i) कि०मी० 0.00 से कि०मी० 22.00 के निरीक्षण में तीसरे कि०मी० में Patch Repair का कार्य कराया जा रहा था। इसी पथांश में 300 मी० में पूर्व में ही PCC कार्य कराया गया था। स्थल पर मौजूद सम्बद्ध पदाधिकारियों द्वारा सूचित किया गया कि बिटुमिनस कार्य द्वारा पथ परत को सुगम कराया गया था, परंतु बगल में नाला एवं बसावट होने के कारण पानी सड़क पर आ जाता है, जिसके संबंध में कार्यपालक अभियंता के स्तर पर कोई निरोधात्मक उपाय नहीं किये गये। फलतः प्रासंगिक पथ क्षतिग्रस्त हो गया।

(ii) Pot Patch की मरम्मत करायी गयी है जिसकी गुणवत्ता अत्यंत ही कमजोर है।

(iii) कि०मी० 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 के Riding Surface में कई स्थानों पर Pots पाये गये हैं। उक्त पथ का संधारण OPRMC पैकेज (वर्ष 2014 से फरवरी, 2019) के तहत कराया जा रहा है एवं OPRMC Contract की विहित शर्तों के अनुरूप पथ की Riding Quality 3500 mm तक रखने की है, परंतु इस पथ की Riding Quality भी पूर्णरूपेण असंतोषजनक पायी गयी जिसके कारण पथ के रख-रखाव की स्थिति अत्यंत ही दयनीय हो गयी।

(iv) अंकनीय है कि दो माह पूर्व तक OM (Ordinary Maintenance) घटक के अंतर्गत संवेदक को भुगतान होते रहे हैं, जिससे यह परिलक्षित होता है कि पथ का बिना रख-रखाव सुनिश्चित कराये संवेदक को भुगतान किया जाता रहा, जो सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं संवेदक के साथ मिलीभगत की पुष्टि करता है। इसके लिए श्री सुमन दोषी प्रतीत होते हैं।

(v) कार्यपालक अभियंता का यह दायित्व है कि वे पथों का निरीक्षण माह में कम से कम एक बार अवश्य की जाय एवं तदोपरांत यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो उसका Rectification का कार्य response time में ही संवेदक के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाना अपेक्षित होता है, जिसकी आलोच्य मामले में पूर्ण रूप से उपेक्षा की गई। इस प्रकार श्री सुमन के द्वारा अपने पद पर रहते हुए वांछित कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर विहित पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई।

2. श्री सुमन के विरुद्ध संचालित उक्त विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-1271 अनु० दिनांक 22.04.2019 से प्राप्त हुआ, जिसमें संचालन पदाधिकारी के द्वारा उक्त सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया। विभागीय समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति का बिन्दु सृजित करते हुए विभागीय पत्रांक-247 (एस), दिनांक 13.01.2021 के द्वारा श्री सुमन से लिखित अभिकथन के रूप में अभ्यावेदन की मांग की गई। असहमति का सृजित बिन्दु निम्नवत् है :-

(i) आरोप संख्या-01 के संबंध में संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप को अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया है, जबकि विभागीय समीक्षा में पाया गया कि विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में आपके द्वारा आलोच्य पथ के घनी बसावट एवं स्थल पर पानी निकासी का अपेक्षित सुविधा नहीं होने के कारण पथ हमेशा क्षतिग्रस्त होने का तर्क दिया गया। इस तथ्य से भलिभांति अवगत होने के बावजूद इसके स्थाई समाधान हेतु आपके द्वारा ससमय आवश्यक कार्रवाई नहीं की गयी। पथ की स्थाई मरम्मति हेतु आपके द्वारा DPR का प्राक्कलन पत्रांक- 1102 दिनांक- 09.10.2018 द्वारा अधीक्षण अभियंता, भोजपुर पथ अंचल, आरा को समर्पित किया गया, जिसे काफी विलम्ब से कार्रवाई किया जाना माना जायेगा। यदि आपके द्वारा उक्त संबंध में ससमय कार्रवाई की गयी होती तो पथ के लगातार क्षतिग्रस्त होने की समस्या का निराकरण ससमय किया जा सकता था। साथ ही OPRMC के प्रावधानों के अनुसार पथ को सतत् संधारित किये जाने एवं अच्छी स्थिति बनाये रखने हेतु संवेदक के माध्यम से Engineer-In-Charge के रूप में आपका दायित्व था, जिसका अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया।

(ii) आरोप संख्या-02 के संबंध में जाँच पदाधिकारी के द्वारा अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया है, जो सहमति योग्य नहीं हैं, क्योंकि विभागीय कार्यवाही के क्रम में ही आपके द्वारा स्वयं यह स्वीकार किया गया है कि आलोच्य पथ में अनेक कारणों से Patch Work की अधिकता है। पथ में Patch Work की अधिकता होना अर्थात् बार-बार Patch Work कराया जाना इसकी खराब गुणवत्ता का ही द्योतक है।

(iii) आरोप संख्या-03 के संबंध में जाँच पदाधिकारी के द्वारा अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया है, जो सहमति योग्य नहीं हैं, क्योंकि आलोच्य पथ से संबंधित Videography report जो, विभागीय कार्यवाही के क्रम में आरोपी एवं संचालन पदाधिकारी को साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया गया है, के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आलोच्य पथ के विडियोग्राफि रिपोर्ट में 15 (पन्द्रह) जगहों पर Irregular Rough Surface/Patches पाये गये हैं, जो कहीं-कहीं Continuous है। साथ ही जगह-जगह पर Road Cracking पायी गयी है, जिससे आपके विरुद्ध गठित आरोपों की पुष्टि होती है।

(iv) आरोप संख्या-04 के संबंध में भी संचालन पदाधिकारी का मंतव्य सहमति योग्य नहीं है, क्योंकि आलोच्य पथ के Videography report के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि इसमें 15 (पन्द्रह) जगहों पर बड़ें पैमाने पर Irregular Rough Surface/Patches पाये गये हैं, इससे प्रतीत होता है कि आपके द्वारा Response Time में त्रुटियों का निराकरण नहीं कराया गया, जबकि दूसरी ओर OM मद में संवेदक को लगातार भुगतान होता रहा।

(v) आरोप संख्या-05 के संबंध में संचालन पदाधिकारी के द्वारा आपके बचाव-बयान के आधार पर अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया है, जो सहमति योग्य नहीं है, क्योंकि विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में आपके द्वारा आलोच्य पथ का माह में एक बार निरीक्षण किये जाने की बात कही गयी है, परन्तु आपके द्वारा अपने कथन के समर्थन में कोई अभिलेख संलग्न नहीं किया गया है।

3. श्री सुमन ने पत्र दिनांक 22.03.2021 के द्वारा अपना द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर समर्पित किया, जिसमें उनके द्वारा बचाव के निम्नलिखित मुख्य बिन्दु दिये गये :-

(i) आरोप संख्या-1 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि इस पथ के क्षतिग्रस्त होने के कारण मात्र घनी बसावट एवं स्थल पर पानी निकासी ही नहीं है बल्कि पथांश का PCC परत काफी पुराना (13 वर्ष) होने एवं आरा-मोहनियाँ पथ के जर्जर होने के कारण वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस पथ पर बालू लदे अत्यधिक भारी वाहनों का परिचालन भी है। पुराने जीर्ण-शीर्ण PCC पथांश का समाधान OPRMC के प्रावधानित राशि से कतई संभव नहीं था बल्कि स्थायी मरम्मति ही एकमात्र समाधान था। इसके लिए उनके द्वारा कार्य का आकलन कर Provisional Sum के अन्तर्गत मुख्यालय से राशि की भी मांग की गयी। पथ के बृहद स्थायी मरम्मति /मजबूतीकरण हेतु निदेशानुसार उनके द्वारा DPR तैयार कर अधीक्षण अभियंता को समर्पित किया गया। उन्होंने अंकित किया है कि जिस समय उन्हें निलंबित किया गया था उस समय DPR संबंधित मुख्य अभियंता से तकनीकी अनुमोदन प्राप्त कर प्रशासनिक स्वीकृति हेतु मुख्यालय स्तर पर भी प्रक्रियाधीन थी। उन्होंने पथांश के स्थायी मरम्मति हेतु घटना के तिथि से पूर्व ही हर संभव प्रयास किया।

(ii) आरोप संख्या-2 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि Patch work एक बिटुमिनस कार्य है, ऐसी स्थिति में IRC के निदेशानुसार Patch work से नमूना संग्रह कर इसके विभिन्न मदों की गुणवत्ता जाँच किया जाना आवश्यक है, परन्तु विभाग द्वारा इसकी गुणवत्ता जाँच कराये बगैर आधारहीन तथ्यों के आधार पर खराब गुणवत्ता का आरोप लगाया गया है। उन्होंने विभिन्न परिस्थितिजन्य बाधाओं का

उल्लेख करते हुए अंकित किया है कि पथ को **Service Level** तक बनाये रखने हेतु उन्होंने पथ में बार-बार **Patch work** कराया।

(iii) आरोप संख्या-3 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि पथ के **IRI (Internation Roughness Index)** जाँच **Bump Indicator** से कराये बगैर ही आरोप पत्र गठित किया गया है, जिसमें **Riding Quality** के संबंध में आरोप प्रमाणित/तकनीकी साक्ष्य पर आधारित नहीं है बल्कि नेत्रानुमान मात्र पर आधारित है।

(iv) आरोप संख्या-4 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि **OPRMC** प्रावधानों के तहत **irregular rough surface/Patches** का संधारण उनके द्वारा ससमय **Response time** के अन्दर संवेदक के माध्यम से कराया जाता रहा है और इसी आधार पर **OM** मद में संवेदक को भुगतान किया जाता रहा है। विदित हो कि आलोच्य पथ का संधारण **OPRMC** के **Package No-61** के तहत किया जा रहा था, जिसमें कुल 09 (नौ) पथ थे। उक्त सभी पथों का **OM** मद का मासिक भुगतान समेकित रूप से किये जाने का प्रावधान है। किसी विशेष परिस्थिति में **OM** मद के अन्तर्गत कुल 27 (सताईस) तरह के त्रुटियों का **response time** में **compliance** नहीं किये जाने की स्थिति में **weightage** के आधार पर कटौती कर शेष पथांशों का भुगतान किये जाने का प्रावधान है। भुगतान किये जाने का मतलब यह नहीं है कि जिस पथ में सुधार कर दिया गया है उसमें भुगतान कर देने के बाद **irregular rough surface** उत्पन्न नहीं हो सकता है।

(v) आरोप संख्या-5 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि उनके द्वारा अपने क्षेत्राधीन पथों का माह में कम से कम एक बार या कभी-कभी इससे भी अधिक बार निरीक्षण किया गया है। **OPRMC** के अन्तर्गत संबंधित पथों का निरीक्षण माह में एक बार करते हुए **Monthly Inspection Report OPRMC Cell** में **Online** भेजे जाने के विभागीय निदेश के आलोक में उनके द्वारा माह में एक बार निश्चित रूप से पथों का निरीक्षण करते हुए तदनुसार **Monthly Inspection Report OPRMC Cell** में **Online** भेजा गया है।

4. श्री सुमन के द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर का विभागीय समीक्षा की गयी, तदनुसार पाया गया कि आरोपित पदाधिकारी द्वारा विषयांकित पथ के जीर्ण-शीर्ण अवस्था को सुधारने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। जिस पथ की मरम्मत करायी गयी उसकी गुणवत्ता अत्यन्त ही खराब पायी गयी तथा कार्य विशिष्टता के अनुरूप नहीं थे। इस पथ में जगह-जगह **Patch work** पाया गया तथा कई जगह **Service Level** तक **Crack** भी नजर आया। नियमानुसार **Bituminous** कार्य द्वारा **Patch work** से पथ निर्माण को सुगम कराया जाना था, लेकिन आरोपित पदाधिकारी द्वारा इसका पालन नहीं किया गया। इसके समर्थन में **Videography report** के अनुसार पन्द्रह जगहों पर पथ में **Pots** पाये गये। पथ का बिना रख-रखाव सुनिश्चित कराये संवेदक को **OM (Ordinary maintenance)** मद में भुगतान किया जाता रहा, जो सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं आरोपित पदाधिकारी का संवेदक से मिलीभगत को दर्शाता है।

5. उपलब्ध अभिलेखों से यह भी स्पष्ट होता है कि आरोपित कार्यपालक अभियंता द्वारा आलोच्य पथ का नियमित निरीक्षण नहीं किया गया है, जिसके फलस्वरूप पथ की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। नोडल पदाधिकारी, **OPRMC** द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रतिवेदन एवं उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन के अनुसार कई जगह पथ में **Pots** पाये जाने एवं **Cracks** पाया जाना स्पष्ट करता है कि पथों की मरम्मत विशिष्टता के अनुरूप नहीं की गयी है।

6. सम्यक समीक्षोपरांत यह स्पष्ट है कि पथों के संधारण में गंभीर चूक बरती गयी है। श्री सुमन संविदा की शर्तों को अनुपालन कराने में विफल रहे हैं, जो सरकारी सेवक के आचरण के अनुरूप नहीं है। उनके द्वारा नियमित पर्यवेक्षण नहीं करने से पथ की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। यह उनकी लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का द्योतक है। उपर्युक्त कर्तव्यहीनता, दायित्व निर्वहन में चूक तथा सरकारी राशि का दुरुपयोग तथा लापरवारी का प्रमाणित आरोपों के लिए श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कोचस के अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुए उनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005, यथा सशोधित नियमावली 2007 के नियम 14 (vi) के तहत "संचयी प्रभाव से 04 (चार) वेतन वृद्धि पर रोक" लगाये जाने के निर्णित दण्ड पर विभागीय पत्रांक-4605 (एस) दिनांक 10.09.2021 के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग की सहमति/परामर्श की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2733 दिनांक 22.12.2021 के द्वारा उक्त निर्णित दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी।

7. उपर्युक्त के आलोक में सम्यक विभागीय समीक्षोपरांत श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल कोचस के विरुद्ध प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया जाता है :-

(क) संचयी प्रभाव से 04 (चार) वेतन वृद्धि पर रोक।

8. श्री सुमन के निलंबन अवधि के विनियमन के संबंध में नियमानुसार अलग से कार्रवाई की जायेगी।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

20 जून 2022

सं० निग/सारा-1 (पथ)-आरोप-58/2018-2865(s)—श्री तालकेश्वर कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, डेहरी-ओन-सोन सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सोनपुर के पथ प्रमंडल, डेहरी-ओन-सोन के पदस्थापन अवधि में OPRMC (Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) के अंतर्गत पैकेज संख्या-58 में आरा-सासाराम राज्य उच्च पथ के दीर्घकालीन पथ संधारण में पायी गयी गंभीर अनियमितता के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-9683 (एस), दिनांक 20.12.2018 के द्वारा निलंबित किया गया तथा विभागीय संकल्प ज्ञापांक-9954 (एस) दिनांक 31.12.2018 के द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। श्री कुमार को विभागीय अधिसूचना संख्या-4676 (एस), दिनांक 16.09.2021 के द्वारा निलंबन से मुक्त किया गया। उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप के बिन्दु निम्नलिखित हैं :-

(i) पथ के कि०मी० 89 से कि०मी० 57 के विडियोग्राफी रिपोर्ट में लगातार अनेकों स्थान पर Pot holes एवं Patches पाये गये, जबकि PM कार्य माह अप्रैल एवं मई 2014 में कराया गया है, जिसकी Pot Patch मरम्मत भी कराया गया है, परंतु उसकी गुणवत्ता अत्यंत कमजोर प्रतीत होती है।

(ii) पथ के कि०मी० 74 एवं 75 में नोखा के निकट Riding Surface में सुधार की आवश्यकता बतायी गयी है एवं कि०मी० 78 में Patch work कराया जा रहा था, परंतु पथ पर Riding Surface Quality खराब एवं कई स्थलों पर प्रतिवेदित Pots में भी सुधार की आवश्यकता बतलायी गयी है। उक्त पथ का संधारण OPRMC पैकेज (वर्ष 2014 से फरवरी, 2019) के तहत कराया जा रहा है एवं OPRMC Contract की विहित शर्तों के अनुरूप पथ की Riding Quality 3500 mm तक रखने की है, परंतु इस पथ की Riding Quality भी पूर्णरूपेण असंतोषजनक पायी गयी जिसके कारण पथ के रख-रखाव की स्थिति अत्यंत ही दयनीय हो गयी।

(iii) OPRMC से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन एवं उसके साथ संलग्न Roughness Measurement Report एवं कतिपय फोटोग्राफ सहित करायी गयी विडियोग्राफी के आधार पर आलोच्य आरा-सासाराम पथ (कि०मी० 89 से 57) के Observed Report के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि पथांश के विभिन्न अंतराल पर छोटे-बड़े अनेको Pot holes/patches पाये गये हैं एवं Designation wise Officer's Inspection Report के अन्तर्गत OM मद के Non-compliances के विभिन्न बिन्दुओं को भी उद्धृत किया गया है, जो प्रथम द्रष्टया पथ के रख-रखाव में बरती गयी लापरवाही की पुष्टि प्रतीत होती है।

(iv) अंकनीय है कि दो माह पूर्व अर्थात् सितम्बर, 2018 तक OM (Ordinary Maintenance) घटक के अंतर्गत संवेदक को भुगतान होते रहे हैं, जिससे यह परिलक्षित होता है कि पथ का बिना रख-रखाव सुनिश्चित कराये संवेदक को भुगतान किया जाता रहा, जो सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं संवेदक के साथ मिलीभगत की पुष्टि करता है। इसके लिए श्री कुमार दोषी प्रतीत होते हैं।

(v) कार्यपालक अभियंता का यह दायित्व है कि वे पथों का निरीक्षण माह में कम से कम एक बार अवश्य की जाय एवं तदोपरांत यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो उसका Rectification का कार्य response time में ही संवेदक के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाना अपेक्षित होता है, जिसकी आलोच्य मामले में पूर्ण रूप से उपेक्षा की गई। इस प्रकार श्री कुमार के द्वारा अपने पद पर रहते हुए वांछित कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर विहित पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई।

2. श्री कुमार के विरुद्ध संचालित उक्त विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-1272 अनु० दिनांक 22.04.2019 से प्राप्त हुआ, जिसमें संचालन पदाधिकारी के द्वारा उक्त सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया। विभागीय समीक्षापरांत संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति का बिन्दु सृजित करते हुए विभागीय पत्रांक-4960 (एस), दिनांक 31.08.2020 के द्वारा श्री कुमार से लिखित अभिकथन के रूप में अभ्यावेदन की मांग की गई। असमति का सृजित बिन्दु निम्नवत् है :-

(i) आरोप संख्या-01 के संबंध में संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप को अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया है, जबकि विभागीय समीक्षा में पाया गया कि विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में आपके द्वारा समर्पित बचाव-बयान में स्वयं यह स्वीकार किया है कि आलोच्य पथ में SDBC परत की मुटाई 25mm होना यातायात के सघनता के दृष्टिकोण से अपर्याप्त है। इसके बावजूद आपके द्वारा पथ की मजबूतीकरण के लिए एतद् संबंधी प्रावधानों की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु पत्रांक-1221 दिनांक 28.11.2018 द्वारा समर्पित किया गया, जबकि आप संबंधित प्रमंडल में दिनांक 17.02.2017 से ही पदस्थापित रहे। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि दिनांक 20.11.2018 को निरीक्षण के उपरांत मामला उजागर होने के पश्चात् आपके द्वारा अपने बचाव में उक्त कार्रवाई की गयी। यदि आपके द्वारा उक्त कार्रवाई ससमय की गयी होती तो आलोच्य पथ की स्थिति खराब नहीं होती। साथ ही OPRMC के प्रावधानों के अनुसार पथ को सतत् संधारित किये जाने एवं अच्छी स्थिति बनाये रखने हेतु संवेदक के माध्यम से Engineer-in-Charge के रूप में आपका दायित्व था, जिसका अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया।

(ii) आरोप संख्या-02 के संबंध में जाँच पदाधिकारी के द्वारा अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया है, जो सहमति योग्य नहीं है, क्योंकि आलोच्य पथ से संबंधित Videography report जो, विभागीय कार्यवाही के क्रम में आरोपी एवं संचालन पदाधिकारी को साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया गया है, के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आलोच्य पथ

Irregular Rough Surface/Patches से भरा हुआ है, जो कहीं-कहीं Continuous भी है। आलोच्य पथ का Riding Quality पूर्णरूपेण संतोषजनक नहीं है एवं पथ का रख-रखाव दयनीय है।

(iii) आरोप संख्या-03 के संबंध में संचालन पदाधिकारी द्वारा आपके बचाव-बयान से सहमत होते हुए इसे अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया है, जो सहमति योग्य नहीं है। हालांकि मासिक प्रगति प्रतिवेदन (Form-10) के अवलोकन से प्रतीत होता है कि पाये गये Non-Compliance के विरुद्ध आपके द्वारा संवेदक के विपत्र से लगातार कटौति की गयी, परन्तु पथ में पाये गये Pots-Holes/Defects के लिए संवेदक के विपत्र से कटौति मात्र कर लेने से ही कार्यपालक अभियंता के दायित्व का निर्वहन नहीं हो जाता है, बल्कि MBD के अनुसार Pots holes उखड़ जाने के बाद उत्पन्न Hazards को रोकने के लिए निर्धारित समय-सीमा के अन्दर इसे ठीक कराने का दायित्व भी कार्यपालक अभियंता का ही होता है, जो आपके द्वारा पूरा नहीं किया गया है।

(iv) आरोप संख्या-04 के संबंध में भी संचालन पदाधिकारी का मंतव्य सहमति योग्य नहीं है, क्योंकि आलोच्य पथ के Videography report के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि इसमें बड़े पैमाने पर Irregular Rough Surface/Pot holes/Patches पाये गये हैं, इससे प्रतीत होता है कि आपके द्वारा पथ का रख-रखाव सुनिश्चित कराये बगैर संवेदक को भुगतान किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा response time में त्रुटियों का निराकरण नहीं किया गया।

(v) आरोप संख्या-05 के संबंध में संचालन पदाधिकारी के द्वारा आपके बचाव-बयान पर गठित मंतव्य को अगर एक हद तक मान भी लिया जाय तो कार्यपालक अभियंता के रूप में आपके द्वारा आलोच्य पथ का माह में एक बार निरीक्षण किया गया है एवं निरीक्षण के उपरांत विभिन्न त्रुटियाँ इंगित भी की गयी हैं, परन्तु इस त्रुटि में न तो सुधार किया गया, न तो खुद से इस त्रुटि में सुधार करने का प्रयास किया गया और न ही इसके लिए संबंधित संवेदक के विरुद्ध विपत्र से कटौति को छोड़कर अन्य कोई प्रशासनिक कार्रवाई (अर्थात् Debar/Blacklist आदि) की गयी। इस तरह के निरीक्षण का कोई औचित्य ही नहीं रह जाता है।

3. श्री कुमार ने पत्र दिनांक 16.04.2021 के द्वारा अपना अभ्यावेदन समर्पित किया। संचिका में उपलब्ध अभिलेखों से एवं श्री कुमार से प्राप्त अभ्यावेदन की विभागीय समीक्षा में आरोप संख्या-03 यथा-पथ में बड़े पैमाने पर पाये गये Pot Holes/Defects के कारण उत्पन्न Hazards को समय-सीमा के अन्दर ठीक नहीं कराये जाने एवं आरोप संख्या-05 यथा-पथ का दीर्घकालीन संधारण में पाये गये त्रुटियों का न तो सुधार कराया गया और न ही संवेदक के विरुद्ध अन्य कोई प्रशासनिक कार्रवाई (अर्थात् डिबार करने/कालीसूची में डालने आदि) की ही कार्रवाई की गयी, के आरोप प्रमाणित पाये गये हैं।

4. स्पष्टतः पथ का संधारण उचित गुणवत्ता का नहीं था। पथ के संधारण हेतु कराये गये Patch work काफी कमजोर गुणवत्ता का पाया गया था। पथ के विभिन्न कि०मी० पथांश में कई स्थानों पर गढ़ाये पाये गये तथा कई जगहों पर Service Level तक Cracks भी पाये गये हैं। आरोपी अभियंता द्वारा पथों के निरीक्षण में शिथिलता बरतने के कारण ही पथ की अवस्था जीर्ण-शीर्ण हुई। पथ का उचित रख-रखाव सुनिश्चित कराये बिना संवेदक को OM मद में भुगतान किया जाता रहा, जो सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं श्री कुमार के अन्यथा मंशा को दर्शाता है। कार्यपालक अभियंता द्वारा संवेदक पर उचित नियंत्रण सुनिश्चित नहीं किया गया, जिसके फलस्वरूप निरीक्षण के क्रम में पथ की गुणवत्ता कमजोर पायी गयी। स्पष्ट है कि कार्यपालक अभियंता द्वारा दीर्घकालीन पथों के संधारण में गंभीर चूक बरती गयी है। ये संविदा शर्तों के अनुपालन कराने में विफल रहे हैं, जो उनके अक्षमता को दर्शाता है एवं इनके पदीय दायित्व के प्रतिकूल होने का परिचायक है।

5. सम्यक समीक्षोपरांत यह स्पष्ट है कि पथों के संधारण में गंभीर चूक बरती गयी है। श्री कुमार संविदा के शर्तों को अनुपालन कराने में विफल रहे हैं, जो सरकारी सेवक के आचरण के अनुरूप नहीं है। उनके द्वारा नियमित पर्यवेक्षण नहीं करने से पथ की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। यह उनके लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का द्योतक है। उपर्युक्त कर्तव्यहीनता, दायित्व निर्वहन में चूक तथा सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं लापरवाही के प्रमाणित आरोपों के लिए श्री तालकेश्वर कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, डेहरी-ऑन-सोन सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सोनपुर को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 यथा संशोधित नियम-2007 के नियम 14 (vi) के तहत "संचयात्मक प्रभाव से चार वेतन वृद्धि पर रोक" लगाये जाने के निर्णित दण्ड पर विभागीय पत्रांक-4723 (एस) दिनांक 17.09.2021 के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग की सहमति/परामर्श की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-3882, दिनांक 16.03.2022 के द्वारा उक्त निर्णित दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी।

6. उपर्युक्त के आलोक में सम्यक विभागीय समीक्षोपरांत श्री तालकेश्वर कुमार, कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया जाता है :-

(क) संचयी प्रभाव से 04 (चार) वेतन वृद्धि पर रोक।

7. श्री कुमार के निलंबन अवधि के विनियमन के संबंध में नियमानुसार अलग से कार्रवाई की जायेगी।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

21 जून 2022

सं० 1/स्था०-09/2022-2914(s)—1. श्री इन्द्रजीत कुमार, अधीक्षण अभियंता (पदस्थापन की प्रतीक्षा में) को अधीक्षण अभियंता, (नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2915(s)—2. श्री मुकेश कुमार, कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), केन्द्रीय पथ अंचल, पटना-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता, केन्द्रीय पथ अंचल, पटना को स्थानांतरित करते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण)—2, मुख्य अभियंता (अनुश्रवण) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए संयुक्त सचिव (प्र०को०), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2916(s)—3. श्री उमेश कुमार राय, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, जमुई को स्थानांतरित करते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), केन्द्रीय पथ अंचल, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री राय को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, केन्द्रीय पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

(iii) यह आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

सं० 1/स्था०-09/2022-2917(s)—4. श्री बलू कुमार, कार्यपालक अभियंता, बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड की सेवा वापस लेते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), सारण पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, हाजीपुर के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, सारण पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, हाजीपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2918(s)—5. श्री अजय कुमार आजाद, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, सीतामढ़ी को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, पथ अंचल, मोतिहारी का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2919(s)—6. श्री कासिम अंसारी, कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण)—3, मुख्य अभियंता (अनुश्रवण) का कार्यालय-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण)—2, पथ निर्माण विभाग, पटना अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को अगले आदेश तक के लिए सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2920(s)—7. श्री विजय कुमार, कार्यपालक अभियंता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड की सेवा वापस लेते हुए अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2921(s)—8. श्री अरूण कुमार, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, पटना पश्चिम को स्थानान्तरित करते हुए अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार, पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, दरभंगा के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, दरभंगा का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2922(s)—9. श्री इन्द्रजीत कुमार आर्य, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल सं०-1, औरंगाबाद को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, डेहरी-ऑन-सोन का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2923(s)—10. श्री कुमुद कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), पथ अंचल, दरभंगा-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता, पथ अंचल, दरभंगा को स्थानांतरित करते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण)—3, मुख्य अभियंता (अनुश्रवण) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सिंह को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण)—2, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2924(s)—11. श्री बिरेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, महात्मा गाँधी सेतु प्रमंडल, पटना की सेवा अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2925(s)—12. श्री शैलेन्द्र भारती, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सीवानको स्थानांतरित करते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), भोजपुर पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, आरा के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री भारती को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, भोजपुर पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, आरा का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2926(s)—13. श्री कमर आलम, कार्यपालक अभियंता, सेतु निरूपण पदाधिकारी-2—सह—अतिरिक्त प्रभार, अधीक्षण अभियंता, भोजपुर पथ अंचल, आरा की सेवा कार्यपालक अभियंता—सह—अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2927(s)—14. श्री भारत भूषण, कार्यपालक अभियंता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम की सेवा वापस लेते हुए अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार, पथ अंचल, मुंगेर के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री भूषण को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, मुंगेर का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2928(s)—15. श्री जितेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा को स्थानांतरित करते कार्यपालक अभियंता (भू-अर्जन एवं गुण नियंत्रण), मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (उत्तर) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता के सचिव (प्रा०), राष्ट्रीय उच्च पथ (उत्तर) उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2929(s)—16. श्री अखिलेश कुमार, कार्यपालक अभियंता-2, मुख्य अभियंता, दक्षिण का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता, उत्तर के सचिव (प्रा०), पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2930(s)—17. श्री अंशुमान कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता-1, मुख्यालय निरूपण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पटना को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, मुख्यालय निरूपण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2931(s)—18. श्री अमलेन्दु कुमार रंजन, कार्यपालक अभियंता, नगर विकास एवं आवास विभाग को अपने कार्यों के अतिरिक्त कार्यकारी व्यवस्था के अधीन अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, नगर विकास एवं आवास विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2932(s)—19. श्री अजय कुमार, कार्यपालक अभियंता, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम को स्थानांतरित करते हुए सेतु निरूपण पदाधिकारी-2 के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता के सचिव (प्रा०), अग्रिम योजना उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2933(s)—20. श्री अरुण कुमार सिंह, अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार, उत्तर बिहार पथ अंचल, मुजफ्फरपुर को स्थानांतरित करते हुए अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार, उच्च पथ योजना एवं अन्वेषण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सिंह को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, उच्च पथ योजना एवं अन्वेषण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2934(s)—21. श्री अनिल कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, सीतामढ़ी को स्थानांतरित करते हुए अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, भागलपुर के तकनीकी सलाहकार, के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सिंह को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, भागलपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2935(s)—22. श्री राज कुमार, योजना एवं समन्वय पदाधिकारी (कार्यपालक अभियंता)-1, मुख्य अभियंता, उत्तर का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना को स्थानांतरित करते हुए अपने ही वेतनमान में

कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा अगले आदेश तक के लिए तकनीकी परीक्षक कोषांग, निगरानी विभाग, बिहार, पटना को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2936(s)—23. श्री विजय कुमार, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, बिहारशरीफ-2 को स्थानान्तरित करते हुए अधीक्षण अभियंता, सेतु निरूपण अंचल, पटना के तकनीकी सलाहकार के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, सेतु निरूपण अंचल, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2937(s)—24. श्री अंजनी कुमार सुमन, कार्यपालक अभियंता (बजट-2), मुख्य अभियंता (बजट एवं योजना) का कार्यालय को स्थानान्तरित करते हुए कार्यपालक अभियंता-2, मुख्य अभियंता (सीमांचल) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सुमन को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता (सीमांचल) उपभाग का सचिव (प्रा०) का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2938(s)—25. श्री उमा शंकर प्रसाद, कार्यपालक अभियंता, योजना एवं विकास विभाग को अपने कार्यों के अतिरिक्त कार्यकारी व्यवस्था के अधीन अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, योजना एवं विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2939(s)—26. श्री उदय कुमार दास, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, बेनीपुर को स्थानान्तरित करते हुए कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण), पूर्व बिहार पथ अंचल, भागलपुर के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री दास को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, पूर्व बिहार पथ अंचल, भागलपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2940(s)—27. श्री अहमद हुसैन, कार्यपालक अभियंता, योजना एवं विकास विभाग को अपने कार्यों के अतिरिक्त कार्यकारी व्यवस्था के अधीन अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, योजना एवं विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

(ii) यह आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

सं० 1/स्था०-09/2022-2941(s)—28. श्री प्रिय रंजन केशव, योजना एवं समन्वय पदाधिकारी (कार्यपालक अभियंता)-1, मुख्य अभियंता, दक्षिण का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना को स्थानान्तरित करते हुए कार्यपालक अभियंता-2, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री केशव को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (योजना निरूपण, NHAI, भू-अर्जन एवं गुण नियंत्रण) अंचल, मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-2942(s)—29. श्री इमरान अख्तर, कार्यपालक अभियंता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम की सेवा वापस लेते हुए उप निदेशक (क्रय एवं परिवहन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री अख्तर को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए निदेशक (क्रय एवं परिवहन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

क्र०सं०-2 से 29 द्वारा निर्गत अतिरिक्त प्रभार का यह आदेश कार्यहित में निर्गत किया जा रहा है। इस अधिसूचना के आधार पर भविष्य में प्रोन्नति अथवा वरीयता का दावा मान्य नहीं होगा।

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

24 जून 2022

सं० 1/स्था०-06/2022-3159(s)—1. श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह, अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, दरभंगा को स्थानान्तरित करते हुए कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम (शिक्षा विभाग, बिहार, पटना) को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3160(s)—2. श्री लक्ष्मी नारायण सिंह, अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, मोतिहारी को स्थानान्तरित करते हुए अधीक्षण अभियंता (योजना अनुश्रवण एवं गुण नियंत्रण)-2, मुख्य अभियंता, दक्षिण का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सिंह को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

(iii) यह आदेश दिनांक 01.07.2022 से प्रभावी होगा।

सं० 1/स्था०-06/2022-3161(s)—3. श्री सुनील कुमार सिन्हा, अधीक्षण अभियंता, तकनीकी परीक्षक कोषांग, निगरानी विभाग, पटना की सेवा वापस लेते हुए कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा लोकायुक्त का कार्यालय बिहार, पटना को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3162(s)—4. श्री शमीम अहमद, अधीक्षण अभियंता (पथ संधारण)—1—सह-अतिरिक्त प्रभार मुख्य अभियंता, सीमांचल उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता, उत्तर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना एवं मुख्य अभियंता (बजट एवं योजना), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3163(s)—5. श्री शाकीर अली, अधीक्षण अभियंता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड की सेवा वापस लेते हुए अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (योजना निरूपण, NHAI, भू-अर्जन एवं गुण नियंत्रण) अंचल, मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री अली को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3164(s)—6. श्री सोहैल अख्तर, प्रभारी मुख्य अभियंता, बिहार राज्य पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड की सेवा वापस लेते हुए कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अपने ही वेतनमान में प्रभारी मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3165(s)—7. श्री सुरेन्द्र यादव, अधीक्षण अभियंता (पदस्थापन की प्रतीक्षा में) को अधीक्षण अभियंता (पथ संधारण)—3, मुख्य अभियंता (पथ संधारण) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री यादव को अपने कार्यों के अतिरिक्त अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता (पथ संधारण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3166(s)—8. श्री ब्रज कुमार ओझा, मुख्य अभियंता, उत्तर के सचिव (प्रा०)—सह-अतिरिक्त प्रभार मुख्य अभियंता, उत्तर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को स्थानान्तरित करते हुए कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अपने ही वेतनमान में बिहार राज्य पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड में मुख्य अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु इनकी सेवा गृह विभाग, बिहार, पटना को सौंपी जाती है।

क्र०सं०-1 से 8 द्वारा निर्गत अतिरिक्त प्रभार का यह आदेश कार्यहित में निर्गत किया जा रहा है। इस अधिसूचना के आधार पर भविष्य में प्रोन्नति अथवा वरीयता का दावा मान्य नहीं होगा।

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

24 जून 2022

सं० निग/सारा-(एन०एच०) आरोप-30/2022-3195(s)—श्री लोकेश नाथ मिश्र, प्रभारी कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर के अन्तर्गत उमगाँव-बासोपट्टी-कलुआही पथ (एन०एच०- 227 L) के कि०मी० 0 से 20.50 के IRQP कार्य की स्वीकृति वर्ष 2020-21 में हो जाने तथा मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (उत्तर) उपभाग के पत्रांक-2245 अनु० दिनांक- 24.09.2020 द्वारा निविदा स्वीकृति से संबंधित पत्र के अनुसार कार्य को कार्यादेश निर्गत की तिथि से 10 माह के अन्दर पूर्ण करने तथा अगले 05 वर्षों के लिए इसके रख-रखाब का आदेश के बावजूद आज की तिथि में कार्य सिर्फ अधूरा ही नहीं बल्कि इस सड़क की स्थिति दयनीय है। इस संबंध में तस्वीर राष्ट्रीय स्तर पर भी वायरल हुआ है। इस सड़क के संबंध में माननीय सदस्य बिहार विधान सभा श्री अरुण शंकर प्रसाद के द्वारा भी बिहार विधान सभा के सत्र में प्रश्न किया गया था। इससे स्पष्ट है कि कार्यपालक अभियंता के रूप में श्री मिश्र के द्वारा कार्य में घोर अकर्मण्यता एवं लापरवाही बरती गयी है। श्री मिश्र के इस कृत्य से योजना के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है तथा विभाग की छवि भी धूमिल हुयी है।

2. श्री मिश्र का यह कृत्य बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली 1976 के नियम 3 (1) (i), (ii) एवं (iii) के प्रतिकूल है, जिसके लिए श्री मिश्र दोषी हैं। इस हेतु बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 9 (1) (क) के तहत श्री लोकेश नाथ मिश्र, प्रभारी कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

3. निलंबन अवधि के दौरान बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 10 के अध्याधीन शर्तों के तहत इन्हें जीवन निर्वाह भत्ता मात्र देय होगा।

4. निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय अभियंता प्रमुख (मु०) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना निर्धारित किया जाता है।
5. इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित करने हेतु अलग से आरोप पत्र निर्गत किया जायेगा।
6. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

29 जून 2022

सं० निग/सारा-01 (पथ) मुक०-03/2022-3348(s)—श्री मनोरंजन कुमार पांडेय, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, भभुआ सम्प्रति सेवानिवृत्त (दिनांक 30.06.2021) के उक्त पदस्थापन काल में पूर्ण किये गये पथ योजनाओं (PCR) के तहत कुदरा-परसथुआ पथ की जाँच उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-04 के द्वारा की गई जाँचोपरांत निदेशक, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग के पत्रांक-456 (अनु०), दिनांक-19.09.2016 द्वारा समर्पित तत्संबंधी जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरांत उक्त पथ में PCR में भिन्नता, जल जमाव, कि०मी० 01 से 07, 09, एवं 11 से 15 में पाये गए Pots, Culvert निर्माण, Signage Posts, Boulder Pitching, filter joints आदि पायी गई त्रुटियों के लिए विभागीय पत्रांक-10187(S) दिनांक-06.11.2017 एवं विभिन्न स्मार पत्रों द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की माँग की गई।

2. श्री पांडेय द्वारा पत्रांक-918 (अनु०) दिनांक-24.07.2018 से अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। प्राप्त स्पष्टीकरण की विभागीय समीक्षोपरांत उनके स्पष्टीकरण पत्र को अस्वीकृत करते हुए विभागीय अधिसूचना संख्या-3146 (एस), दिनांक 11.03.2019 के द्वारा श्री पांडेय के विरुद्ध निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया गया :-

(क) एक वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

3. श्री पांडेय के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में उक्त दण्डादेश के विरुद्ध CWJC No-22443/2019 दायर किया गया, जिसमें दिनांक 09.01.2020 के न्यायादेश में उक्त दण्डादेश को **set aside** कर दिया गया।

4. उक्त न्यायादेश के अनुपालन में विभागीय अधिसूचना संख्या-3146 (एस), दिनांक 11.03.2019 को निरस्त किया जाता है।

5. यह आदेश CWJC No-22443/2019 में दिनांक 09.01.2020 को पारित न्यायादेश के विरुद्ध विभाग द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर LPA No-97/2022 में पारित होने वाले न्याय निर्णय के फलाफल से प्रभावित होगा।

6. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का आदेश प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव (निगरानी)।

29 जून 2022

सं० 1/स्था०-13/2002/(खण्ड-II)-3350(s)—बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के Clause 81 of Articles of Association of Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Limited & The New Companies ACT 2013 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री संदीप कुमार आर० पुडकलकट्टी, भा०प्र०से०, अध्यक्ष, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को उक्त निगम के निदेशक के रूप में मनोनित किया जाता है।

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

29 जून 2022

सं० निग/सारा-04(पथ)-आरोप-50/2021-3378(s)—पथ प्रमंडल, गोपालगंज अन्तर्गत एन०एच०-28 के यू०पी०/बिहार सीमा से बथनाकुट्टी-गोपालगंज-डुमरियाघाट खण्ड कि०मी० 360.915 से 424.915 तक सड़क के सुदृढीकरण सहित डुमरियाघाट में गंडक पुल के निर्माण कार्य के संबंध में अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, पथ निर्माण विभाग, मुजफ्फरपुर के पत्रांक- 82 दिनांक-10.02.2015 के द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा के क्रम में निम्न अनियमितता पायी गयी:-

- (i) संवेदक के द्वारा एकरारनामा के समय दिये गये Bar Chart के अनुसार कार्य काफी पीछे हैं, लेकिन कार्यपालक अभियंता द्वारा SBD के नियमों के आलोक में संवेदक के विरुद्ध Penalty लगाने की कार्रवाई नहीं की गयी है।
- (ii) A/C Bill Payment एकरारनामा BOQ दर से 4.99% ज्यादा किया गया है, जबकि 2.324% कम पर Payment करना है अर्थात् प्रत्येक Running Bill में $2.324\% + 4.99\% = 7.324\%$ ज्यादा Payment किया गया।

- (iii) प्रत्येक विपत्र में Secured Advance का Deduction Material Consumption की तुलना में कम किया गया है। संवेदक से 12वें A/C Bill तक ही Secured Advance Recover कर लेना था, जबकि जाँच की तिथि तक Secured Advance Recovery नहीं किया गया।
- (iv) मापी पुस्त में कनीय अभियंता द्वारा Secured Advance के रूप में रु० 2,29,59,292.00 का Recovery Adjustment हेतु प्रस्ताव दिया गया था, जबकि Memo में रु० 1,35,50,565.00 को ही Adjust किया गया है।
- (v) 5वें विपत्र तक Tack Coat का दर Rs. 17.24/m² दिया गया है, जबकि एकरारनामा में Tack Coat का दर Rs. 13.38/m² है।

2. वर्णित पायी गयी त्रुटि के संदर्भ में श्री भगवान राम, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, गोपालगंज से विभागीय पत्रांक-3216(S)we दिनांक-13.03.2019 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया। श्री राम के पत्रांक-447 अनु० दिनांक-20.04.2019 द्वारा स्पष्टीकरण उत्तर समर्पित किया गया, जिसमें मुख्य रूप से निम्न तथ्य अंकित किये गये:-

- (i) **आरोप संख्या 1-** प्रारंभिक लक्ष्य पिछड़ने पर संवेदक के तृतीय चालू विपत्र से रूपया 2,80,571/- का प्रक्रियात्मक रूप से दंड भारित कर कटौती की गयी। कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता के स्तर से कार्य शिथिलता संबंधी प्रतिकूल टिप्पणी नहीं किये जाने के कारण कार्य की माध्यमिक चरणों की कोई कटौती नहीं की गयी। निर्धारित समयावधि के बाद संवेदक के प्रत्येक विपत्र से नियमानुसार 10% के बराबर समय वृद्धि मद में कुल रु० 65,03,549/- रूपया की कटौती कर ही भुगतान किया गया है।
- (ii) **आरोप संख्या 2-** कार्य का एकरारनामा तत्कालीन राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, गोपालगंज द्वारा किया गया था बाद में इस प्रमंडल के विखण्डन होने के उपरान्त आलोच्य कार्य, पथ प्रमंडल, गोपालगंज द्वारा कराया गया। अतएव एकरारनामा से यह परिलक्षित नहीं हो पाया कि एकरारनामा में दर्ज दर संवेदक का कोटेड दर है, सामान्यतया एकरारनामा में परिमाण विपत्र (BOQ) का ही दर होता है, ऐसी स्थिति में कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता द्वारा मापी पुस्त में चढ़ाये गये दर जो एकरारनामा के अनुसार ही है, को परिमाण विपत्र मानते हुए निविदा समिति द्वारा आवंटित विपत्र दर से 4.99% अधिक पर भुगतान किया जा रहा था। अधीक्षण अभियंता द्वारा एकरारनामा में वर्णित दर को कोटेड दर परिलक्षित होने एवं Manager Tech के पत्रांक-NHAI/46695 दिनांक- 10.12.2013 के द्वारा स्वीकृत प्राक्कलन का दर ही BOQ का दर है, कि सूचना पर तुरंत बाद में 16वें चालू विपत्र एवं इसके आगे के विपत्र से उद्घाटित परिमाण विपत्र दर पर 4.99% अधिक पारित कर पूर्व में अधिक भुगतान को समायोजित कर लिया गया।
- (iii) **आरोप संख्या 3 एवं 4-** संवेदक के प्रत्येक चलता विपत्र से Secured Advance के मद में स्थलीय अभियंताओं द्वारा प्रस्तावित किये गये राशि के अनुरूप इसकी कटौती की गयी है। इसी क्रम में यह अंकित किया गया है कि मापी पुस्त के पृष्ठ संख्या-9 पर चतुर्थ विपत्र में Secured Advance मद में कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता द्वारा रु० 2,29,57,292/- रूपया की कटौती प्रस्तावित की गयी थी और उसी के अनुसार भुगतान का ज्ञाप में Outstanding Secured Advance के नीचे Adjust रु० 2,29,57,292/- के अनुसार उतनी ही राशि की कटौती की गयी है।
- (iv) **आरोप संख्या 5-** मामले के संज्ञान में आने के बाद प्रारंभ में Tack Coat का दर सुधारते हुए छठे विपत्र से रूपया 13.38/m² के दर से भुगतान किया गया एवं पूर्व में की गयी अधिक भुगतान को समायोजित कर लिया गया। पुनः 16वें चालू विपत्र से BOQ का दर दृष्टिगोचर होते ही रूपया 12.42/m² की दर से भुगतान किया गया एवं पूर्व में अधिक भुगतान किये गये राशि को समायोजित कर लिया गया।

3. श्री राम के द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर की गहन विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि आलोच्य कार्य में संवेदक को Running Bill एवं Tack Coat मद में अधिक भुगतान किया गया। हालांकि मामला संज्ञान में आने पर इसका समायोजन कर लिया गया। यदि अधिकायी भुगतान किये जाने का मामला संज्ञान में नहीं आता तो अधिक भुगतान का समायोजन नहीं हो पाता। इससे स्पष्ट है कि संवेदक को इन मदों में अधिक भुगतान किया गया है, जिससे सरकार को आर्थिक क्षति हुयी है। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, गोपालगंज के पत्रांक- 716 अनु० दिनांक- 27.06.2022 के द्वारा संवेदक को उक्त मदों में अधिक भुगतान की गयी राशि की तिथि से समायोजन की तिथि तक कुल ब्याज की राशि रु० 2,78,879/- (रुपये दो लाख अठहत्तर हजार आठ सौ उनासी) मात्र प्रतिवेदित किया गया है। उल्लेखनीय है कि आलोच्य मामले में कुल 10 पदाधिकारियों/कर्मियों को चिन्हित किया गया है, जिनसे रु० 2,78,879.00 की अनुपातिक वसूली की जानी है। इस प्रकार रु० 2,78,879 ÷ 10 = 27,887.90 (रुपये सताईस हजार आठ सौ सत्तासी एवं नब्बे पैसे) प्रत्येक से वसूलनीय निर्धारित होता है।

उक्त से स्पष्ट है कि श्री भगवान राम, तदेन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, गोपालगंज के द्वारा अपने मूल दायित्व के निर्वहन में चूक कर संवेदक को अधिक भुगतान किया गया है, जो उनके कर्तव्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता बरतने के साथ ही पदीय दायित्व के निर्वहन में विफलता को प्रमाणित करता है।

4. अतएव उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में प्रमाणित पाये गये आरोप के लिए श्री भगवान राम, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, गोपालगंज सम्प्रति कार्यपालक अभियंता (अनुश्रवण)—6, मुख्य अभियंता (अनुश्रवण) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के स्पष्टीकरण उत्तर को अस्वीकृत करते हुए निम्न दंड अधिरोपित किया जाता है:—

(i) बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील), नियमावली-2005 (यथा संशोधित) के नियम-14(v) के तहत “तीन वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक”।

(ii) अधिकायी भुगतान पर ब्याज की कुल राशि में से इनके वेतन से अनुपातिक रूप से रु० 27, 887.90 (रुपये सत्ताईस हजार आठ सौ सत्तासी एवं नब्बे पैसे) की वसूली।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, अपर सचिव।

30 जून 2022

सं० 1/स्था०-08/2021- 3414(s)—1. विभागीय अधिसूचना संख्या-2948 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री शशिभूषण सिंह, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, बक्सर को स्थानान्तरित/संशोधित करते हुए अगले आदेश तक के लिए इनकी सेवा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3415(s)—2. विभागीय अधिसूचना संख्या-2959 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री श्रीमन् नारायण शर्मा, कार्यपालक अभियंता की सेवा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड से वापस लेते हुए/संशोधित करते हुए कार्यपालक अभियंता-2, मुख्यालय निरूपण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3416(s)—3. विभागीय अधिसूचना संख्या-3042 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री भाष्कर मिश्र, कार्यपालक अभियंता, सेतु शोध एवं विकास प्रमंडल सं०-1, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना को स्थानान्तरित/संशोधित करते हुए अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता, बिहार भवन, नई दिल्ली के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3417(s)—4. विभागीय अधिसूचना संख्या-3043 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री अजय कुमार रजक, कार्यपालक अभियंता, बिहार भवन, नई दिल्ली को स्थानान्तरित/संशोधित करते हुए सेतु कार्यपालक अभियंता, सेतु शोध एवं विकास प्रमंडल सं०-1, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3418(s)—5. विभागीय अधिसूचना संख्या-2950 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री राजेश कुमार गुप्ता, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, शिवहर को स्थानान्तरित/संशोधित करते हुए उप मुख्य सेतु विशेषज्ञ, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पद स्थापित किया जाता है।

(ii) श्री गुप्ता अपने कार्यों के अतिरिक्त राष्ट्रीय उच्चपथ (NH) एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की योजनाओं के अनुश्रवण का भी कार्य करेंगे।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3419(s)—6. श्री रजनीकान्त तिवारी, कार्यपालक अभियंता की सेवा बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना (स्वास्थ्य विभाग) से वापस लेते हुए कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, बक्सर के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3420(s)—7. श्रीकमलउद्दीन खाँ, कार्यपालक अभियंता की सेवा बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड (गृह विभाग) से वापस लेते हुए उप मुख्य सेतु विशेषज्ञ, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3421(s)—8. श्री प्रभाषचन्द्रा, कार्यपालक अभियंता की सेवा बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना (स्वास्थ्य विभाग) से वापस लेते हुए कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, शिवहर के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-08/2021- 3422(s)—9. विभागीय अधिसूचना संख्या-2968 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा अधिसूचित श्री सुरेन्द्रनारायण, सहायक अभियंता अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक अभियंता की सेवा नगर विकास एवं आवास विभाग से वापस लेते हुए/संशोधित करते हुए कार्यकारी व्यवस्था के तहत अपने ही वेतनमान में इनकी सेवा कार्यपालक अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु अगले आदेश तक के लिए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को सौंपी जाती है।

क्रमांक-9 में अंकित सहायक अभियंता को कार्यपालक अभियंता का अतिरिक्त प्रभार कार्यहित में कार्यकारी व्यवस्था अन्तर्गत अपने ही वेतन मान में दिया जा रहा है। इस अधिसूचना के आधार पर भविष्य में प्रोन्नति अथवा वरीयता का दावा मान्य नहीं होगा।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

30 जून 2022

सं० 01/स्था०-08/2021-3424(s)—पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत कार्यरत निम्नलिखित सहायक अभियंताओं को कार्यरहित में उनके नाम के आगे अंकित स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है:-

क्र० सं०	सहायक अभियंता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	संशोधित/नव पदस्थापित स्थान
1	2	3	4	5
1	श्री मनीष कुमार वर्मा, सहायक अभियंता	औरंगाबाद	सहायक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, पटना दक्षिण, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, डेहरी-ऑन सोन एट गया।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, मोकामा, पथ प्रमंडल, पटना सिटी।
2	श्री निशांत राज, सहायक अभियंता	नालंदा	सहायक अभियंता (अनुश्रवण), पथ प्रमंडल, गया।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, संख्या-1, पथ प्रमंडल, गया।
3	श्री संजीव कुमार, सहायक अभियंता	पटना	सहायक अभियंता, गुण नियंत्रण राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, छपरा।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, संख्या-1, पथ प्रमंडल, बेतिया।
4	श्री अजय कुमार पाल, सहायक अभियंता	गया	सहायक अभियंता, गुण नियंत्रण राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, मोतिहारी।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, संख्या-2, पथ प्रमंडल, बेतिया।
5	श्री स्वयं प्रकाश, सहायक अभियंता	मुजफ्फरपुर	सहायक अभियंता (अनुश्रवण), सारण पथ अंचल, हाजीपुर।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, कंकड़बाग, पथ प्रमंडल, पटना सिटी।
6	श्री कृष्ण कुमार, सहायक अभियंता	नालंदा	बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, विक्रमगंज-2, पथ प्रमंडल, कोचस।
7	अंजली कुमारी, सहायक अभियंता	नालंदा	सहायक अभियंता-4, अधीक्षण अभियंता (पथ संधारण-3), का कार्यालय	सहायक अभियंता (दक्षिण)-3, मुख्य अभियंता, दक्षिण का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना।
8	श्री नरसिंह कुमार, सहायक अभियंता	नवादा	विभागीय अधिसूचना संख्या-2944 (एस), दिनांक 21.06.2022 द्वारा सहायक अभियंता, (नाबार्ड बाह्य सम्पोषित)-2, मुख्य अभियंता (बजट एवं योजना) का कार्यालय अधिसूचित।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, सुरसंड, पथ प्रमंडल, सीतामढ़ी।
9	श्री सुजीत कुमार सिन्हा, सहायक अभियंता	गया	सहायक अभियंता, यांत्रिक अवर प्रमंडल संख्या-1, यांत्रिक प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, पटना में पदस्थापित करते हुए पंचायती राज विभाग में प्रतिनियुक्त।	पंचायती राज विभाग की प्रतिनियुक्ति समाप्त की जाती है।
10	श्री अनुज कुमार, सहायक अभियंता	पटना	प्राक्कलन पदाधिकारी, पथ प्रमंडल, बिहारशरीफ।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, हाजीपुर, वैशाली पथ प्रमंडल, हाजीपुर।

क्र० सं०	सहायक अभियंता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	संशोधित/नव पदस्थापित स्थान
1	2	3	4	5
11	श्री अखिलेश कुमार सिंह, सहायक अभियंता	समस्तीपुर	प्राक्कलन पदाधिकारी, पथ अंचल, दरभंगा।	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, सकरी, पथ प्रमंडल, दरभंगा।
12	श्री राहुल राज, सहायक अभियंता	भागलपुर	सहायक अभियंता-3, अधीक्षण अभियंता (पथ संधारण-1), का कार्यालय	सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, मझौल, पथ प्रमंडल, बेगूसराय।

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

6 जुलाई 2022

सं० निग/सारा-उ०बि०रा०उ०प०-116/2013-3525(s)—श्री तुलसी कुमार (पूर्ववर्ती नाम—श्री तुलसी राम), तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर सम्प्रति सेवानिवृत्त (दिनांक-30.04.2020) कार्यपालक अभियंता द्वारा राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर के पदस्थापन काल में एन०एच०-104 के कि०मी० 153 (P), 154(P), 155(P) एवं 156(P) में कराये गये PCC एवं Black Topping कार्य में बरती गयी अनियमितता के आरोप में इनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-9102 (एस) अनु० दिनांक-30.11.2018 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जो इनके दिनांक-30.04.2020 को सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप विभागीय संकल्प ज्ञापांक-3345 (एस) दिनांक-04.06.2020 द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के लियम 43 (बी) के तहत सम्पत्तिवर्तित किया गया। उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप पत्र के तहत कुल-05 आरोप निम्नवत् गठित किये गये हैं—

(i) श्री राम द्वारा संवेदक के Qualification/Eligibility का नियमानुसार आकलन नहीं किया गया तथा अधूरे एवं अपूर्ण निविदा को मान्य करार दिया गया।

(ii) संवेदक द्वारा समर्पित प्रतिभूति के संबंध में SBD के Clause (22.4) एवं बिहार लोक निर्माण लेखा संहिता-नियम 418 की पूर्णतः अवहेलना श्री राम द्वारा की गयी।

(iii) संवेदक को Secured Advance देने हेतु पथ निर्माण विभाग के पत्रांक-प्र06/द0वि0 नियम-03-02/2004-678 (एस0) दिनांक-18.01.2007 एवं SBD के पृष्ठ 104 पर दिये गये Agreement (From 31) की भी श्री राम के द्वारा अवहेलना की गयी।

(iv) निर्माण में उपयोग के लिए ठेकेदारों को दी गयी सामग्रियों के मूल्य की वसूली नहीं की गयी, अतः बिहार वित्त नियमावली के नियम 288 के उल्लंघन के लिए भी श्री राम का सीधा दायित्व परिलक्षित होता है।

(v) इसी प्रकार वर्णित निर्माण कार्य में संवेदक को दिये गये Secured Advance मद में कुल 3,91,626 (तीन लाख, एकयानबे हजार, छः सौ छब्बीस) की वसूली भी श्री राम के द्वारा नहीं की जा सकी। चूंकि श्री राम तत्समय कार्यपालक अभियंता के रूप में पदस्थापित थे, जिनके द्वारा कार्य का निरंतर अनुश्रवण किया जाना अपेक्षित होता है, परन्तु उनके द्वारा Engineer-in-Charge के रूप में अपने विहित कार्य दायित्वों का निर्वहन नहीं किया गया जिसके लिए श्री राम दोषी प्रतीत होते हैं।

2. मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निरूपण संगठन-सह-संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-784 (अनु०) दिनांक-17.10.2019 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन के तहत आरोप संख्या-(i), (ii), (iii) एवं (iv) को अप्रमाणित होने तथा मात्र आरोप संख्या-(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया। उक्त जाँच प्रतिवेदन के अन्तर्गत अंकित तथ्यों की आरोपवार विभागीय समीक्षा में संचालन पदाधिकारी द्वारा गठित निष्कर्ष से निम्नवत् असहमति के बिन्दु पाये गये :—

आरोप संख्या-(i) को संचालन पदाधिकारी के द्वारा इस आधार पर अप्रमाणित माना गया है कि गठित आरोप के तहत यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि आरोपित पदाधिकारी द्वारा संवेदक के Qualification/Eligibility के किस बिन्दु पर नियमानुसार आकलन नहीं किया गया है। संचालन पदाधिकारी के उक्त अधिगम/निष्कर्ष से सहमत नहीं हुआ जा सकता है, क्योंकि आरोप पत्र के साथ आरोपी को उपलब्ध कराये गये साक्ष्य के रूप में अधीक्षण अभियंता, अग्रिम योजना अंचल, पथ निर्माण विभाग, पटना के जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-129 अनु० दिनांक-09.10.2013 की कंडिका- 4 के तहत यह स्पष्ट रूप से उल्लिखित है कि संवेदक के Qualification/Eligibility की गणना करते समय पुरानी कम्पनी के निबंधन को निबंधन कार्यालय में Deregistered किये जाने संबंधी अभिलेखों का छानबीन करने, SBD के Clause (4.1) एवं (4.3) के कई वैसे पृष्ठ जिन्हें निविदाकार द्वारा नहीं भरा गया था, की जाँच करने, SBD के Clause (18.1) के अनुसार विषयांकित

निविदा Two set of Financial Bid (Original & Duplicate) के रूप में प्राप्त होना अपेक्षित था— की जाँच नहीं किये जाने इत्यादि का आकलन नहीं किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि संचालन पदाधिकारी द्वारा मात्र आरोपी के बचाव-बयान को ही तरजीह देते हुए उपलब्ध कराये गये साक्ष्य की बिल्कुल ही अनदेखी की गई है। अतएव आरोप संख्या—(i) के संबंध में संचालन पदाधिकारी का निष्कर्ष सहमति योग्य नहीं है।

आरोप संख्या—(ii) के संबंध में संचालन पदाधिकारी के द्वारा अधीक्षण अभियंता, अग्रिम योजना अंचल के जाँच प्रतिवेदन में उल्लिखित तथ्यों यथा— “उप डाकपाल, डाकघर, लहेरियासराय ने कार्यपालक अभियंता द्वारा भेजे गए मूल पत्र पर ही अंकित किया है कि उपरोक्त प्रतिभूति इस डाकघर से जारी किया गया है एवं आपके नाम से प्रतिज्ञित है” का संदर्भ देते हुए अंकित किया गया है कि आरोपी के द्वारा SBD Clause (22.4) का अनुपालन किया गया है। यह भी अंकित किया गया है कि बिहार लोक संहिता के नियम-418 के संदर्भ में Post Office में पासबुक के प्रतिज्ञित होने की जाँच का कार्य प्रमंडलीय लेखा पदाधिकारी का होता है। संचालन पदाधिकारी द्वारा उक्त तथ्यों के आधार पर आरोप संख्या—(ii) को अप्रमाणित होना प्रतिवेदित किया गया है।

संचालन पदाधिकारी के उक्त अभिमत से सहमत नहीं हुआ जा सकता है, क्योंकि संचालन पदाधिकारी द्वारा जिस पत्र का संदर्भ देते हुए श्री कुमार के द्वारा SBD Clause (22.4) का अनुपालन किया गया माना जा रहा है, वह पत्र वस्तुतः जाँच के क्रम में फर्जी पाया गया है और इसी कारण Post Office द्वारा बाद में संवेदक के प्रतिभूति कार्यपालक अभियंता के नाम से प्रतिज्ञित नहीं होने एवं संवेदक द्वारा प्रतिभूति की पूरी राशि निकाल लिये जाने की पुष्टि की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रतिभूति के रूप में जमा राशि रु० 8,31,000/— के गबन किये जाने की अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, दरभंगा से पुनः अलग से जाँच करायी गई एवं तत्संबंधी पत्रांक— 127 दिनांक— 07.03.2019 द्वारा प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में भी श्री कुमार को जिम्मेवार ठहराया गया है।

आरोप संख्या—(iii) को संचालन पदाधिकारी के द्वारा इस आधार पर अप्रमाणित होना प्रतिवेदित किया गया है कि आरोपित पदाधिकारी के द्वारा Advance to Contractor के रूप में Secured Advance संवेदक को प्रावधानों के अनुरूप दिया गया है। Secured Advance Non-perishable Material यथा—Stone Aggregate के लिए दिया जाना SBD के प्रावधानों में अंतर्निहित है।

संचालन पदाधिकारी के उक्त अभिमत से सहमत नहीं हुआ जा सकता है, क्योंकि Agreement (Form 31) की छाया प्रति के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि इसमें संवेदक को रक्षित अग्रिम दिये जाने के साथ-साथ उसका समायोजन किये जाने के संबंध में भी स्पष्ट निदेश दिये गये हैं, जबकि कार्यपालक अभियंता के द्वारा रक्षित अग्रिम नियमानुसार दिया तो गया है, परन्तु उसका समायोजन नियमानुसार नहीं किया गया है।

उक्त संबंध में उल्लेखनीय है कि मापी पुस्त संख्या— 192 की पृष्ठ— 15 की छाया प्रति से स्पष्ट होता है कि कार्यालय के द्वारा रक्षित अग्रिम के मद में कुल रु० 23,88,987/— की गणना की गई है। यदि उक्त विपत्र से कार्यालय के द्वारा किये गये गणना के अनुरूप रक्षित अग्रिम की वसूली की जाती तो संवेदक को दिये गये कुल रक्षित अग्रिम की वसूली तत्समय ही हो जाती और इस प्रकार प्रश्नगत मामले में सरकारी धनराशि का नुकसान नहीं हो पाता। इस प्रकार, स्पष्ट है कि कार्यपालक अभियंता के रूप में श्री कुमार के द्वारा विहित Agreement (Form 31) की अवहेलना की गई है। इसलिए इस हद तक संचालन पदाधिकारी के अभिमत से सहमत नहीं हुआ जा सकता है।

संचालन पदाधिकारी के द्वारा आरोप संख्या—(iv) को अप्रमाणित होने का जबकि आरोप संख्या—(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त दोनों आरोपों के तहत मुख्य रूप से संवेदक को दी गई Secured Advance की राशि की वसूली नहीं किये जाने का आरोप गठित किया गया है, इसके बावजूद संचालन पदाधिकारी के द्वारा आरोप संख्या—(iv) को अप्रमाणित एवं आरोप संख्या—(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया है, जो ग्राह्य नहीं है।

हालाँकि संचालन पदाधिकारी के द्वारा आरोप संख्या—(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया है, परन्तु इसके लिए जो आधार बनाया गया है, वह स्वीकार योग्य नहीं हैं। संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप संख्या—(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने के निष्कर्ष के संबंध में अंकित तथ्यों की समीक्षा के उपरांत प्रतीत होता है कि उनके द्वारा मात्र आपके बचाव-बयान को ही पूर्णतः सत्य मान लिया गया है और इसके संदर्भ में एक भी साक्ष्य/अभिलेख का अध्ययन नहीं किया गया है तथा अभिलेख के आधार पर Security Deposit के रूप में जमा राशि की गणना भी उनके द्वारा नहीं किया गया है। मात्र औपचारिकतावश आरोप संख्या—(v) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया है।

प्रश्नगत मामले की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया है कि दो अन्य आरोपी यथा— श्री अवधेश कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता द्वारा अपने द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर के साथ एवं श्री धर्मेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम, तत्कालीन प्रमंडलीय लेखापाल द्वारा अपने स्पष्टीकरण के साथ मापी पुस्त संख्या— 143 की संगत पृष्ठ संख्या— 87 संलग्न किया गया है, जिसके अवलोकन से स्पष्ट होता है कि Security Deposit के मद में उक्त राशि (12,48,817.00 रु०) के अतिरिक्त रु० 3,29,759/— की भी कटौती की गई है। यदि Security Deposit के मद में उक्त राशि को जोड़ते हुए गणना की जाय तो कुल (12,48,817.00 + 3,29,759.00) = 15,78,576.00 रुपये प्राप्त होती है। इस प्रकार अंकित राशि के सापेक्ष गणना करने

पर अब भी संवेदक को दिये गये कुल Secured Advance (38,94,581.00 रु०) की राशि मद में 3,91,626 – 3,29,759 = 61,867.00 रुपये शेष रह जाती है।

इसके अतिरिक्त, संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप संख्या-(v) के संबंध में श्री कुमार के पदस्थापन काल (28.06.2012) तक कार्य के प्रगति में होने का भी तर्क दिया गया है, जबकि कार्यपालक अभियंता के पत्रांक- 222 दिनांक- 02.03.2012 के अनुसार विषयांकित एकरारनामा दिनांक- 02.03.2012 को ही विखंडित किया जा चुका था। इस प्रकार, स्पष्ट होता है कि संचालन पदाधिकारी का उक्त तर्क तथ्यों से परे है एवं श्री कुमार के द्वारा भी इस संबंध में गलत बयानी की जा रही है। अतएव श्री कुमार के विरुद्ध आरोप संख्या-(iv) एवं (v) पूर्णतः प्रमाणित पाया गया है।

3. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन में अंकित मंतव्य से असहमत होते हुए संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप संख्या-(i) से (v) तक गठित अभिमत के संबंध में विभाग द्वारा समीक्षोपरान्त उत्पन्न असहमति के रेखांकित बिन्दुओं के परिप्रेक्ष्य में जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-4773 (एस) अनु० दिनांक-24.08.2020 द्वारा श्री कुमार को एक और अवसर प्रदान करते हुये उनसे द्वितीय कारण-पृच्छा के रूप में लिखित अभिकथन की मांग की गयी। श्री कुमार के पत्रांक-शून्य दिनांक-08.09.2020 द्वारा लिखित अभिकथन के रूप में द्वितीय कारण-पृच्छा का उत्तर समर्पित किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर के अंतर्गत लिखित अभिकथन के रूप में रखे गये तथ्यों की विभागीय समीक्षा की गयी, जो आरोपवार निम्नवत हैं :-

आरोप संख्या-(i) :- आरोप संख्या-(i) के संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा अपने द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर के तहत यह तर्क दिया गया है कि आलोच्य निविदा की स्वीकृति मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में गठित मूल्यांकन समिति के द्वारा दी गयी है। इस समिति में एक सदस्य के रूप में वे सबसे नीचले स्तर के पदाधिकारी थे।

आरोपी श्री कुमार के द्वारा दिये गये उक्त तर्क की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि विषयांकित निविदा कार्य आरोपी के प्रमंडल (राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर) से संबंधित था, जैसा कि आरोपी के द्वारा स्वयं स्वीकार भी किया गया है। तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के बैठक की कार्यवाही प्रतिवेदन में यह स्पष्ट रूप से उल्लिखित है कि टेक्नीकल बीड के मूल्यांकन हेतु कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर (आरोपी) के द्वारा तकनीकी बीड मूल्यांकन विवरणी एवं संबंधित सभी निविदा कागजात समिति के समक्ष उपस्थापित किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के स्तर पर विचारण के पूर्व संबंधित संवेदक के सभी निविदा कागजातों, Qualification/Eligibility की नियमानुसार जाँच किया जाना कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर के रूप में आरोपी का दायित्व था, जो उनके द्वारा नहीं किया गया। अतएव आरोपी के विरुद्ध आरोप संख्या-(i) प्रमाणित होता है।

आरोप संख्या-(ii):-आरोप संख्या-(ii) के संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा यह तर्क दिया गया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार संवेदक के द्वारा प्रतिभूति की पूर्ण राशि 8.31 लाख (आठ लाख इकतीस हजार) रु० सम्प्रति Bank Draft के माध्यम से कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर के यहाँ जमा कर दिया गया।

उक्त संबंध में आरोपी के द्वारा दिये गये कथन की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि संबंधित संवेदक के द्वारा सम्प्रति प्रतिभूति की पूर्ण राशि 8.31 लाख (आठ लाख एकतीस हजार) रुपये Bank Draft के माध्यम से जमा कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में आरोपी के विरुद्ध गठित उक्त आरोप की तीव्रता कम हो जाती है। अतएव इस हद तक आरोपी के कथन को स्वीकार योग्य पाया गया।

आरोप संख्या-(iii):-आरोप संख्या-(iii) के संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा अपने द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर के तहत मुख्य रूप से यह उल्लेख किया गया है कि उनके द्वारा संवेदक को नियमानुसार Secured Advance दिया गया था, जिसका प्रावधान SBD के पृष्ठ संख्या-104 के Form-31 में भी है।

उक्त संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा अंकित तथ्यों की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि आरोपी के द्वारा दिया गया तर्क स्वीकार योग्य प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि यह सही है कि आरोपी के द्वारा संवेदक को नियमानुसार Secured Advance दिया गया है, परन्तु आरोपी के द्वारा इस Secured Advance की पूर्ण वसूली नियमानुसार नहीं किया गया, जो विभाग द्वारा गठित किया गया असहमति का मुख्य बिन्दु है और इस संबंध में आरोपी के द्वारा कोई तर्क/तथ्य अंकित नहीं किया गया है। इसलिए आरोपी के विरुद्ध गठित आरोप प्रमाणित है।

आरोप संख्या-(iv) :- आरोप संख्या-(iv) के संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा अपने द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर के तहत मुख्य रूप से यह उल्लेख किया गया है कि बिहार वित्त नियमावली के नियम-288 के अनुसार संवेदकों को निर्गत विभागीय सामग्रियों की वसूली किया जाना होता है, जबकि उनके द्वारा संवेदक को विभागीय रूप से कोई भी सामग्री नहीं दी गयी है, इसलिए सामग्रियों के मूल्य की वसूली किये जाने को कोई प्रश्न नहीं है।

उक्त संबंध में मामले की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि विषयंकित मामला मूल रूप से संवेदक को दिये गये Secured Advance की वसूली किये जाने से संबंधित है। इसलिए इस बिन्दु पर आरोपी श्री कुमार के द्वारा दिया गया तर्क तथ्यगत है।

आरोप संख्या-(v):-आरोप संख्या-(v) के संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वारा अपने द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर के तहत मुख्य रूप से यह अंकित किया गया है कि संवेदक को दिये गये Secured Advance की वसूली समय-समय

पर उनके द्वारा की गयी है। अंततः मात्र 61,867/- रु० की वसूली संवेदक से नहीं की जा सकी। इस शेष राशि की वसूली संवेदक से इसलिए नहीं की जा सकी कि संवेदक द्वारा आलोच्य कार्य को बीच में ही छोड़ दिया गया। इसके बावजूद भी विभाग को यह लगता है कि उक्त राशि 61,867/- रु० की वसूली किया जाना अनिवार्य है तो समानुपातिक रूप से दायित्व का निर्धारण किया जाय, जितनी समानुपातिक राशि की देयता उन पर बनती है उस राशि को वे सरकारी कोष में जमा कर देंगे।

उक्त संबंध में आरोपी श्री कुमार के द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर की समीक्षा की गयी। समीक्षांपरांत पाया गया कि आरोपी के द्वारा संवेदक से Secured Advance की वसूली ससमय नहीं किये जाने के कारण अंततः 61,867/- रु० की वसूली नहीं की जा सकी, जिसके लिए आरोपी श्री कुमार के साथ-साथ तत्कालीन प्रमंडलीय लेखापाल का दायित्व परिलक्षित है। तत्कालीन प्रमंडलीय लेखापाल के विरुद्ध सक्षम प्राधिकार के रूप में महालेखाकार कार्यालय के स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अतएव Secured Advance की शेष राशि 61,867/-रु० की आधी राशि रुपये 30934/- की वसूली आरोपी श्री कुमार से किया जाना है।

4. तदनुसार आलोच्य मामले की सम्यक विभागीय समीक्षा के उपरांत श्री तुलसी कुमार (पूर्ववर्ती नाम-श्री तुलसी राम) के पेंशन से 10 (दस) प्रतिशत राशि की कटौती 05 (पाँच) वर्ष तक किये जाने एवं रुपये 30934/- मात्र की वसूली सेवांत लाभ से किये जाने का लिये गये विभागीय निर्णय पर विभागीय पत्रांक-4994 (एस) दिनांक-04.10.2021 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति/परामर्श उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। तत्पश्चात बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2746 दिनांक-24.12.2021 द्वारा निर्णित विभागीय दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी।

5. तदालोक में आलोच्य मामले की सम्यक विभागीय समीक्षा के उपरांत श्री तुलसी कुमार (पूर्ववर्ती नाम-श्री तुलसी राम), तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, जयनगर सम्प्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के लिखित अभिकथन रूप में समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुये सम्यक विचारोपरांत उनके विहित समानुपातिक दायित्व को दृष्टिपथ में रखते हुए सरकार के निर्णयानुसार बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(B) के तहत निम्न दण्ड संसूचित किये जाने का निर्णय लिया जाता है:-

(i) "इनके पेंशन से 10 (दस) प्रतिशत राशि की 05 (पाँच) वर्षों तक कटौती।"

(ii) "इनके सेवांत लाभ से रु० 30934/- (तीस हजार नौ सौ चौतीस) की कटौती।"

6. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, अपर सचिव।

6 जुलाई 2022

सं० 1/स्था०-06/2022- 3543(s)—1. श्री हनुमान प्रसाद चौधरी, सेवानिवृत्त प्रभारी मुख्य अभियंता (पदस्थापन की प्रतीक्षा में) को विभागीय संकल्प ज्ञापक-3376 (एस), दिनांक 29.06.2022 के आलोक में संविदा के आधार पर प्रभारी मुख्य अभियंता (बजट एवं योजना), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री चौधरी को अपने कार्यों के अतिरिक्त कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अभियंता प्रमुख (मुख्यालय) एवं अभियंता प्रमुख (प्रबंधन, कार्य संधारण एवं सुरक्षा), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022- 3544(s)—2. श्री सुनील कुमार सिन्हा, अधीक्षण अभियंता (पदस्थापन की प्रतीक्षा में) को मुख्य सेतु विशेषज्ञ, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री सिन्हा को अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022- 3545(s)—3. श्री इन्दु शेखर राय, अधीक्षण अभियंता, मुख्य सेतु विशेषज्ञ, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना अतिरिक्त प्रभार मुख्य अभियंता, सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को स्थानांतरित करते हुए अधीक्षण अभियंता (पथ संधारण)-3, के पद पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है।

(ii) श्री राय को अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता (पथ संधारण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

13 जुलाई 2022

सं० निग/सारा-1 (पथ)-नि०वि०-02/19-3664(s)—श्री सुरेश प्रसाद सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पटना पश्चिम पथ प्रमंडल, पटना सम्प्रति सेवानिवृत्त (दिनांक-31.03.2022) के उक्त पदस्थापन अवधि में 14,00,000/- (चौदह लाख) रिश्वत् लेते रंगे हाथ पकड़े जाने के मामले में निगरानी थाना कांड संख्या-023/2019, दिनांक 08.06.2019 में उनके काराधीन अवधि के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-5659 (एस) दिनांक 14.06.2019 के द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 9 (2) के तहत काराधीन होने की तिथि 08.06.2019 के प्रभाव से उन्हें निलंबित किया गया।

2. श्री सिंह उक्त मामले में Bail पर रिहा होने के पश्चात् दिनांक 20.01.2020 के पूर्वाह्न में विभाग में अपना योगदान समर्पित किया। विभागीय अधिसूचना संख्या-1398 (एस) दिनांक 20.02.2020 द्वारा उनको निलंबन मुक्त करते हुए उनके योगदान को स्वीकृत किया गया। पुनः इसी अधिसूचना के द्वारा श्री सिंह के विरुद्ध उक्त मामले में अनुशासनिक कार्रवाई किये जाने हेतु बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 9 (3) (ii)-सहपठित-9 (1) (क) में अंतर्निहित प्रावधानों के आलोक में उनके योगदान की तिथि 20.02.2020 के प्रभाव से उन्हें निलंबित किया गया।

3. श्री सिंह दिनांक 31.03.2022 को वार्धक्य सेवानिवृत्त हो गये हैं। वित्त विभाग के पत्र ज्ञापांक-12753, दिनांक 26.11.1970 में निहित प्रावधानों के आलोक में श्री सुरेश प्रसाद सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पटना पश्चिम पथ प्रमंडल, पटना सम्प्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता को उनके सेवानिवृत्ति की तिथि 31.03.2022 के अपराह्न से निलंबन मुक्त किया जाता है, जिसका कोई प्रतिकूल प्रभाव उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही पर नहीं पड़ेगा।

4. श्री सिंह के कारावास में बितायी गयी अवधि से उद्भूत निलंबन (दिनांक 08.06.2019 से 19.01.2020 तक) का विनियमन नियमानुसार उनके विरुद्ध दर्ज निगरानी थाना कांड संख्या-023/2019 के निष्पादन के उपरांत उसके फलाफल के आधार पर किया जायेगा, जबकि उक्त अवधि के बाद का निलंबन अवधि (दिनांक 20.01.2020 से 31.03.2022 तक) का विनियमन नियमानुसार उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर किया जायेगा।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

13 जुलाई 2022

सं० निग/सारा-1(पथ) आरोप-36/2021-3666(s)—श्री विनय कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, जमुई संप्रति सेवानिवृत्त (दिनांक-31.05.2021) के उक्त पदस्थापन अवधि में लक्ष्मीपुर-जिनहारा-धमना-झाझा पथ निर्माण कार्य की जांच कार्यपालक अभियंता, उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-02, बिहार, पटना के द्वारा की गयी तथा एतदसंबंधी प्राप्त प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन पत्रांक-127 (अनु.), दिनांक-24.06.2016 एवं गुणवत्ता जांच प्रतिवेदन पत्रांक-455 (अनु.), दिनांक-19.09.2016 में पाई गई अनियमितता के लिए विभागीय पत्रांक-454 (एस), दिनांक-05.01.2018 द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गई। श्री कुमार के विरुद्ध स्पष्टीकरण हेतु आरोप का एक मात्र बिन्दु निम्नवत है:-

"पथ के (नाबार्ड योजनान्तर्गत पथ प्रमंडल, जमुई अंतर्गत लक्ष्मीपुर-जिनहारा-धमना-झाझा पथ) 10 वें एवं 21 वें कि. मी. में कराये गए BM Gr.-II कार्य में प्रयुक्त अलकतरा के औसत मान क्रमशः 2.57% एवं 2.54% पायी गयी है। पूरे पथ के लिए अलकतरा की औसत मान BM Gr.-II 2.56% पायी गयी है, जो प्राक्कलन में प्रावधानित अलकतरा की मात्रा 3.3% के लिए विभागीय Tolerance Limit (2.94) से कम है।"

2. श्री कुमार ने पत्रांक-77, दिनांक-29.01.2018 के द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया, जिसके विभागीय समीक्षा के क्रम में दिनांक-31.05.2021 को श्री कुमार वार्धक्य सेवानिवृत्त हो गए। श्री कुमार के उक्त स्पष्टीकरण उत्तर विभागीय समीक्षा के क्रम में सक्षम प्राधिकार के स्तर से स्वीकार योग्य नहीं पाया गया। फलतः श्री कुमार के वार्धक्य सेवानिवृत्ति के आलोक में सक्षम प्राधिकार के आदेश से उक्त मूल आरोप के लिए ही विभागीय पत्रांक-5047 (एस), दिनांक-06.10.2021 द्वारा उनसे बिहार पेंशन नियमावली के नियम-139 (सी) के तहत कारण पृच्छा की गई।

3. श्री कुमार ने पत्र दिनांक-28.10.2021 के द्वारा अपना कारण पृच्छा उत्तर समर्पित किया, जिसमें अंकित बचाव के मुख्य बिन्दु निम्नवत हैं:-

3.1 पथ के कार्य प्रारंभ की तिथि-25.02.2014 एवं कार्य समाप्ति की तिथि-19.12.2015 है। 10 वें एवं 21 वें कि. मी. में कराये गए BM Gr.-II कार्य की अवधि क्रमशः March 2015 एवं July-2015 है, जबकि इस पथ के जांच की तिथि दिनांक-18.06.2016 एवं 19.06.2016 है।

3.2 IRC द्वारा प्रकाशित Specification for Road and Bridge Work के Table 900-4 में Hot Mix Plant से Bitumen Content के जांच का प्रावधान है। इस प्रावधान के पृष्ठभूमि में विभागीय ज्ञापांक-4949 (ई), दिनांक- 02.12.2010 के कंडिका 3(i) में यह निदेश दिया गया है कि उड़नदस्ता दल द्वारा Hot Mix Plant से Bitumen Mix गिरते समय ही Bitumen Mix का नमूना एकत्र कर बिटूमेन कंटेन्ट की जांच की जाए जो प्रासंगिक, भरोसेमंद एवं विश्वसनीय है।

3.3 पथ प्रमंडल जमुई अंतर्गत कार्यरत गुण नियंत्रण ईकाई जमुई द्वारा विषयांकित पथ के 10 वें एवं 21 वें कि. मी. में BM Gr.-II के कार्य में प्रयुक्त अलकतरा के मात्रा की जांच उपर्युक्त कंडिका 3.2 के अनुसार की गई जो क्रमशः 3.19% एवं 3.15% पाई गयी। जो 3.30 ± 0.30 के रेंज में पायी गयी।

3.4 उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-2 द्वारा इसके विपरीत विषयांकित पथ के 10 वें एवं 21 वें कि. मी. में BM Gr.-II के कार्य की समाप्ति के करीब एक वर्ष बाद नमूना एकत्र कर Bitumen Gr.-II के कार्य में Bitumen Content की जांच BS-598:1958 में उल्लेखित Funnel Method से कराया गया है। BSI द्वारा प्रकाशित BS:598 श्रृंखला का कोई भी कोड अलकतरा के मात्रा निकालने के लिए मान्यता प्राप्त नहीं है।

3.5 IRC Special Publication के Appendix-5 के क्रमांक 'C' में Centrifugal Method से Bitumen Content निकालने का प्रावधान है।

3.6 उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-2 द्वारा उक्त पथ के अंश में Bitumen की मात्रा की जांच BM Gr.-II के कार्य समाप्ति के करीब एक वर्ष बाद एवं IRC द्वारा निदेशित विधि से नहीं कराये जाने के कारण विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है।

3.6 पथ प्रमंडल, जमुई अंतर्गत गुण नियंत्रण इकाई द्वारा विषयांकित पथ के 10 वें एवं 21 वें कि. मी. में कार्य के दौरान BM Gr.-II में Bitumen की मात्रा क्रमशः 3.19% एवं 3.15% प्रतिवेदित है। यानि औसत 3.17 जो ± 0.3 के अंतर्गत है, प्रमाणिक एवं विश्वसनीय है। विभागीय मार्गदर्शन में Bitumen Content में 11.00% से 16.22% तक का Tolerance Limit दिया गया है। चूंकि उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-2 द्वारा जांच करीब एक वर्ष बाद BM Gr.-II का किया गया एवं Bitumen Content निकाला गया। अतः इस स्थिति में Tolerance Limit 16.22% के आधार पर गुण नियंत्रण इकाई जमुई द्वारा विषयांकित पथ में पाए गए BM Gr.-II में Bitumen Content की औसत मात्रा 3.17% में Tolerance Limit घटाने पर 2.65% आता है। जबकि उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-2 द्वारा भिन्न विधि से करीब एक वर्ष बाद जांच किए जाने पर औसत Bitumen Content 2.56% आता है। दोनों में अंतर 0.09% का है जो कंट्रोल वातावरण एवं भिन्न विधि (Method) से किए जाने के कारण संभव है।

4. श्री कुमार ने अपने कारण पृच्छा उत्तर में उन्हीं सब तथ्यों को अंकित किया है, जिसे पूर्व में सक्षम प्राधिकार के स्तर से अस्वीकृत करने का निर्णय लिया गया। यथा, श्री कुमार ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-2 द्वारा पथ की जांच कार्य समाप्ति के करीब एक वर्ष बाद किया गया तथा जांच का तरीका IRC द्वारा निर्धारित दिशानिदेशों एवं इस हेतु विभागीय ज्ञापांक-4949 (ई), दिनांक-02.12.2010 में दिए गए निदेश के अनुरूप नहीं है। उन्होंने इस हेतु पथ प्रमंडल, जमुई अंतर्गत गुण नियंत्रण इकाई के द्वारा किए गए जांच को सही माना है।

5. श्री कुमार के द्वारा अपने कारण पृच्छा उत्तर में अंकित किये गए बिन्दु के संबंध में निम्नलिखित मुख्य तथ्य उल्लेखनीय हैं:-

5.1 उड़नदस्ता प्रमंडल के द्वारा सावधानी पूर्वक Sample का Collection किया जाता है एवं जांच हेतु TRI में जमा किया जाता है, जहाँ द्विस्तरीय Coding के आधार पर Sample का जांच किया जाता है।

5.2 TRI, पथ निर्माण विभाग की राज्य स्तरीय प्रयोगशाला है, जिसमें बिटूमेन की जांच BS 598:1958 में वर्णित Six method में से Funnel Method से की जाती है, जो reliable method है। TRI में इस method से जांच हेतु Controlled वातावरण उपलब्ध है।

वर्तमान में Britain ने BS 598:1958 को वहाँ की परिस्थिति के अनुरूप इसे वापस कर लिया गया लेकिन इस मेथड को रिजेक्ट नहीं किया गया है। इस मेथड का वर्णन MORT&H के 4th revision के Appendix में दिया गया है।

5.3 इस मेथड में Bitumen Content निकालने हेतु moisture घटाने का प्रावधान है। Bitumen mix से moisture निकालने हेतु Oven dry method का उपयोग किया जाता है। जहाँ तक Dean & Stark method से moisture निकालने की बात है वह वस्तुतः Bitumen से Moisture निकालने के लिए है न कि Bitumen mix से Bitumen निकालने के लिए As per Dean & Stark method "The standard covers the method for the determination of water content of asphalt bitumen and fluxed native asphalt crude coal tar, road tar, cutback bitumen, Digboi type cutback bitumen and creosote and anthracene oil."

5.4 Bitumen की जांच कार्य समाप्ति के बाद की गई है, इसिलिये Bitumen की मात्रा में कमी के लिए विभागीय मार्गदर्शिका में Bitumen Content में 11.00% से 16.22% तक Tolerance दिया गया है। BM Gr.-II में Bitumen की मात्रा 3.3% के लिए Tolerance Limit 2.94% है, जबकि पायी गई अलकतरा की मात्रा 2.56% है, जो Tolerance से कम है। इस तरह श्री कुमार के कारण पृच्छा उत्तर को स्वीकार किये जाने का कोई युक्तिसंगत अवसर प्रतीत नहीं होता है तथा उनके विरुद्ध गठित आरोप का एकमात्र बिन्दु प्रमाणित होता है।

6. अतः उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में सम्यक विभागीय समीक्षोपरांत श्री विनय कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, जमुई संप्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के नियम-139 (सी) के तहत समर्पित कारण पृच्छा उत्तर दिनांक-28.10.2021 को अस्वीकृत करते हुए उनके विरुद्ध प्रमाणित पाए गए आरोप के समानुपातिक रूप से उनके पेंशन से 02 (दो) वर्षों तक 05% (पाँच प्रतिशत) की राशि की कटौती किये जाने का दंड अधिरोपित किया जाता है।

7. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

समाहरणालय, दरभंगा
(जिला स्थापना शाखा)

आदेश

4 जनवरी 2022

सं० 6-20/2020-21-01/मु०/स्था० — श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा द्वारा आवेदक श्री कौशलेन्द्र चौधरी के आवेदन पर भ्रामक प्रतिवेदन देने एवं बिना कोई आदेश के बेल्ट्रॉन ऑपरेटर के साथ डिजिटल जमाबंदी से छेड़-छाड़ करने संबंधी आरोप प्रपत्र अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर दरभंगा के माध्यम से पत्रांक-937, दिनांक-17.12.2020 प्राप्त हुआ। प्राप्त आरोप प्रपत्र अनुमोदनोपरान्त कार्यालय आदेश ज्ञापांक-87/स्था०, दिनांक-25.01.2021 द्वारा श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालन हेतु श्री अखिलेश कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जॉच, दरभंगा को संचालन पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर दरभंगा को उपस्थापन पदाधिकारी नामित किया गया।

पुनः श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, दरभंगा अंचल सम्प्रति निलंबित मुख्यालय सिंहवाड़ा अंचल द्वारा मौजा वासुदेवपुर, दरभंगा सदर अंचल अन्तर्गत दिल्ली मोड़ स्थित बस सटैण्ड सैरात की विभागीय वसूली कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने, वसूली में अभिरुची नहीं लेने सरकारी राजस्व को क्षति पहुँचाने एवं वित्तीय अनियमितता, राजस्व वसूली से संबंधित कोई पंजी एवं आवश्यक कागजात जॉच समिति के समक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने एवं उच्चधिकारियों के आदेश की अवहेलना आदि के आरोप में अपर समाहर्ता, दरभंगा के पत्रांक-1065/रा०, दिनांक-25.06.2021 द्वारा आरोप प्रपत्र साक्ष्य के साथ प्राप्त हुआ। प्राप्त आरोप प्रपत्र अनुमोदनोपरान्त कार्यालय आदेश ज्ञापांक-661/स्था०, दिनांक-19.07.2021 द्वारा श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालन हेतु अपर समाहर्ता, विभागीय जॉच, दरभंगा को संचालन पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर दरभंगा को उपस्थापन पदाधिकारी नामित किया गया।

संचालन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता, विभागीय जॉच, दरभंगा के पत्रांक-322/वि०जॉ०, दिनांक-18.10.2021 एवं पत्रांक-323/वि०जॉ०, दिनांक-18.10.2021 के द्वारा श्री विनय कुमार ठाकुर, निलंबित राजस्व कर्मचारी, सदर अंचल दरभंगा मुख्यालय सिंहवाड़ा अंचल के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालनोपरान्त अभिलेखबद्ध जॉच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा श्री ठाकुर, राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध गठित सभी आरोप प्रमाणित पाया गया है।

श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा के विरुद्ध गठित आरोप, आरोपी का स्पष्टीकरण, उपस्थापन पदाधिकारी का प्रतिवेदन/मंतव्य एवं संचालन पदाधिकारी का मंतव्य का विवरण निम्न प्रकार है :-
(पत्रांक-322/वि०जॉ०, दिनांक-18.10.2021 द्वारा प्राप्त प्रतिवेदनानुसार)

क्र०	आरोप	आरोपी कर्म का जवाब	उपस्थापन पदाधिकारी का जवाब	जॉच पदाधिकारी का मंतव्य
01	श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल सदर दरभंगा-सह-अंचल निरीक्षक द्वारा आवेदन श्री कौशलेन्द्र चौधरी निवासी रानीपुर, जिला-दरभंगा के आवेदन पर वांछित प्रतिवेदन के आलोक में भ्रामक एवं राजस्व नियमों के विपरीत प्रतिवेदन दिया गया।	1. श्री कौशलेन्द्र चौधरी साकिन - रानीपुर के द्वारा मौजा बलहर की जमाबंदी भूलवश मौजा बलहर के पंजी में संधारित है को सुधार कर बलहर मौजा में स्थानान्तरित कर लगान रसीद निर्गत करने हेतु आवेदन अंचल अधिकारी को दिया गया, जिसपर अंचल अधिकारी ने 17.01.2020 को राजस्व कर्मचारी से प्रतिवेदन की मांग करते हुये अपना लघु हस्ताक्षर किये।	श्री विनय कुमार ठाकुर, निलंबित राजस्व कर्मचारी के द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण के अवलोकन से ज्ञात होता है कि श्री ठाकुर के द्वारा उन्हीं बातों को दुहराया गया है, जो उनसे द्वारा जिला के त्रिस्तरीय जॉच दल के समक्ष दिया गया है, जो पत्रांक-886, दिनांक-03.12.2020 के द्वारा समाहर्ता, दरभंगा को संसूचित है। श्री ठाकुर के द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण से प्रथम दृष्टया स्पष्ट है कि आवेदक द्वारा दिए गए आवेदन पत्र ही अपने इच्छानुसार सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधान को अपनाये बगैर मौजा में परिवर्तन कर जमाबंदी कायम करने की अनुशंसा अंकित की गई है तथा उक्त मौजा में परिवर्तन कर जमाबंदी कायम	बिना सक्षम पदाधिकारी के स्वीकृति के जमाबंदी में संशोधन करने के लिए निश्चित रूप से संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक जिम्मेवार है। आरोप प्रपत्र- 'क' आरोपी कर्म का स्पष्टीकरण एवं उपस्थापन

02	श्री ठाकुर राजस्व, कर्मचारी के द्वारा मौजा- बदिया के जमाबंदी सं०- 20 बनाम इन्द्रनारायण चौधरी के बगैर अंचल अधिकारी के आदेश से डाटा ऑपरेटर के सहयोग से ऑनलाईन जमाबंदी में मौजा-बदिया के जगह मौजा-बेलहर में एक नया जमाबंदी कायम कर दिया गया तथा पुनः बगैर आदेश ही उसे हटा दिया गया।	2. उक्त आवेदन संलग्न कागजात के साथ बगैर कार्यालय पत्र के मुझे हस्तगत कराया गया, जिसका प्रतिवेदन मेरे द्वारा उक्त आवेदन पर ही अंकित कर पुनः कार्यालय को दिनांक-24.01.2020 को लौटा दी गई जिसका अवलोकन अंचल अधिकारी द्वारा 25.01. 2020 को किया गया।	कराने में मुख्य सहयोग के रूप में कर्तव्य किया गया है, जो स्वीकार्य योग्यकृत नहीं कहा जा सकता है। श्री ठाकुर को राजस्व कर्मचारी के रूप में लंबा अनुभव है। इनसे मात्र एक आवेदन पत्र पर बिना कोई साक्ष्य संलग्न किये इस प्रकार प्रतिवेदन दिया जाना जिसके आधार पर बिना अभिलेख खोले, बिना सक्षम स्वीकृत प्राप्त किये जमाबंदी में संशोधित किया गया। इस तरह का कृत सरकारी कर्मचारी के आचरण के अनुरूप सही नहीं माना जा सकता है। श्री विनय कुमार ठाकुर, निलंबित राजस्व कर्मचारी द्वारा जमाबंदी में किये गये परिवर्तन/छेड़छाड़ के साक्ष्य स्वरूप श्री कौशलेन्द्र चौधरी के आवेदन पत्र पर उनके द्वारा अंकित टिप्पणी, अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा के पत्रांक-580, दिनांक-17.06.2020 जिसके माध्यम से थानाध्यक्ष, सदर दरभंगा के यहाँ प्राथमिकी दर्ज करायी गई। अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा के पत्रांक-347, दिनांक-28.02.2020 द्वारा इस कृत के लिए पुछे गये स्पष्टीकरण की छायाप्रति संलग्न है। जहाँ तक स्पष्टीकरण के कंडिका- (7) में त्रिसदस्यीय जाँच समिति के द्वारा उन पर आरोप नहीं लगाने का उल्लेख किया गया है तो उसके संबंध में कहना है कि उक्त जाँच श्री धनंजय कुमार, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के विरुद्ध किया गया था। अतः श्री ठाकुर के कृत पर विशेष चर्चा उक्त प्रतिवेदन में नहीं है इसका कतई अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता है कि श्री ठाकुर निर्दोष है। श्री ठाकुर के द्वारा अपने कथन में जहाँ एक ओर उक्त जमाबंदी के संशोधन/छेड़छाड़ हेतु अंचल कार्यालय के कर्म की मिलीभगत से डाटा इन्ट्री ऑपरेटर पर दोषारोपण किया जा रहा है, वहीं वास्तविक तथ्य यह भी है कि डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के साथ श्री ठाकुर के मिली भगत एवं जमाबंदी से छेड़छाड़ हेतु उनकी संलिप्ता से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। श्री ठाकुर के द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण प्रथम दृष्टया स्वीकर योग्य नहीं कहा जा सकता है।	पदाधिकारी के पक्ष के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि प्रपत्र-‘क’ में अंकित आरोप प्रमाणित होता है।
03	भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर दरभंगा के द्वारा मामले की जाँच की गयी। जाँच के क्रम में श्री ठाकुर को जमाबंदी में छेड़छाड़ कर जमाबंदी स्थानान्तरण कराने का दोषी पाया गया।	3. अंचल अधिकारी महोदय द्वारा त्रिसदस्यीय जाँच समिति के समक्ष समर्पित अपने स्पष्टीकरण में स्पष्ट किये हैं कि आवेदन/प्रतिवेदन को कार्यालय कर्म द्वारा संचिका में उपस्थापित नहीं किया गया, अर्थात् कार्यालय-कर्म ने डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के सहयोग से ऑनलाईन जमाबंदी प्रविष्टि करायी गयी है।		
4	जाँच प्रतिवेदन के आधार पर समाहर्ता, दरभंगा के ज्ञापांक-679रा०, दिनांक- 13.06. 2020 के द्वारा श्री ठाकुर को निलंबित करने का आदेश पारित किया गया तथा उनके विरुद्ध सदर थाना कांड-253/ 20 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।	4. अंचल कार्यालय के ज्ञापांक-347, दिनांक-28. 02.2020 के द्वारा मुझसे उक्त जमाबंदी की प्रविष्टि से संबंधित कारणपृच्छा की मांग की गई जिससे मैने स्पष्ट किया है कि यदि डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के द्वारा ऑनलाईन में प्रविष्टि कर दी गई है तो सुधार हेतु निदेशित किया जा सकता है, जिससे भविष्य में इसका दुरुपयोग नहीं हो।		

(पत्रांक-323/वि०जाँ, दिनांक-18.10.2021 द्वारा प्राप्त प्रतिवेदनानुसार)

क्र०	आरोप	आरोपी कर्म का जवाब	उपस्थापन पदाधिकारी का जवाब	जाँच पदाधिकारी का मंतव्य
01	मौजा वासुदेवपुर दरभंगा अंचल अंतर्गत दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैण्ड	मौजा वासुदेवपुर दरभंगा अंचल अंतर्गत दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैण्ड सैरात की	श्री विनय कुमार ठाकुर, निलंबित राजस्व कर्मचारी के द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण	बस स्टैण्ड सैरात की विभागीय वसूली की

	<p>सैरात की सरकारी बंदोवस्ती नहीं होने के फलस्वरूप श्री विनय कुमार ठाकुर, तत्कालीन राजस्व कर्मचारी सदर अंचल सम्प्रति निलंबित अंचल कार्यालय सिंहवाड़ा को सरकारी राजस्व की वसूली का दायित्व सौंपा गया। श्री ठाकुर के द्वारा विभागीय वसूली में अभिरुचि नहीं ली गई जिसके कारण सरकारी राजस्व की क्षति हुई। श्री विनय कुमार ठाकुर, तत्कालीन राजस्व कर्मचारी सदर दरभंगा के द्वारा अपने दायित्वों का पालन नहीं किया गया एवं सरकारी राजस्व की क्षति पहुँचाई गई। राजस्व की वसूली श्री ठाकुर का महत्वपूर्ण दायित्व था, जिसमें उनके द्वारा अभिरुचि नहीं ली गई, जिसके कारण सरकारी राजस्व की क्षति हुई, जिसके लिए श्री ठाकुर दोषी है।</p>	<p>वसूली प्रारंभ होने से पूर्व ही मेरे जिम्मे दो-दो हल्का के प्रभार के अतिरिक्त अंचल निरीक्षक का प्रभार था, जबकि बस स्टैंड में वसूली करने हेतु चौबीसों घंटे वसूलिकर्त्ताओं की आवश्यकता होती है इसलिए अंचल अधिकारी महोदय द्वारा स्थानीय लोगों की नियुक्ति की गई थी। वसूली हेतु मुझे किसी प्रकार का लिखित/मौखिक आदेश नहीं दिया गया था।</p>	<p>तथ्य पर आधारित नहीं है तथा लगाए गए सभी आरोप के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही जो साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं वे तथ्यात्मक नहीं हैं इस स्पष्टीकरण में बार-बार अंचलाधिकारी के द्वारा किसी प्रकार का लिखित आदेश नहीं देने उल्लेख है। जबकि श्री ठाकुर के द्वारा दिनांक-16.03.2021 को अंचल अधिकारी सदर को समर्पित स्पष्टीकरण में पदाधिकारी के मौखिक आदेश के अनुपालन में प्रभारी अंचल निरीक्षक के रूप में कभी-कभी स्टैंड में निगरानी हेतु जाने का उल्लेख है। साथ ही श्री ठाकुर के द्वारा अंचलाधिकारी को दिनांक-17.04.2021 को दिए गए स्पष्टीकरण में विभागीय वसूली सरकारी दर पर किए जाने तथा वसूली हेतु प्रत्येक वाहन को रसीद निर्गत किए जाने का उल्लेख किया गया है। स्पष्ट है कि आदेश मौखिक हो या लिखित उसका अनुपालन सरकार द्वारा स्थापित प्रावधानुसार किया जाना चाहिए परन्तु ऐसा नहीं कर अपने दायित्व के विपरित कृत कर लेखा-जोखा रखने हेतु स्टॉक पंजी, रसीद, पर्ची आदि का संधारन नहीं किया गया और न ही निष्ठापूर्वक राशि वसूल कर सरकारी खजाने में जमा की गई। फलस्वरूप सराकर को राजस्व की क्षति हुई। श्री ठाकुर प्रभारी अंचल निरीक्षक के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। अतः सरकारी राजस्व की वसूली की दशा में इनका और दायित्व बढ़ जाता है परन्तु ऐसा नहीं कर अपने कर्तव्य से अलग रहे और राजस्व की हानी होती रही।</p>	<p>जिम्मेदारी निश्चित रूप से संबंधित कर्मचारी/अंचल निरीक्षक/अंचल अधिकारी की होती है। जाँच दल द्वारा पाया गया कि सैरात वसूली में राजस्व की क्षति हुई है इसलिए निश्चित रूप से इसके लिए राजस्व कर्मचारी/अंचल निरीक्षक/अंचल अधिकारी जिम्मेवार है। प्रपत्र 'क' में गठित आरोप, आरोपी कर्म का स्पष्टीकरण एवं उपस्थापन पदाधिकारी के पक्ष का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि प्रपत्र 'क' में गठित आरोप प्रमाणित होता है।</p>
02	<p>श्री विनय कुमार ठाकुर तत्कालीन राजस्व, कर्मचारी सदर दरभंगा के द्वारा सैरात की वसूली की गई राशि को बिना सक्षम प्राधिकार के अनुमति के खर्च किया गया, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला है।</p>	<p>आरोप पत्र के तृतीय भाग के कंडिका 2 (दो) में आरोप है कि बिना सक्षम प्राधिकार के वसूली की राशि खर्च की गई, इसके सम्बन्ध में निवेदन पूर्वक कहना है कि जब वसूली के लिए मुझे प्राधिकृत नहीं किया गया, मेरे द्वारा वसूली भी नहीं की गई तो वसूली की राशि को खर्च करने का आरोप निराधार है।</p>		
03	<p>मौजा वासुदेवपुर दरभंगा अंचल अन्तर्गत दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड सैरात के विभागीय वसूली में हुई वित्तीय अनियमितता की जाँच के लिए गठित समिति के समक्ष अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा द्वारा राशि वसूली से संबंधित पर्ची का स्टॉक पंजी पर्ची का सररियल नं0 अथवा इससे संबंधित कोई</p>	<p>मौजा वासुदेवपुर दरभंगा अंचल अन्तर्गत दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड के वसूली से संबंधित स्टॉक पंजी/पर्ची का सीरियल नं0 के सम्बन्ध में सादर पूर्वक कहना है कि भंडारा पंजी एवं वितरण पंजी संधारित करना तो कार्यालय का कार्य है, इसमें जानबूझ कर अंचल अधिकारी महोदय द्वारा उच्चाधिकारी महोदय को भ्रमित कर, समय को व्यतीत करते हुये अपने बचाव में मुझे फसाया है, मैं सदैव एक</p>		

	<p>पंजी/कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके कारण श्री अरुण कुमार सक्सेना, अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा के विरुद्ध अपर अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर दरभंगा के माध्यम से पत्रांक-194 दिनांक-23.02.2021 सदर थाना कांड संख्या-84/21, दिनांक-24.02.2021 धारा-406/409/420/34 IPC के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। निर्देश के बावजूद राजस्व वसूली से संबंधित पर्ची का स्टॉक पंजी, पर्ची का Serial Number एवं इससे संबंधित कोई पंजी/कागजात प्रस्तुत नहीं किया जाना उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना का द्योतक है।</p>	<p>आज्ञाकारी एवं कर्तव्यनिष्ठ कर्मी के रूप में कार्य किया हूँ मेरे द्वारा अबतक के कार्य काल में किसी भी पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना नहीं की गई है। इसलिए उक्त आरोप गलत एवं निराधार है।</p>	
4	<p>विभागीय राजस्व वसूली में की गई अनियमितता एवं राजस्व की क्षति के विरुद्ध संबंधित राजस्व कर्मचारी से कारण पृच्छा प्राप्त कर भेजने का निर्देश जिला राजस्व प्रशाखा, दरभंगा के पत्रांक-375/रा0, दिनांक-19.02.2021 एवं स्मार संख्या-733/रा0, दिनांक-06.03.2021 द्वारा तत्कालीन अंचल अधिकारी को दिया गया, जिसका अनुपालन तत्कालीन अंचलाधिकारी श्री अरुण कुमार सक्सेना, अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा के द्वारा पत्रांक-332, दिनांक-17.02.2021 के माध्यम से श्री विनय कुमार ठाकुर को अनुपालन हेतु भेजा गया परन्तु उनके द्वारा अनुपालन नहीं किया</p>	<p>विभागीय वसूली में की गई अनियमितता एवं राजस्व की क्षति के विरुद्ध जिला राजस्व प्रशाखा के पत्रांक-375/रा0, दिनांक-19.02.2021 एवं स्मार 733/रा0, दिनांक-06.03.2021 के आलोक में अंचल अधिकारी सदर के ज्ञापांक-332, दिनांक-17.02.2021 के द्वारा बस स्टैंड, दरभंगा से बसों/गाड़ियों के आवागमन में निर्गत रसीद की अधकट्टी एवं पंजी हस्तगत कराने हेतु निदेशित है, बस स्टैंड में वसूली हेतु प्राधिकृत नहीं होने के बावजूद भी पत्र प्राप्ति के बाद पदाधिकारी के पत्रों का जबाब निबंधित डाक से भेज दी गई।</p>	तदैव

	गया जो उनके कार्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है एवं उच्चाधिकारी के आदेश के उल्लंघन का द्योतक है।			
5	जिला स्थापना शाखा के पत्रांक-272 दिनांक-16.03.2021 के द्वारा श्री विनय कुमार ठाकुर से स्पष्टीकरण की मांग की गई जो उनके द्वारा आज तक नहीं दिया गया। इस प्रकार यह उच्चाधिकारियों के आदेश का उल्लंघन, स्वेच्छाचारिता एवं वित्तीय अनियमितता को परिलक्षित करता है।	जिला स्थापना शाखा के ज्ञापांक-272 दिनांक-16.03.2022 के द्वारा मांग की गई स्पष्टीकरण के सम्बन्ध में निवेदन पूर्वक कहना है कि उक्त पत्र का जबाब मेरे द्वारा ससमय दे दी गई, लेकिन भूलवश जिला पदाधिकारी महोदय को संबोधित होने के कारण जिला गोपनीय प्रशाखा में हस्तगत कराया गया है।		
6	श्रीमती धर्मशीला झा पति- श्री सत्येन्द्र झा, ग्राम-बलिया सकरी, जिला-मधुबनी के आवेदन पत्र के आलोक में श्री राकेश रंजन झा, राजस्व कर्मचारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन दिनांक-23.02.2021 के अनुसार दर्शंगा अंचल अंतर्गत मौजा-बेलादुल्लाह, थाना नं-513 खाता नं-02, खेसरा नं-585 रकबा-3.76 एकड़ किस्म परती कदीम पुराना खतियान में गैरमजरूआ आम दर्ज है। गैरमजरूआ आम खास पंजी में भी गैरमजरूआ आम दर्ज है। जबकि उपरोक्त खाता खेसरा की भूमि का दाखिल खारिज वाद संख्या-332/R27 2019-20 बनाम श्री योगेन्द्र ठाकुर, पिता-श्री रघुनंदन ठाकुर एवं दाखिल-खारिज वाद सं-378/R27 2019-20 बनाम कुमुद चौधरी, पिता-देवनंद चौधरी का नाम संबंधित	श्रीमती धर्मशीला झा पति- श्री सत्येन्द्र झा, ग्राम-बलिया सकरी के आवेदन के आलोक में निवेदनपूर्वक कहना है कि सदर अंचल में ऑनलाइन जमाबंदी की प्रविष्टि पुराने सर्वे, खाता खेसरा अंकित कर की गई, जिसके कारण उपस्थित कर्मचारियों के द्वारा आपति की गई, वर्तमान में कई बदलाव हो चुका है। अतएव मार्गदर्शन दिया जाय। मौके पर उपस्थित पदाधिकारी महोदय द्वारा निदेशित किया गया कि RS खतियान में यदि रैयत का खाता खुला हुआ है एवं निबंधन कार्यालय से निर्गत रोक सूची में नहीं है तो दाखिल-खारिज किया जाय जिसके आलोक में दाखिल-खारिज वाद संख्या-332/2019-20 अंचल अधिकारी महोदय के मौखिक आदेशानुसार स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार कर अनुशंसा की गई है, जहाँ तक श्रीमती धर्मशीला झा के दाखिल-खारिज वाद के अस्वीकृत करने का आरोप है इसमें अंचल अधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश नहीं दिये जाने के कारण वाद अस्वीकृत की गई। श्रीमती धर्मशीला झा	सरकारी भूमि का निजी व्यक्तियों के नाम किए गए दाखिल खारिज हेतु लगाए गये आरोप के संबंध में भी केवल भ्रामक तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं जो किसी भी तरह स्वीकार योग्य नहीं हैं। श्री ठाकुर राजस्व कर्मचारी के रूप में एक लम्बे समय से पदस्थापित रहे हैं तथा उन्हें पुराने खतियान RS खतियान तथा सरकारी भूमि के संबंध में भलि-भाँति ज्ञान है। उन्हें यह भी ज्ञान होना चाहिए कि जो भूमि बिहार सरकार के खाते की भूमि है, कालान्तर में किसी निजी व्यक्ति के द्वारा उसका किसी प्रकार अपने नाम खतियान बनवा लिया गया हो तो उसके विरुद्ध क्या प्रावधान अपनाया जाना है। इसके बावजूद भी किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुँचाने के उद्येश्य से तथा स्वयं लाभान्वित होने हेतु मनमाने ढंग से उनके द्वारा दाखिल खारिज हेतु अनुशंसा की गई है। श्री ठाकुर के स्पष्टीकरण से स्वयं स्पष्ट होता है कि एक ही विषय पर किसी के पक्ष में दाखिल खारिज करने की अनुशंसा की गई तो दूसरे व्यक्ति के दाखिल खारिज को अस्वीकृत करने की अनुशंसा की गई है जिससे उनकी मंशा	सरकारी भूमि को सुरक्षित रखने की जिम्मेवारी संबंधित हल्का कर्मचारी/अंचल निरीक्षक/अंचल अधिकारी की होती है। सरकारी भूमि का दाखिल खारिज किसी रैयत के नाम से करने की अनुशंसा को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता है। आरोपी कर्म का स्पष्टीकरण एवं उपस्थापन पदाधिकारी के पक्ष के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रपत्र- 'क' में गठित आरोप प्रमाणित होता है।

<p>दाखिल खारिज करने की अनुशंसा श्री विनय कुमार ठाकुर के द्वारा की गई जिसके आधार पर श्री अरुण कुमार सक्सेना, तत्कालीन अंचल अधिकारी, सदर दरभंगा द्वारा स्वीकृत किया गया है, जिससे न केवल सरकारी भूमि की क्षति हुई बल्कि किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुँचाने हेतु एवं राजस्व पदाधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य के प्रतिकूल तथा नियम/प्रावधान से विपरीत कार्य किया गया जिससे ज्ञात होता है कि श्री विनय कुमार ठाकुर, तत्कालीन राजस्व कर्मचारी सदर दरभंगा के द्वारा निजी एवं व्यक्तिगत स्वार्थ एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करने हेतु यह कृत्य किया गया जो एक सरकारी पदाधिकारी के आचरण के प्रतिकूल है।</p>	<p>द्वारा आवेदन नहीं दिया गया, स्वयं अंचल अधिकारी महोदय हल्का कार्यालय में पहुँच कर मुंशी से आवेदन दिखवाये एवं दुसरे व्यक्ति से प्रतिवेदन लिखाकर राजस्व कर्मचारी से हस्ताक्षर कराये है।</p>	<p>स्पष्ट होती है कि कदापि एक सरकारी कर्मी के आचरण के अनुकूल एवं उचित नहीं कहा जा सकता है। इस प्रकार श्री ठाकुर के द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण किसी भी स्थिति में स्वीकार योग्य नहीं है तथा उन्हें दोष मुक्त किया जाना यथाचित प्रतीत नहीं होता है।</p>	
---	---	---	--

उक्त प्रमाणित आरोप के आलोक में क्रमशः कार्यालय ज्ञापांक-1022/स्था0, दिनांक-09.11.2021 एवं ज्ञापांक-1021/स्था0, दिनांक-09.11.2021 द्वारा आरोपी से बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के कंडिका-18(3) के तहत द्वितीय कारण पृच्छा 15 दिनों के अन्दर समर्पित करने हेतु निदेशित किया गया।

श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा के द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा निर्धारित 15 दिनों के पश्चात् क्रमशः दिनांक-27.11.2021 एवं दिनांक-23.11.2021 को समर्पित किया गया है। आरोपी राजस्व कर्मचारी के द्वारा प्रस्तुत द्वितीय कारण पृच्छा में किसी ठोस तथ्य का उल्लेख नहीं किया गया है, और न ही कोई साक्ष्य समर्पित किया गया है। इस प्रकार श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा संतोषप्रद एवं स्वीकार योग्य नहीं है। अतः श्री ठाकुर, राजस्व कर्मचारी द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष:- आरोपी के विरुद्ध गठित आरोप, आरोपी द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण, उपस्थापन पदाधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य का अवलोकन एवं सम्यक विचारोपरान्त श्री विनय कुमार ठाकुर, निलंबित राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा के द्वारा आवेदक श्री कौशलेन्द्र चौधरी के आवेदन पर भ्रामक प्रतिवेदन देने एवं बिना कोई आदेश के बेल्ट्रॉन ऑपरेटर के साथ डिजिटल जमाबंदी से छेड़-छाड़ करने, अनुशासनहीनता, कर्तव्यहीनता एवं स्वैच्छाचारिता का द्योतक होने का आरोप पूर्णतः प्रमाणित होता है। आरोपी श्री ठाकुर के द्वारा बिना सक्षम पदाधिकारी के स्वीकृति के जमाबंदी में संशोधन किया जाना एवं गलत ढंग से जमाबंदी कायम करना सरकारी सेवा संहिता का घोर उल्लंघन है। आरोपी राजस्व कर्मचारी के द्वारा दिल्ली मोड़ स्थित बस-सटेण्ड सैरात की विभागीय वसूली से संबंधित स्टोक पंजी एवं रसीद आदि का संधारण नहीं करने एवं वसूली गयी राशि को बिना सक्षम प्राधिकार के अनुमति से खर्च करने से सरकारी राजस्व की क्षति हुई, जो गम्भीर वित्तीय अनियमितता को परिलक्षित करता है। आरोपी राजस्व कर्मचारी के द्वारा सरकारी भूमि का निजी व्यक्ति के नाम दाखिल-खारिज का अनुशंसा किया गया जिससे न केवल सरकारी भूमि की क्षति हुई बल्कि किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुँचाने एवं राजस्व कर्मचारी के रूप में अपने कर्तव्य के प्रतिकूल कार्य किया गया। इस प्रकार श्री ठाकुर, रा0कर्म0 के द्वारा बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली-1976 के नियम-3(i)(ii) का उल्लंघन किया गया है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक दृष्टिकोण से एवं जनहित में श्री विनय कुमार ठाकुर के विरुद्ध कठोरतम दण्ड देने के सिवा अन्य विकल्प पर विचार करना युक्तिसंगत नहीं है। श्री ठाकुर, रा0कर्म0 की सेवा बर्खास्तगी का पर्याप्त आधार है।

अतः उक्त वर्णित सभी बिन्दुओं पर गम्भीरता से विचार करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 यथा संशोधित-2007 के नियम 14(xi) में निहित शास्तियों के तहत प्रमाणित आरोप के आलोक में मैं डा0 त्यागराजन एस0एम0, भा0प्र0से0, समाहर्ता एवं जिला दण्डाधिकारी, दरभंगा यथावर्णित आरोपों के कारणों के आरोप में श्री विनय कुमार ठाकुर, निर्लंबित राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर दरभंगा मुख्यालय सिंहवाड़ा अंचल को आदेश निर्गत की तिथि से सरकारी सेवा से बर्खास्त (Dismiss) करता हूँ। भविष्य में इन्हें पेंशन, उपादान एवं अन्य सेवान्त लाभ देय नहीं होगा। भविष्य में सरकार के अधीन नियोजन के निरर्हता होगी।

इस आशय की प्रविष्टि श्री विनय कुमार ठाकुर के सेवापुस्त में लाल स्याही से अंकित की जाएगी। साथ ही विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया समाप्त की जाती है।

श्री विनय कुमार ठाकुर, राजस्व कर्मचारी से संबंधित विवरण निम्नवत है :-

- | | | |
|---------------------------------|----|--|
| 1. सरकारी सेवक का नाम | :— | श्री विनय कुमार ठाकुर |
| 2. पिता का नाम | :— | स्व0 महेन्द्र ठाकुर |
| 3. पदनाम | :— | राजस्व कर्मचारी |
| 4. वर्तमान पदस्थापन | :— | अंचल कार्यालय सदर दरभंगा |
| 5. वेतन बैंड/ग्रेड पे/वेतन स्तर | :— | 25500-81100-L-4 ग्रेड पे-2400 |
| 6. जन्म तिथि | :— | 05.12.1968 |
| 7. नियुक्ति तिथि | :— | 13.07.1993 |
| 8. सेवानिवृत्ति की तिथि | :— | 28.02.2028 |
| 9. स्थायी पता | :— | ग्राम+पो0— रतनपुर, थाना—कमतौल, जिला—दरभंगा |

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मोहर से आज दिनांक— 04.01.2022 को निर्गत किया गया है। सभी संबंधित को सूचित करें।

आदेश से,
(ह0) अस्पष्ट, समाहर्ता।

ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचना

29 जून 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(को०)सु०-01/2020-1039392/ग्रा0वि0—श्री सुभाष कुमार, ग्रामीण विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी, राघोपुर, सुपौल के विरुद्ध सचिव राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार, पटना के पत्रांक-134 दिनांक-22.01.2020 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ। उक्त आरोप पत्र में वर्णित आरोपों पर श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण के समीक्षोपरान्त विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक-472917 दिनांक-25.06.2021 द्वारा 'असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने' का दंड अधिरोपित किया गया है।

उक्त अधिरोपित दंड के विरुद्ध श्री कुमार द्वारा प्रखंड कार्यालय, मधेपुरा के द्वारा पुनर्विचार अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया। विभाग द्वारा पुनर्विचार अभ्यावेदन की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री कुमार के पुनर्विचार अभ्यावेदन में कोई भी नया तथ्य अंकित नहीं किया गया है।

अतः समीक्षोपरान्त श्री कुमार के पुनर्विचार अभ्यावेदन को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-27 के उप नियम (3) के तहत अस्वीकृत करते हुये इस मामले को संचिकास्त किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग (मत्स्य)

अधिसूचना

30 जून 2022

सं० म०/बंदो-09/2021-1269/मत्स्य—पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के नियंत्रणाधीन जलकरों की बंदोबस्ती बिहार जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006 यथा संशोधित 2007, 2010 एवं 2018 में निहित प्रावधानों के तहत जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समिति के प्रबंध समिति के कार्यकाल अवधि तक जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती करने का प्रावधान है। जिला मत्स्य कार्यालयों से प्राप्त प्रतिवेदन से स्पष्ट हो रहा है कि प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समिति के प्रबंध समिति का कार्यकाल माह मई, 2022 से मार्च, 2023 तक समाप्त हो रहा है, जबकि प्रखंडों में बंदोबस्त जलकरों की बंदोबस्ती अवधि 30 जून, 2022 को समाप्त होगी इसलिए नयी बंदोबस्ती माह मार्च, 2022 से ही क्रियान्वयन अपेक्षित है। बिहार जलकर प्रबंधन अधिनियम 2006, यथा संशोधित 2018 की धारा 5 में परंतुक जोड़ा गया है, जिसमें यह प्रावधानित है कि “परन्तु नई बंदोबस्ती की अवधि, प्रबंध समिति के कार्यकाल की अवधि तक सीमित रहेगी”। वर्णित स्थिति में इन समितियों के साथ वर्ष 2022 में जलकरों की नई बंदोबस्ती करने में वैधानिक कठिनाई है।

विभागाधीन जलकरों की बन्दोबस्ती मछुआरों के जीविकोपार्जन एवं राजस्व हित के मद्देनजर उत्पन्न व्यवहारिक कठिनाईयों के निवारण हेतु बिहार मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006, की धारा 19(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल लघुकालीन वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान करते हुए “वर्ष 2022-23 में जिन समितियों के प्रबंध समिति का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उन समितियों के साथ बंदोबस्त जलकरों की बंदोबस्ती अवधि का विस्तार एक वर्ष अर्थात् 01 जुलाई, 2022 से 30 जून, 2023 तक की जाए।” इससे समितियों के बीच आपसी विवाद को कम किया जा सकेगा। इस बीच निर्वाचन प्राधिकार के द्वारा निर्वाचन के उपरान्त प्रबंध समिति का विधिवत् गठन किया जा सकेगा।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में प्रस्ताव है कि बिहार मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006 की धारा 19(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वर्ष 2022-23 के प्रभाव से पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अधीन जलकरों की बंदोबस्ती के संबंध में राज्य सरकार द्वारा निम्न आदेश हैं :-

1. बिहार मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006 यथा संशोधित 2007, 2010 एवं 2018 के प्रावधानों के अधीन पूर्व बंदोबस्तदार मत्स्यजीवी सहयोग समिति के साथ बंदोबस्त जलकरों की अवधि का विस्तार एक वर्ष अर्थात् 01 जुलाई, 2022 से 30 जून, 2023 तक की जाती है।
2. सीमित एवं खुली डाक से बंदोबस्त जलकरों पर भी यही प्रक्रिया लागू होगी।
3. अधिनियम की धारा 4 के अधीन पूर्व से निर्धारित सुरक्षित जमा में 5 प्रतिशत की वृद्धि कर राजस्व की वसूली बन्दोबस्तदार समिति से की जाएगी तथा खुले डाक/सीमित डाक के पट्टेदार से बन्दोबस्ती की राशि में 5 प्रतिशत बढ़ोत्तरी कर राजस्व वसूली की जाएगी।
4. प्रखण्ड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों का अगर कोई राजस्व बकाया हो, तो राशि एक मुश्त खाता के माध्यम से प्राप्त की जाएगी।
5. यह सुविधा उन्हीं समिति/पट्टेदार पर लागू होगी, जिनके पास विभाग का कोई राजस्व बकाया न हो।
6. विभागीय पत्रांक 528 दिनांक 02.04.2018 के अनुसार पूर्व सदस्य पट्टेदार के ही साथ अवधि विस्तार समिति के द्वारा की जाएगी। अपरिहार्य कारणों से यदि परिवर्तन अपेक्षित हो, तो अधिनियम की धारा 7 (ii) के आलोक में सक्षम प्राधिकार के अनुमोदनोपरान्त ही वैध होगा।
7. उपर्युक्त आदेश वित्तीय वर्ष 2022-23 प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के प्रबंध समिति के निर्वाचन के मामलों में लागू होगा।
8. उपर्युक्त शर्तों को अगर पूर्व के बंदोबस्तदार अस्वीकार करें, तो उनकी बंदोबस्ती रद्द कर अधिनियम के प्रावधानानुसार एक वर्ष के लिए नयी बंदोबस्ती की जाएगी।
9. यह आदेश तत्कालिक प्रभाव से लागू किया जाता है।
10. प्रस्ताव में माननीय मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का अनुमोदन प्राप्त है।

उपर्युक्त आदेश बिहार मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनियम, 2006, यथासंशोधित 2007, 2010 एवं 2018 की सुसंगत धाराओं के आलोक में बंदोबस्ती की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मुकेश कुमार मुकुल, उप-सचिव।

सहकारिता विभाग

अधिसूचनाएं

30 जून 2022

सं० 01/रा.स्था. (स्थानान्तरण)-36/2022 सह.-2317—बिहार सहकारिता प्रशासनिक सेवा संवर्ग के स्तम्भ-02 में अंकित निम्नांकित पदाधिकारियों को स्तम्भ-4 में अंकित पद/स्थान से स्थानान्तरित करते हुए स्तम्भ-05 में अंकित पद पर पदस्थापित करते हुए स्तम्भ-06 में अंकित पद का अतिरिक्त प्रभार तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक दिया जाता है:-

क्रम सं.	पदाधिकारियों का नाम/ सिविल लिस्ट क्र./ मेधा क्रमांक/ गृह जिला	पदनाम	वर्तमान पदस्थापन पद/ स्थान	नवपदस्थापन पद/ स्थान	अतिरिक्त प्रभार
1	2	3	4	5	6
1.	श्री जवाहर प्रसाद 08/18 मधुबनी।	उप निबंधक, स0स0	उप निबंधक, स0स0, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर (अतिरिक्त प्रभार—संयुक्त निबंधक, स0स0, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर/ कोशी प्रमंडल सहरसा/ उप निबंधक, स0स0, कोशी प्रमंडल सहरसा।		संयुक्त निबंधक स0स0, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा।
2.	श्री शशि शेखर सिन्हा 18/18 जहानाबाद।	सहायक निबंधक, स0स0	उप निबंधक स0स0, ईख, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार—प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य सुगर कोप0 फेड0 लि0, पटना।	संयुक्त निबंधक, स0स0, (पणन) बिहार, पटना	प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य सुगर कोप0 फेड0 लि0, पटना।
3.	श्री मनोज कुमार सिंह, 24/18, सारण	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, (अवकाश/प्रशिक्षण रक्षित), बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार—उप महाप्रबंधक, बिहार राज्य सहकारी बैंक लि0, पटना)		संयुक्त निबंधक, पटना प्रमंडल, पटना
4.	श्री अजय कुमार अलंकार 25/18 वैशाली।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, छपरा (अतिरिक्त प्रभार—सहायक निबंधक, स0स0, छपरा/ सोनपुर)	संयुक्त निबंधक स0स0, पूर्णियाँ प्रमंडल, पूर्णियाँ।	संयुक्त निबंधक स0स0, भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर (दिनांक 01.08.2022 के प्रभाव से)
5.	श्री सैयद मशरूख आलम 29/18 पश्चिमी चम्पारण	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, सीतामढ़ी (अतिरिक्त प्रभार—जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहाय क निबंधक, स0स0, शिवहर/ सहायक निबंधक, स0स0, सीतामढ़ी।		सहायक निबंधक, स0स0, पुपरी/ प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, सीतामढ़ी
6.	श्री संतोष कुमार झा 30/18 दरभंगा।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, पटना (अतिरिक्त प्रभार—सहायक निबंधक, स0स0, पटना सिटी/ मसौढ़ी)	उप महाप्रबंधक, बिहार राज्य सहकारी बैंक लि0, पटना	

7.	श्री ललन कुमार शर्मा 33/18 मुंगेर।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, बेगुसराय (अतिरिक्त प्रभार—प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, बेगुसराय/महाप्रबंधक आई0सी0डी0पी0, बेगुसराय)		प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, खगड़िया/सहायक निबंधक, स0स0, बेगुसराय।
8.	श्री राम नरेश पाण्डेय 34/18 सहरसा।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गोपालगंज (अतिरिक्त प्रभार—प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, गोपालगंज/सहायक निबंधक, स0स0, गोपालगंज)	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, गोपालगंज	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गोपालगंज/सहायक निबंधक, स0स0, गोपालगंज
9.	श्री विजय कुमार सिंह 35/18 रोहतास।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, भोजपुर, आरा (अतिरिक्त प्रभार—सहायक निबंधक, स0स0, आरा)		प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, आरा।
10.	श्री संजय कुमार 36/18 नालान्दा।	सहायक निबंधक, स0स0	जनसम्पर्क पदाधिकारी, बिहार, पटना।	उप निबंधक स0स0, कार्यालय निबंधक, स0स0, बिहार, पटना।	जनसम्पर्क पदाधिकारी, बिहार, पटना।
11.	श्री विकास कुमार बरियार 37/18 औरंगाबाद।	सहायक निबंधक, स0स0	विशेष पदाधिकारी, (उपभोक्ता), बिहार, पटना।	उप निबंधक स0स0, (न्या0) कार्यालय निबंधक, स0स0, बिहार, पटना।	उप निबंधक स0स0, (ईख) बिहार, पटना
12.	श्री सत्येन्द्र कुमार प्रसाद 40/18 गोपालगंज।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, नालन्दा (अतिरिक्त प्रभार—सहायक निबंधक, स0स0, बिहारशरीफ/हिलसा/महाप्रबंधक आई0सी0डी0पी0, नालन्दा)	जिला सहकारिता पदाधिकारी, जहानाबाद।	सहायक निबंधक, स0स0, जहानाबाद/महाप्रबंधक, आई0सी0डी0पी0, जहानाबाद।
13.	श्री भरत कुमार 44/18, पटना।	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, बिहार, पटना।	सहायक निबंधक, स0स0, बुनकर, पटना।	सहायक निबंधक, स0स0, हस्तकरघा, पटना।
14.	श्री रामाश्रय राम 46/18 बक्सर।	सहायक निबंधक, स0स0	जिला सहकारिता पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण मोतिहारी (अतिरिक्त प्रभार—मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, तिरहुत सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ लि0, मोतिहारी/सहायक निबंधक, स0स0, मोतिहारी/महाप्रबंधक आई0सी0डी0पी0, मोतिहारी)		सहायक निबंधक, स0स0, सिकरहना।

15.	मो० अमजद हयात बर्क 49/18 मुजफ्फरपुर।	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, दरभंगा (अतिरिक्त प्रभार— मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, मिथिला सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ लि०, दरभंगा/सहायक निबंधक, स०स०, दरभंगा/महाप्रबंधक	जिला सहकारिता पदाधिकारी, भागलपुर	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, भागलपुर/सहायक निबंधक, स०स०, भागलपुर/नवगछिया।
16.	श्री सुभाष कुमार 50/18 शिवहर।	सहायक निबंधक, स०स०	सहायक निबंधक, स०स०, (अवकाश/प्रशिक्षण रक्षित), बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार—मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हरित सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ, पटना)	विशेष पदाधिकारी, (उपभोक्ता), बिहार, पटना।	उप निबंधक—सह—सहायक सहकारी समिति परामर्शी (योजना) सहकारिता विभाग।
17	श्री समरेश कुमार 53/18, जहानाबाद	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम (अतिरिक्त प्रभार—प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, सासाराम—भभुआ, सासाराम/सहायक निबंधक, स०स०, सासाराम)	जिला सहकारिता पदाधिकारी, पटना	मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हरित सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ, पटना/सहायक निबंधक, स०स०, पटना सिटी/मसौढ़ी
18	मो० शहनवाज आलम 55/18, नालंदा	सहायक निबंधक, स०स०	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, नवादा (अतिरिक्त प्रभार— जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा, /सहायक निबंधक, स०स०, नवादा	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, समस्तीपुर	
19	मो० जैनुल आबदीन अंसारी 56/18, भोजपुर	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, भागलपुर (अतिरिक्त प्रभार— प्रबंध निदेशक, भागलपुर, सहायक निबंधक, स०स०, भागलपुर)	प्राचार्य, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, पुसा, समस्तीपुर	
20	श्री अजय कुमार भारती 57/18 दरभंगा।	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, मधुबनी (अतिरिक्त प्रभार—प्रबंध निदेशक, दी रहिका केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, मधुबनी/सहायक निबंधक, स०स०, मधुबनी)		सहायक निबंधक, स०स०, बेनीपट्टी/झंझारपुर।
21	श्री अरविन्द कुमार पासवान, 58/18, पूर्णिया	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहायक निबंधक, स०स०, सुपौल (अतिरिक्त प्रभार— प्रबंध निदेशक, जिला	जिला सहकारिता पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम	सहायक निबंधक, सहयोग समितियां, सासाराम/बिक्रमगंज

			केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, सुपौल, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मधेपुरा, सहायक निबंधक, सहयोग समितियां, मधेपुरा)		
22	श्री संजीव कुमार सिंह, 60 / 18, बांका	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह— सहायक निबंधक, स०स०, जमुई	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, सासाराम— भभुआ, सासाराम	
23	श्री बाबू राजा, 63 / 18, सिवान	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, जहानाबाद (अतिरिक्त प्रभार— जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह— सहायक निबंधक, स०स०, अरवल / महाप्रबंधक, आई०सी०डी०पी०, जहानाबाद)	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, नवादा	
24	श्री अनिल कुमार गुप्ता, 72 / 18, सिवान	सहायक निबंधक, स०स०	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, समस्तीपुर (अतिरिक्त प्रभार— जिला सहकारिता पदाधिकारी, समस्तीपुर / सहायक निबंधक, स०स०, समस्तीपुर, दलसिंहसराय / प्राचार्य / व्याख्याता, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, पूसा)	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—स हायक निबंधक, स०स०, सुपौल	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, सुपौल / सहायक निबंधक, स०स०, त्रिवेणीगंज / वीरपुर
25	श्री आनंद कुमार चौधरी, 73 / 18, पटना	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, किशनगंज (अतिरिक्त प्रभार — सहायक निबंधक, स०स०, किशनगंज)	जिला सहकारिता पदाधिकारी, औरंगाबाद	सहायक निबंधक, स०स०, औरंगाबाद / महाप्रबंधक, आई०सी०डी०पी०, औरंगाबाद
26	श्री श्रीन्द्र नारायण, रोहतास	सहायक निबंधक, स०स०	सहायक निबंधक, स०स०, औरंगाबाद (अतिरिक्त प्रभार— जिला सहकारिता पदाधिकारी, औरंगाबाद)	जिला सहकारिता पदाधिकारी, नालन्दा, बिहारशरीफ	सहायक निबंधक, स०स०, बिहारशरीफ / हिलसा / महाप्रबंधक, आई०सी०डी०पी०, नालन्दा
27	श्री शशिकांत शशि पटना	सहायक निबंधक, स०स०	जिला सहकारिता पदाधिकारी, खगड़िया (अतिरिक्त प्रभार— प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, खगड़िया / सहायक निबंधक, स०स०, खगड़िया)	जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा	सहायक निबंधक, स०स०, नवादा
28	मो० सफदर रहमान, पटना	सहायक निबंधक, स०स०	सहायक निबंधक, स०स०, सिकरहना	सहायक निबंधक, स०स०, समस्तीपुर	जिला सहकारिता पदाधिकारी, समस्तीपुर

					/ व्याख्याता, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, पूसा, समस्तीपुर/ सहायक निबंधक, स0स0, दलसिंहसराय/ पटौरी
29	श्री सौरभ कुमार, मधुबनी	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, पटौरी	सहायक निबंधक, स0स0 (अ0र0), बिहार, पटना	
30	श्री वात्सल्य मिश्र, लखनउ , उत्तरप्रदेश	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, मुजफ्फरपुर पूर्व		सहायक निबंधक, स0स0, मुजफ्फरपुर पश्चिम।
31	श्री प्रिंस अनुपम सिंह, पटना	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, पुपरी	सहायक निबंधक, स0स0 (अ0र0), बिहार, पटना	सहायक निबंधक, स0स0, पटना
32	श्री प्रशांत कुमार, बेगुसराय	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, वीरपुर	सहायक निबंधक, स0स0, मधेपुरा	जिला सहकारिता पदाधिकारी, मधेपुरा/ सहायक निबंधक, स0स0, उदाकिशुनगंज
33	सुश्री दिव्या झा, मधुबनी	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, दानापुर	सहायक निबंधक, स0स0, बिहार, पटना	सहायक निबंधक, स0स0, दानापुर
34	श्री संतोष कुमार, पटना	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, बेगुसराय	सहायक निबंधक, स0स0, शेखपुरा	जिला सहकारिता पदाधिकारी, शेखपुरा
35	श्री अमित कुमार, पटना	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, बेनीपट्टी	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहायक निबंधक, स0स0, अरवल	
36	श्री अंकित कुमार, पटना	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, बिक्रमगंज	सहायक निबंधक, स0स0, दरभंगा	जिला सहकारिता पदाधिकारी, दरभंगा / मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, मिथिला सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ लि0, दरभंगा/ महाप्रबंधक, आई0सी0डी0पी0, दरभंगा
37	श्री आकिब जावेद, पटना	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, जहानाबाद	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहायक निबंधक, स0स0, जमुई	
38	श्री हरिशंकर कुमार, खगड़िया	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, नवगछिया	सहायक निबंधक, स0स0, छपरा	जिला सहकारिता पदाधिकारी, सारण, छपरा/ सहायक निबंधक, स0स0, सोनपुर
39	श्री दीपक कुमार, कैमूर	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, पूर्णिया	सहायक निबंधक, स0स0, खगड़िया	जिला सहकारिता पदाधिकारी, खगड़िया
40	श्री मनोज कुमार चौधरी, कटिहार	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, झंझारपुर	सहायक निबंधक, स0स0, किशनगंज	जिला सहकारिता पदाधिकारी, किशनगंज
41	श्री अजीत कुमार, भागलपुर	सहायक निबंधक, स0स0	सहायक निबंधक, स0स0, पटना सदर	जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—	

				सहायक निबंधक, स0स0, शिवहर	
--	--	--	--	------------------------------	--

2. उपर्युक्त नवपदस्थापित सूची के क्रमांक-06 एवं 19 में अंकित पदाधिकारियों का स्थानान्तरण उनके अभ्यावेदन के आधार पर किया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के संकल्प संख्या-434 दिनांक- 01.03.2007 में निहित प्रावधान के आलोक में अभ्यावेदन के आधार पर पदाधिकारियों के स्थानान्तरण/पदस्थापन की स्थिति में उन्हें स्थानान्तरण यात्रा भत्ता एवं पारगमन अवधि अनुमान्य नहीं होगी।

3. वैसे सहायक निबंधक, स0स0 जो वर्तमान में दीप नारायण सिंह, क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, प्रशिक्षणोपरांत नये पदस्थापन स्थान पर प्रभार ग्रहण करेंगे।

4. उच्चतर पद में पदस्थापित होने की दशा में पदाधिकारी अपने ही वेतनमान में उच्चतर पद के प्रभारी समझे जायेंगे।

5. इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सियाराम सिंह, उप-सचिव।

30 जून 2022

सं0 01/रा.स्था. (स्थानान्तरण)-38/2022 सह.-2318—बिहार सहकारिता अंकेक्षण सेवा संवर्ग के स्तम्भ-02 में अंकित निम्नांकित पदाधिकारियों को स्तम्भ-4 में अंकित पद/स्थान से स्थानान्तरित करते हुए स्तम्भ-05 में अंकित पद पर पदस्थापित करते हुए स्तम्भ-06 में अंकित पद का अतिरिक्त प्रभार तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक दिया जाता है:-

क्रम सं.	पदाधिकारियों का नाम/ सिविल लिस्ट क्र./मेधा क्रमांक/गृह जिला	पदनाम	वर्तमान पदस्थापन पद/स्थान	नवपदस्थापन पद/स्थान	अतिरिक्त प्रभार
1	2	3	4	5	6
1.	श्री जितेन्द्र कुमार 01/15 पटना	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0, बिस्कोमान, पटना (अतिरिक्त प्रभार-प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, नालन्दा, बिहारशरीफ।		संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण), स0स0, मगध प्रमंडल, गया/ प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0, नालन्दा, बिहारशरीफ एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, नवादा।
2.	श्री संजय कुमार 02/15 भोजपुर	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0, बिहार राज्य को-ऑपरेटिव बैंक, पटना (अतिरिक्त प्रभार-संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) स0स0, कार्यालय निबंधक, स0स0, बिहार, पटना।		संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) स0स0, कार्यालय निबंधक, स0स0, बिहार, पटना / संयुक्त निबंधक, (अंकेक्षण) स0स0, पटना प्रमंडल, पटना/ जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, वैशाली, हाजीपुर।
3.	श्री धनन्जय कुमार 08/15 औरंगाबाद	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0	उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0, सहकारी गृह निर्माण एवं उपभोक्ता संघ, पटना (अतिरिक्त प्रभार-संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) स0स0, भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर		संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) स0स0, भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर/जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, भागलपुर एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, बांका

4.	श्री वैद्यनाथ राय 09/15 समस्तीपुर	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, लखीसराय। (अतिरिक्त प्रभार— जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, भागलपुर/जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, बाँका।)	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, रोहतास, सासाराम।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, कैमूर, भभुआ।
5.	श्री आनन्द मोहन 14/15 नवादा	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, वैशाली, हाजीपुर।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0 शेखपुरा।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, बिहारशरीफ, नालन्दा एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, लखीसराय।
6.	श्री मुकेश कुमार समस्तीपुर	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सीतामढ़ी। (अतिरिक्त प्रभार— जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, शिवहर/प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0 सीतामढ़ी)	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, शिवहर	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सीतामढ़ी
7.	मो0 इम्तियाज अहमद, पटना।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, नालन्दा, बिहारशरीफ (अतिरिक्त प्रभार—जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, शेखपुरा एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, नवादा)	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, पटना।	
8.	श्री रितेश चन्द्र नालन्दा	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, पटना।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, समस्तीपुर।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, पूसा, समस्तीपुर।
9.	श्रीमती वैशाली चौधरी मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, समस्तीपुर।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, कटिहार।	प्रबंध निदेशक, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0 कटिहार।
10.	सुश्री स्वप्निल कुमारी, पटना।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, छपरा। (अतिरिक्त प्रभार— जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सीवान)।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सीवान।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सारण, छपरा।
11.	श्री प्रियेश प्रियदर्शी, नालन्दा।	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0	जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, मधुबनी।		जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, दरभंगा।

2. उपर्युक्त नवपदस्थापित सूची के क्रमांक-6, 7, 9 एवं 10 में अंकित पदाधिकारियों का स्थानान्तरण उनके अभ्यावेदन के आधार पर किया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के संकल्प संख्या-434 दिनांक-01.03.2007 में निहित प्रावधान के आलोक में अभ्यावेदन के आधार पर पदाधिकारियों के स्थानान्तरण/पदस्थापन की स्थिति में उन्हें स्थानान्तरण यात्रा भत्ता एवं पारगमन अवधि अनुमान्य नहीं होगी।

3. उच्चतर पद में पदस्थापित होने की दशा में पदाधिकारी अपने ही वेतनमान में उच्चतर पद के प्रभारी समझे जायेंगे।

4. इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सियाराम सिंह, उप-सचिव।

12 जुलाई 2022

सं० 01/रा.स्था.(नामित)-07/2022 सह-2426—श्री विकास कुमार बरियार, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ (न्यायिक), कार्यालय, निबंधक, सहयोग समितियाँ, बिहार, पटना (उप निबंधक, सहयोग समितियाँ (ईख), बिहार, पटना) को अपने कार्यों के अतिरिक्त बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी फेडरेशन, पटना में तत्काल प्रभाव से कार्यभारित किया जाता है।

2. इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सियाराम सिंह, उप-सचिव।

24 मई 2022

सं० 8/नि.को.(रा.)निग.-102/2016-1809—निगरानी थाना कांड सं.-076/2016, दिनांक-03.08.2016, धारा-7/13(2)-सह-पठित धारा-13(1)(डी.)भ्र.नि. अधिनियम-1988 के प्राथमिकी अभियुक्त श्री संदीप कुमार ठाकुर, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी, पूर्णियाँ सम्प्रति निलंबित के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालनार्थ बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9(2)(क) के तहत विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक-3192, दिनांक-05.09.2016 द्वारा निलंबित किया गया था।

श्री ठाकुर दिनांक-30.09.2021 को वार्धक्य सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अतएव उनके सेवानिवृत्ति के तिथि से उन्हें निलंबन मुक्त किया जाता है। उनके निलंबन अवधि के वेतनादि के भुगतान के संबंध में उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर निर्णय लिया जायेगा।

इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार के राज्यपाल के आदेश से,
ऋचा कमल, उप-सचिव।

24 मई 2022

सं० 8/नि.को.(रा.)विभागीय-739/2018-1811—श्री कविन्द्रनाथ ठाकुर, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी, भागलपुर एवं तत्कालीन प्रबंध निदेशक, दी भागलपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि०, भागलपुर सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध सृजन महिला विकास सहयोग समिति लि०, सबौर, भागलपुर के कार्य कलापों की जाँच पड़ताल नहीं करने, समिति का निरीक्षण/पर्यवेक्षण सही ढंग से नहीं करने, बिहार सहकारिता अधिनियम एवं नियमावली तथा उपविधियों के विपरीत कार्य करने, जिसके कारण सृजन महिला विकास सहयोग समिति लि० सबौर भागलपुर को वित्तीय अनियमितता/आर्थिक अपराध करने का मौका मिल गया, जैसे आरोपों के लिए आरोप पत्र गठित कर विभागीय संकल्प ज्ञापांक-2876 दिनांक-09.08.2019 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गई। श्री ठाकुर के दिनांक-31.03.2020 को सेवानिवृत्त हो जाने के कारण विभागीय संकल्प ज्ञापांक-1505 दिनांक-21.05.2020 द्वारा उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को बिहार पेंशन नियमावली, 1950 के नियम 43(बी) में सम्मरिवर्तित किया गया।

2. संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ, सारण प्रमंडल, छपरा-सह-संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-132 दिनांक-05.03.2020 द्वारा जाँच प्रतिवेदन/अधिगम प्राप्त हुआ जिसमें मुख्य रूप से आरोप सं०-02,03 एवं 05 को प्रमाणित पाया गया। विभागीय पत्रांक-1253 दिनांक-19.03.2020 द्वारा जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति आरोपी पदाधिकारी को भेजते हुए उनसे जाँच प्रतिवेदन/अधिगम के आलोक में लिखित अभ्यावेदन/निवेदन की गई।

3. श्री कवीन्द्र नाथ ठाकुर द्वारा दिनांक-10.09.2020 को अपना लिखित अभ्यावेदन/निवेदन समर्पित किया गया। श्री ठाकुर के लिखित अभ्यावेदन/निवेदन पर निबंधक, सहयोग समितियाँ, बिहार, पटना का मंतव्य प्राप्त किया गया। मामले की सम्यक समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री ठाकुर के द्वारा समितियों का सामयिक रूप से निरीक्षण/पर्यवेक्षण नहीं किया गया। फलस्वरूप उक्त प्रमाणित आरोप के लिए विभाग द्वारा श्री कवीन्द्र नाथ ठाकुर को बिहार पेंशन नियमावली, 1950 के नियम 43(बी) के तहत 5 (पाँच) प्रतिशत पेंशन, दो वर्षों के लिए रोक का दंड संसूचित करने का निर्णय लिया गया है। श्री ठाकुर के विरुद्ध प्रस्तावित दण्ड पर बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति मांगी गयी जिसपर आयोग के पत्रांक-197 दिनांक-20.04.2022 द्वारा दो वर्षों के लिए 5 प्रतिशत पेंशन की कटौती करने पर सहमति व्यक्त की गयी।

4. श्री कविन्द्रनाथ ठाकुर, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी, भागलपुर एवं तत्कालीन प्रबंध निदेशक, दी भागलपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि०, भागलपुर सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के जाँच प्रतिवेदन/अधिगम, उनसे प्राप्त लिखित अभ्यावेदन/निवेदन एवं बिहार लोक सेवा आयोग, पटना के परामर्श/अभिमत/सहमति की सम्यक समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त श्री ठाकुर को बिहार पेंशन नियमावली के

नियम-43 के तहत दो वर्षों के लिए 5 (पाँच) प्रतिशत पेंशन की कटौती करने का दण्ड संसूचित किया जाता है और इस विभागीय कार्यवाही को समाप्त किया जाता है।

इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार के राज्यपाल के आदेश से,
ऋचा कमल, उप-सचिव।

गृह विभाग
(आरक्षी शाखा)

अधिसूचना
13 जून 2022

सं० 2/थाना-10-16/2017-5718—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा, 2 (घ) एवं बिहार पुलिस अधिनियम-2007 के धारा-8 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से निम्न तालिका विनिर्दिष्ट गाँव जो अबतक सुपौल जिला के प्रतापगंज अंचल के राघोपुर थाना के अन्तर्गत तथा, आगे उसी जिला और अंचल के प्रतापगंज थाना में शामिल किया जाता है:-

क्र०	पंचायत का नाम	गाँव का नाम		प्रत्येक गाँव का राजस्व थाना संख्या	किस थाना में है।	किस थाना में जाना है	कारण
		हिन्दी में	अंग्रेजी में				
1	चिलौनी दक्षिण	चिलौनी दक्षिण	Chilauni South	148	राघोपुर	प्रतापगंज	प्रखण्ड/अंचल/थाना की सीमाओं में एकरूपता नहीं होने के कारण आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से थानों के क्षेत्राधिकार में संशोधन किया जा रहा है।

2. प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से निम्नतालिका विनिर्दिष्ट गाँव जो अबतक सुपौल जिला के प्रतापगंज अंचल के छातापुर थाना के अन्तर्गत था, आगे उसी जिला और अंचल के प्रतापगंज थाना में शामिल किया जाता है :-

क्र०	पंचायत का नाम	गाँव का नाम		प्रत्येक गाँव का राजस्व थाना संख्या	किस थाना में है।	किस थाना में जाना है	कारण
		हिन्दी में	अंग्रेजी में				
1	सूर्यापुर	सूर्यापुर	Suryapur	155	छातापुर	प्रतापगंज	प्रखण्ड/अंचल/थाना की सीमाओं में एकरूपता नहीं होने के कारण आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से थानों के क्षेत्राधिकार में संशोधन किया जा रहा है।
		परसा बीरबल	Parsa Birbal	156	छातापुर	प्रतापगंज	
		जयनगरा	Jaynagar	149	छातापुर	प्रतापगंज	

3. प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से निम्नतालिका विनिर्दिष्ट गाँव जो अबतक सुपौल जिला के प्रतापगंज अंचल के प्रतापगंज थाना के अन्तर्गत था, आगे उसी जिला और अंचल के करजाईन थाना में शामिल किया जाता है :-

क्र०	पंचायत का नाम	गाँव का नाम		प्रत्येक गाँव का राजस्व थाना संख्या	किस थाना में है।	किस थाना में जाना है	कारण
		हिन्दी में	अंग्रेजी में				
1	परमानन्दपुर	परमानन्दपुर	Parmanandpur	72	प्रतापगंज	करजाईन	प्रखण्ड/अंचल/थाना की सीमाओं में एकरूपता नहीं होने के कारण आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से थानों के क्षेत्राधिकार में संशोधन किया जा रहा है।
		अड़राहा	Araraha	73	प्रतापगंज	करजाईन	

4. प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से निम्नतालिका विनिर्दिष्ट गाँव जो अबतक सुपौल जिला के सरायगढ़-भपटियाही अंचल के किसनपुर थाना के अन्तर्गत था, आगे उसी जिला और अंचल के भपटियाही थाना में शामिल किया जाता है :-

क्र०	पंचायत का नाम	गाँव का नाम		प्रत्येक गाँव का राजस्व थाना संख्या	किस थाना में है।	किस थाना में जाना है	कारण
		हिन्दी में	अंग्रेजी में				
1	बनैनिया	औरही	Aurahi	40	किसनपुर	भपटियाही	प्रखण्ड/अंचल/थाना की सीमाओं में एकरूपता नहीं होने के कारण आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से थानों के क्षेत्राधिकार में संशोधन किया जा रहा है।
		बनैनिया	Banainiya	43	किसनपुर	भपटियाही	
		सनपतहा	Sanpataha	41	किसनपुर	भपटियाही	
2	सरायगढ़	इटहरी	Itahari	42	किसनपुर	भपटियाही	
3	मुरली	मुरली	Murali	55	किसनपुर	भपटियाही	
		मुरलीमिलिक	MuraliMilik	56	किसनपुर	भपटियाही	
		मुरलीमिलिक	MuraliMilik	57	किसनपुर	भपटियाही	
4	चाँदपीपर	चाँदपीपर	Chandpipar	60	किसनपुर	भपटियाही	
		कुल्लीपट्टी	Kullipatti	59	किसनपुर	भपटियाही	
5	लालगंज	सुखासन (लालगंज, बगेवा, टेंगराहा)	Sukhasan	63	किसनपुर	भपटियाही	

5. प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से निम्नतालिका विनिर्दिष्ट गाँव जो अबतक सुपौल जिला के मरौना अंचल के मरौना थाना के अन्तर्गत था, आगे उसी जिला और अंचल के सुपौल नदी थाना में शामिल किया जाता है :-

क्र०	पंचायत का नाम	गाँव का नाम		प्रत्येक गाँव का राजस्व थाना संख्या	किस थाना में है।	किस थाना में जाना है	कारण
		हिन्दी में	अंग्रेजी में				
1	बेलही	बेलही	Belhi	104	मरौना	सुपौल नदी थाना	प्रखण्ड/अंचल/थाना की सीमाओं में एकरूपता नहीं होने के कारण
		महेशपुर	Maheshpur	105	मरौना	सुपौल नदी थाना	

		गम्हरिया	Gamhariya	106	मरौना	सुपौल नदी थाना	आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। प्रशासनिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से थानों के क्षेत्राधिकार में संशोधन किया जा रहा है।
		मौआही	Mauahi	108	मरौना	सुपौल नदी थाना	
2	सरोजाबेला	कुलहरिया	Kulhariya	109	मरौना	सुपौल नदी थाना	
	सरोजाबेला	Sarojabela		110	मरौना	सुपौल नदी थाना	
3	ललमनियाँ	ललमनियाँ	Lalmaniya	103	मरौना	सुपौल नदी थाना	
4	कदमाहा	धावघाट	Dhavghat	99	मरौना	सुपौल नदी थाना	
		पड़री	Parari	107	मरौना	सुपौल नदी थाना	
5	बड़हारा	बड़हारा	Barhara	114	मरौना	सुपौल नदी थाना	
		कोनीइनायत	Konilnayat	111	मरौना	सुपौल नदी थाना	

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
सुधांशु कुमार चौबे, उप—सचिव।

श्रम संसाधन विभाग
निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण, बिहार, पटना

प्रभार रिपोर्ट
20 मई 2022

सं० 1017—अधोहस्ताक्षरी, मैं राजीव रंजन, आई०टी०एस० (1999) दिनांक—20.05.2022 के पूर्वाह्न में निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना का स्वतः प्रभार ग्रहण किया।
विभागीय अधिसूचना ज्ञाप सं०—5/श्रम स्था०(2)—08/2022—04 दिनांक—19.05.2022 (द्रष्टव्य)।

(राजीव रंजन)
भारग्राही पदाधिकारी।

आदेश से,
विवेक कुमार, संयुक्त निदेशक (LWE)।

सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचनाएं

14 जुलाई 2022

सं० 7/शक्ति प्र०—13—02/2022 सा०प्र०—11750—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार—राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ—2 में संसूचित कार्मिकों को उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरण के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को भागलपुर जिला में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

अनुसूची						
क्र० स०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/ अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/ कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (स०स०)—सह—जिलाधि कारी, भागलपुर के पत्रांक—36 दिनांक 24. 06.2022 द्वारा संसूचित कार्मिकों को।	द०प्र०सं० 1973 की धारा—21	28.06.2022	प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लि० एवं स्ववालंबी सहकारी समिति के निर्वाचन हेतु	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	भागलपुर

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

8 जुलाई 2022

सं० 7/शक्ति प्र०—13—02/2022 सा०प्र०—11499—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार—राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ—2 में उल्लेखित कार्मिकों को उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरण के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को सहरसा जिला में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

अनुसूची						
क्र० स०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/ अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/ कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला दण्डाधिकारी, सहरसा के पत्रांक—50—1 दिनांक 25.06.2022 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा—21	28.06.2022	बिहार मत्स्यजीवी सहयोग समिति प्रबंधकारिणी निर्वाचन—2022 के चुनाव कार्य	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	सहरसा

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 19—571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और
नियम आदि।

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचना (शुद्धि-पत्र)

24 जून 2022

सं० 1/स्था०-09/2022-3208(s)—1. विभागीय अधिसूचना संख्या-2919(एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 में अंकित “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत कार्यपालक अभियंता-सह अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पर पदस्थापन” के स्थान पर “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अधीक्षण अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन” पढ़ा जाय।

2. विभागीय अधिसूचना संख्या-2920 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 में अंकित “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पर पदस्थापन” के स्थान पर “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन” पढ़ा जाय।

3. विभागीय अधिसूचना संख्या-2924 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 में अंकित “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पर पदस्थापन” के स्थान पर “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए अधीक्षण अभियंता या समकक्ष पद पर पदस्थापन” पढ़ा जाय।

4. विभागीय अधिसूचना संख्या-2926 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 में अंकित “कार्यपालक अभियंता-सह अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पर पदस्थापन” के स्थान पर “अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन” पढ़ा जाय।

5. विभागीय अधिसूचना संख्या-2935 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 में अंकित “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत कार्यपालक अभियंता-सह अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन” के स्थान पर “अपने ही वेतनमान् में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन” पढ़ा जाय।

शेष यथावत रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

27 जून 2022

सं० 1/स्था०-09/2022-3235(s)—विभागीय अधिसूचना संख्या-2941 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 के कंडिका(i) में अंकित “कार्यपालक अभियंता-2, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना” के स्थान पर “कार्यपालक अभियंता-2, मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (उत्तर) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना” एवं कंडिका (ii) में अंकित “अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (योजना निरूपण, NHAI भू-अर्जन एवं गुण नियंत्रण) अंचल, मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (दक्षिण) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना” के स्थान पर “अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (योजना निरूपण, NHAI भू-अर्जन एवं गुण नियंत्रण) अंचल, मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ (उत्तर) उपभाग का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना” पढ़ा जाय।

विभागीय अधिसूचना संख्या-2941 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-2943 (एस), दिनांक 21.06.2022 एवं शुद्धि पत्र अधिसूचना संख्या-3089 (एस)—सहपठित ज्ञापांक-3090 (एस), दिनांक 23.06.2022 को इस हद तक संशोधित समझा जाय। शेष यथा वत रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

28 जून 2022

सं० 1/स्था०-08/2021—3293(s)—विभागीय अधिसूचना संख्या-2954 (एस) दिनांक 21.06.2022 में अंकित “सहायक अभियंता अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, शेखपुरा को स्थानान्तरित करते हुए सहायक अभियंता, पथ अंचल, मुंगेर के पद पर पदस्थापित किया जाता है” के स्थान पर “सहायक अभियंता अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, शेखपुरा को स्थानान्तरित करते हुए सहायक अभियंता (अनुश्रवण), पथ अंचल, मुंगेर के पद पर पदस्थापित किया जाता है” पढ़ा जाय।

शेष यथावत् रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

29 जून 2022

सं० 1/स्था०-08/2021—3371(s)—विभागीय अधिसूचना संख्या-2963 (एस) दिनांक 21.06.2022 में अंकित “प्राक्कलन पदाधिकारी, रा०उ०प० अवर प्रमंडल, पूर्णियाँ” के स्थान पर “प्राक्कलन पदाधिकारी, रा०उ०प० प्रमंडल, पूर्णियाँ” पढ़ा जाय।

शेष यथावत् रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप-सचिव (प्र०को०)।

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचना
शुद्धि-पत्र

8 जुलाई 2022

सं० 6/सं०-04-01/2021—1888—सेवा सम्पुष्टि संबंधी वाणिज्य-कर विभाग की अधिसूचना संख्या-1144 दिनांक 28.04.2022 के क्रमांक 36 के कॉलम-4 में अंकित जन्म तिथि/योगदान की तिथि “05.01.1980/26.12.2018” के स्थान पर “05.01.1990/26.12.2018” शुद्ध रूप में पढ़ा जाय।

शेष यथावत् रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
पंकज कुमार सिन्हा, राज्य-कर अपर आयुक्त-सह-संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 19—571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9-ख

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि ।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद

विद्यापति मार्ग, पटना-800001

संशोधित अधिसूचना

14 मार्च 2022

सं० 5562—माँ कात्यायनी मंदिर, खगड़िया पर्वद में सार्वजनिक धार्मिक संस्था के रूप में निबंधित है, जिसकी निबंधन सं०-2726 है।

उक्त मंदिर के सुचारु व्यवस्था हेतु दिनांक 27/08/2015 को 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। परन्तु वर्ष 2017 से ही सदस्यों का आपस में ही एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप दाखिल होने लगा, जिस पर सदस्यों को बुलाकर विस्तृत रूप से दिनांक 26/09/2019, 18/03/2020, 17/08/2020, 06/10/2020, एवं 03/12/2020 को सुना गया और यह पाया गया कि न्यास समिति के बीच आपस में तालमेल नहीं है। जिससे मंदिर की व्यवस्था खराब होती जा रही है और न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा था।

अतः एक नयी न्यास समिति बनाये जाने का निर्णय लिया गया। नयी न्यास समिति बनाये जाने के संबंध में जिला पदाधिकारी से प्रस्ताव की मांग की गयी जिसमें पर्वद को कुछ ग्रामीणों द्वारा एक आम सभा कर तथा अनुमंडल पदाधिकारी, डी०डी०सी तथा कुछ व्यक्तिगत रूप से प्राप्त नामों पर विचारोपरान्त सभी पक्षों को विस्तृत रूप से सुनने तथा समझौते के आधार पर दिनांक 14/06/2021 द्वारा एक न्यास समिति का गठन करते हुए विस्तृत आदेश पारित किया गया, जिसकी अधिसूचना पत्रांक 742 दिनांक 16/06/2021 निर्गत किया गया, परन्तु इसी बीच पर्वद को यह सूचना प्राप्त हुई कि कुछ सदस्यों के विरुद्ध आपराधिक मामले विचाराधीन है, परन्तु थाने द्वारा उनके संबंध में सही रिपोर्ट नहीं दाखिल किया गया है। पर्वद में पुनः सदस्यों द्वारा एक-दूसरे के उपर आरोप-प्रत्यारोप लगाना प्रारंभ कर दिया तथा कुछ पर्वद के माननीय सदस्यों को भी लिखित शिकायत प्राप्त हुई, जिसपर विचारोपरान्त पर्वद के आदेश दिनांक 20/09/2021 द्वारा गठित न्यास समिति के कार्य पर रोक लगाते हुए जिला पदाधिकारी को अस्थायी रूप से मंदिर की देखभाल करने हेतु अधिकृत किया गया तथा उस संस्था के हित में पर्वद द्वारा यह निर्णय लिया गया कि पर्वद के 3 माननीय सदस्य श्री रत्नेश सदा(स.वि.स), महंत शुखदेव दास जी एवं श्री चन्दन कुमार सिंह से आग्रह किया गया कि स्थल निरीक्षण कर मंदिर की सुचारु व्यवस्था हेतु अपनी एक रिपोर्ट पर्वद को दें, जिससे यदि आवश्यकता हो तो न्यास समिति में किसी तरह का बदलाव किया जा सके। पर्वद के एक माननीय सदस्य महंत विजय शंकर गिरि से भी अनुरोध किया गया कि वह भी उक्त तीन सदस्यीय समिति के साथ उक्त मंदिर का स्थल निरीक्षण कर एक सामुहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उपरोक्त के आलोक में सभी 4 माननीय सदस्यों द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया तथा वहां उपस्थित श्रद्धालुओं, न्यास समिति के सदस्यों, ग्रामीणों आदि से वार्तालाप आदि के उपरान्त अपनी रिपोर्ट दिनांक 07/02/2022 को समर्पित किया, जिसमें यह मत रखा गया कि (1) उक्त मंदिर आस्था का केन्द्र है, जिसमें विभिन्न राज्यों से भी लोग आते हैं। कुछ ग्रामीणों की मांग है कि सिर्फ उन्हीं के पंचायत से न्यास समिति बनाया जाए जो उचित नहीं है।

(2) प्रस्तावित न्यास समिति के सदस्यों का कथन है कि कार्य करने का अवसर दिया जाए और सब मिलकर कार्य करेंगे।

(3) प्रस्तावित सदस्य युवराज शंभु की जनमानस में पैठ है, साथ ही सरकारी पदाधिकारियों से भी अपनी खास पहचान बना रखी है। क्षेत्र में धन-धान्य एवं समाजिक प्रतिष्ठा भी है। अतः उन्हें उचित मान-सम्मान देना हितकर होगा और मौखिक रूप से पर्वद को यह बतलाया गया कि श्री युवराज शंभु को पूर्व न्यास समिति में जो पद दिया गया था वह पद बरकरार रखा जाए।

आगे प्रस्ताव किया कि अध्यक्ष के रूप में जिला पदाधिकारी को नामित किया जाए तथा मंदिर तक पहुंचन के लिए सड़क आदि का विकास भी जिला पदाधिकारी को रखने से शीघ्र हो सकता है तथा सुरक्षा के बिन्दू से पुलिस अधीक्षक को भी सदस्य के रूप में नामित किया जाना चाहिए।

उपरोक्त 4 सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के आलोक में पूर्व गठित न्यास समिति में निम्न संशोधन किया जाता है तथा इसे मुर्त रूप देने के लिए एक योजना निरूपित किया जाता है।

योजना

1. खगड़िया जिला अर्न्तगत मानसी थाना के ग्राम-बलकुण्डा(मौजा-दिघरी) स्थित माँ कात्यायणी मंदिर एवं इसमें निहित सम्पत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए निरूपित योजना का नाम “माँ कात्यायणी मंदिर न्यास योजना” होगा और इसके

कार्यान्वयन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “माँ कात्यायणी मंदिर न्यास समिति बलकुण्डा” होगा जिसमें ठाकुरबाड़ी न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य होगा कि माँ कात्यायणी का पूजा-अर्चना, राग-भोग, उत्सव-समैया आदि समुचित ढंग से सम्पादित करें।

3. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली परख होगी।

4. मन्दिर से प्राप्त होने वाली समग्र राशि का लेखा संधारण किया जायेगा। न्यास समिति किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर न्यास की आय संधारित करेगी। न्यास के खाते का संचालन अध्यक्ष अथवा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा। कोषाध्यक्ष न्यास के आय व्यय के लेखा के संधारण के लिए उत्तरदायी होंगे।

5. न्यास समिति न्यास की हस्तांतरित/अवक्रमित भूमि यदि कोई हो तो उसकी वापसी के लिए नियमानुकूल कार्रवाई संबंधित पदाधिकारी या उपाध्यक्ष कर सकेंगे।

6. न्यास समिति अधिनियम एवं उपविधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास की आय-व्यय की विवरणी, बजट, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त, न्यास शुल्क सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

7. अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष को न्यास समिति की बैठक आहूत करने का अधिकार रहेगा। न्यास समिति की बैठक साल में कम से कम 4 बार अवश्य होगी। बैठक का कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति के कोई सदस्य अपने कर्तव्यों के निर्वहन में विफल रहेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो उनके सदस्य रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति का कोई सदस्य यदि अपराधिक दोषसिद्ध होंगे या न्यास के प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लाभ उठाते पाये जायेंगे तो उनकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी।

11. मंदिर में आने वाले भक्तों का विशेषकर महिला भक्तों की सुविधा का ख्याल समिति द्वारा रखा जायेगा।

12. न्यास समिति को न्यास की भूमि भू-सम्पत्तियों के किसी भी प्रकार के अन्तरण का अधिकार नहीं होगा।

13. सप्ताह में लगने वाले मेले से प्राप्त राशि की गणना कम से कम 3 सदस्यों के समक्ष की जायेगी एवं उनके हस्ताक्षर उक्त रजिस्टर पर अंकित होना चाहिए एवं उक्त राशि को दो दिनों के अन्दर मंदिर के नामे बैंक खाता में जमा किया जायेगा। इस योजना के कार्यान्वयन हेतु निम्नलिखित संशोधित न्यास समिति 01 वर्ष के लिए गठित की जाती है। कार्य संतोषजनक पाये जाने पर समिति का कार्यकाल बढ़ाये जाने पर विचार किया जायेगा। **इस न्यास समिति के संरक्षक वरीय पुलिस अधीक्षक, खगड़िया रहेंगे।**

1. जिला पदाधिकारी, खगड़िया	अध्यक्ष
2. श्री युवराज शंभु	उपाध्यक्ष (i)
3. श्री विजेन्द्र यादव	उपाध्यक्ष (ii)
4. श्री अरुण यादव, पिता-स्व0 युगेश्वर यादव	सचिव
5. श्री संजय प्र0 साहू	कोषाध्यक्ष
6. श्रीमती शिम्पी कुमारी	सदस्य
7. श्री रतन सिंह	सदस्य
8. श्री चन्देश्वरी राम	सदस्य
9. श्री शैलेन्द्र यादव	सदस्य
10. श्री राजेन्द्र पासवान	सदस्य
11. श्री नाथो चौधरी, पिता-स्व0 लालो चौधरी	सदस्य

आशा है कि नवगठित न्यास समिति के सभी सदस्य एक-दूसरे के साथ सहयोगपूर्ण कार्य करते हुए मंदिर के विकास एवं उत्थान में अपना सहयोग देंगे, जिससे मंदिर की आस्था और आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का भविष्य में अवरोध और दिक्कत न हो।

नोट:- (1) राजस्व अभिलेख में मंदिर की सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज माँ कात्यायनी मंदिर के नाम पर रहेगा, इसमें किसी व्यक्ति विशेष के नाम का नामन्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

(2) न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/बिक्रय/पट्टा/लीज आदि देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य व अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है। न्यास समिति मंदिर की भूमि को अधिकतम 1 वर्ष के लिए खेती हेतु पट्टा कर सकते हैं।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचनाएं

30 सितम्बर 2021

सं0 3403—श्री राय गंगाराम कामेश्वर नारायण पब्लिक ट्रस्ट, नरहन स्टेट, ग्राम— किशनपुर टभका, थाना+अंचल— विभूतिपुर, जिला—समस्तीपुर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0—1075 है।

उक्त न्यास के संबंध में ट्रस्ट समिति की तरफ से उनके अध्यक्ष, राजीव रंजन कुंअर द्वारा सूचित किया गया है कि ग्रामीणों द्वारा ट्रस्ट की जमीन को हड़पने के उद्देश्य से तरह-तरह की कार्रवाई विभिन्न पदाधिकारियों के समक्ष की गयी, परन्तु कहीं सफलता नहीं प्राप्त हुई। वर्ष 2013 से ग्रामीणों द्वारा एक स्वयं-भू कमिटी बनाकर ट्रस्ट की सारी भूमि को अपने नियंत्रण में ले लिया और वर्ष 2013 से ट्रस्ट समिति के उक्त भूमि से न तो कोई आय हो रही है और न किसी प्रकार का कोई नियंत्रण है।

ग्रामीणों तथा उनके अधिवक्ता राम गणेश सिंह द्वारा सूचित किया गया है कि ट्रस्ट समिति के वर्तमान अध्यक्ष द्वारा षडयंत्र के तहत मन्दिर के अधिकांश भूमि पर पैसा लेकर लोगों को घर बनवा दिया और कुछ जमीनों का बिक्रय भी करवाया गया, जिसके संबंध में किसी प्रकार की कोई अनुमति पर्षद से नहीं ली गयी। श्री सीताराम शाही समर्पणकर्ता दिवान बहादुर की पत्नी के भतीजे हैं, जिनके द्वारा अवैध रूप से दिनांक— 27/03/2010 को 03 व्यक्तियों के पक्ष में क्रमशः गिरधर कुंअर, मालती देवी, कृष्ण गोपाल के पक्ष में बिक्रय-पत्र निष्पादित किया तथा मन्दिर की पुजारी सुरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा भी बिना किसी अधिकार के संजीत कुमार, पंकज कुमार, राम मिलन चौधरी के पक्ष में दिनांक—02/12/2008 को सम्पत्ति का बिक्रय किया। उक्त बिक्रय के संबंध में ट्रस्ट समिति या उनके अध्यक्ष द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी। बल्कि ग्रामीणों द्वारा ही एक हकियत वाद सं0— 241/14 दाखिल किया गया, जो वर्ष 2020 में तकनीकी आधार पर निरस्त हो गया। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष का कहना है कि समिति को भी उक्त वाद में विपक्षी बनाया गया था और चूंकि वह वाद विचाराधीन था, इसलिए समिति द्वारा उपरोक्त बिक्रय पत्र को कही प्रश्नगत नहीं किया जा सका। समिति द्वारा पर्षद के समक्ष प्रार्थना-पत्र दिनांक— 05/03/2020 को उक्त बिक्रय पत्र के संबंध में कार्रवाई करने के लिए अनुमति हेतु दाखिल की गयी। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग 15—20 बीघा जमीन समिति के अध्यक्ष द्वारा 04 व्यक्ति क्रमशः मुकेश कुमार, पलटन दास, चन्द्रकान्त चौधरी एवं कामेश्वर चौधरी को भरना पर अवैध रूप से दिया गया है। श्री सीताराम शाही द्वारा जो भूमि बिक्रय की गयी वह भूमि समिति द्वारा पर्षद की अनुमति से पोलिटेकनिक कॉलेज के लिए राज्यपाल, बिहार सरकार के नाम दान दिया जा चुका है; जिसपर पोलिटेकनिक कॉलेज की स्थापना भी हो चुकी है।

ग्रामीणों द्वारा सूचित किया गया कि समिति के अध्यक्ष द्वारा ट्रस्ट की भूमि को अवैध रूप से पैसा लेकर विभिन्न व्यक्तियों को दी जाती है, जिसका कोई हिसाब-किताब भी नहीं रखा जाता है एवं निवेदन करते हैं कि एक न्यास समिति का गठन किया जाए, जिससे ट्रस्ट तथा उससे संबंधित भूमि की सुरक्षा की जा सके। दुसरी तरफ न्यास समिति के अध्यक्ष का कहना है कि वर्ष 2013 से ट्रस्ट की किसी भी सम्पत्ति पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है एवं निवेदन करते हैं कि कुछ प्रशासनिक पदाधिकारियों को सम्मिलित करते हुए एक न्यास समिति का गठन कर दिया जाए।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः पर्षद की बैठक दिनांक— 24/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री राय गंगाराम कामेश्वर नारायण पब्लिक ट्रस्ट, नरहन स्टेट, ग्राम— किशनपुर टभका, थाना+अंचल—विभूतिपुर, जिला—समस्तीपुर” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राय गंगाराम कामेश्वर नारायण पब्लिक ट्रस्ट न्यास योजना, नरहन स्टेट, ग्राम— किशनपुर टभका, थाना+अंचल— विभूतिपुर, जिला— समस्तीपुर” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राय गंगाराम कामेश्वर नारायण पब्लिक ट्रस्ट न्यास समिति, नरहन स्टेट, ग्राम— किशनपुर टभका, थाना+अंचल— विभूतिपुर, जिला—समस्तीपुर” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
3. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष अथवा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

4. मठ परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी / महंत की अर्हता का निर्धारण की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पत्र द को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पत्र द के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पत्र द में निहित होगा।
16. मंदिर के अधीनस्थ भूमि की बंदोवस्ती का अधिकार न्यास समिति को होगा, जिसका आय-व्यय विवरण, पत्र द के समक्ष प्रतिवर्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिएपुर्व ट्रस्ट समिति, अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्रस्तावित नाम तथा उपस्थित सदस्यों के विचार-विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित 11 सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है तथा इनके चरित्र-सत्यापन प्राप्त होने पर स्थायी किये जाने पर विचार किया जायेगा:-

- | | | |
|---|---|--------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, रोसड़ा, जिला- समस्तीपुर | — | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्री अरुण कुमार चौधरी पिता- स्व0 रामकरण चौधरी
पता-वार्ड नं0- 9, किशनपुर टभका, अं0+था0- विभूतिपुर, जिला- समस्तीपुर। | — | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री राजीव रंजन कुंअर पिता- स्व0 राम कुमार कुंवर
पता- मोहल्ला- काशीपुर, वार्ड नं0- 12, जिला- समस्तीपुर। | — | सचिव |
| 4. श्री मदन कुमार मिश्र पिता-स्व0 सुरेश मिश्र
पता- वार्ड सं0- 5, पंडितटोला टभका, अं0+था0- टभका, जिला- समस्तीपुर। | — | कोषाध्यक्ष |
| 5. डॉ0 कुमार गंगानंद पिता- स्व0 सुदेही सिंह
पता- कुंवर सिंह कॉलोनी, काशीपुर, जिला- समस्तीपुर। | — | सदस्य |
| 6. श्री कृष्णा कुमार पिता- स्व0 राम कुमार कुंवर, काशीपुर, समस्तीपुर
पता- मोहल्ला- काशीपुर, वार्ड नं0- 12, जिला- समस्तीपुर। | — | सदस्य |
| 7. श्री घनश्याम चौधरी पिता-स्व0 कामेश्वर चौधरी
पता- वार्ड सं0- 9, किशनपुर टभका, अं0+था0- विभूतिपुर, समस्तीपुर। | — | सदस्य |
| 8. श्री बिन्दो सहनी पिता-दुख्खी सहनी
पता- वार्ड सं0- 5, पंडित टोल टभका, अं0+था0- विभूतिपुर, समस्तीपुर। | — | सदस्य |
| 9. श्री मृत्युंजय कुमार पिता-श्री रामदेव सिंह, व्यवहार न्यायालय, समस्तीपुर | — | सदस्य |
| 10. श्री विजय कुमार पिता- स्व0 राम चरित्र राय
पता-ग्राम- शेरपुर, था0-विद्यापतिनगर, समस्तीपुर। | — | सदस्य |
| 11. थानाध्यक्ष, विभूतिपुर, जिला- समस्तीपुर | — | सदस्य |

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री राय गंगाराम कामेश्वर नारायण पब्लिक ट्रस्ट, नरहन स्टेट,ग्राम- किशनपुर टभका, थाना+अंचल- विभूतिपुर, जिला- समस्तीपुर"के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोटः—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज(तीन वर्षों से अधिक) आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं0 4365—श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहुआ, जिला—कैमूर (भभुआ) जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4387 है।

उक्त न्यास में मंदिर के नाम से 20 एकड़ 36 डी0 भूमि है। ग्रामीणों द्वारा एक प्रार्थना-पत्र पर्षद में दिलाया गया कि पूर्व में राम नाथ दास को पूजा-पाठ हेतु नियुक्त किया गया था। उनका स्वर्गवास वर्ष 2018 में हो गया। तदोपरांत श्री केशव दास को पूजा-पाठ हेतु ग्रामीणों ने नियुक्त किया, परंतु वे न तो मंदिर में रहते हैं और न पूजा-पाठ करते हैं। ग्रामीणों द्वारा दि0-06/06/21 को आम सभा का आयोजन कर गांव के अच्छे एवं धार्मिक व्यक्तियों का चयन कर न्यास समिति गठन हेतु प्रार्थना-पत्र दिया गया। इसमें मंदिर के पुजारी श्री केशव दास को नोटिस निर्गत किया गया, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुये। इस बीच प्रस्तावित नामों के सत्यापन हेतु थाना को पत्र निर्गत किया गया। सुनवायी के क्रम में ग्रामीणों ने बताया कि श्री सुदर्शनाचार्य एक कथा वाचक हैं, जिनका काफी बड़ा परिवार है। यह भी कथन किया गया कि मंदिर में पूजा-पाठ का कार्य श्री चरणदास ही करते हैं तथा काफी वर्षों से मंदिर में निवास करते हुए मंदिर की देखभाल भी करते हैं। साथ ही न्यास समिति गठित किये जाने का अनुरोध किया गया है, ताकि नियमित रूप से पूजा-पाठ हो, तथा न्यास की भूमि को सुरक्षित एवं बंदोवस्त किया जा सके। उक्त प्रस्ताव पर किसी भी प्रकार की आपत्ति पर्षद को प्राप्त नहीं है और चूंकि सत्यापन प्रतिवेदन भी अप्राप्त है। ऐसी परिस्थिति में प्रस्तावित सदस्यों की एक न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठित करने का निर्णय लिया जाता है। सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने पर नियमित किये जाने पर विचार किया जायेगा। न्यास समिति मंदिर से संबंधित भूमि की नियमित रूप से वार्षिक बंदोवस्ती करेगी तथा उसका पंजी भी संरक्षित करेगी।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—29/09/2021 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहुआ, जिला—कैमूर (भभुआ)** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर न्यास योजना, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहुआ, जिला—कैमूर (भभुआ)**” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “**श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर न्यास समिति, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहुआ, जिला—कैमूर (भभुआ)**” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/ सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------|
| 1. श्रीपति सिंह यादव | — अध्यक्ष |
| 2. श्री विरेन्द्र दास | — सचिव एवं मंदिर के प्रभारी |
| 3. श्री सच्चिदानंद पाण्डेय | — कोषाध्यक्ष |
| 4. श्री पिण्डु उपाध्याय | — पुजारी |
| 5. श्री गोपाल जी सहाय | — सदस्य |
| 6. श्री अमरेश्वर उपाध्याय | — सदस्य |
| 7. श्री प्रद्युम्न पाण्डेय | — सदस्य |
| 8. श्री सदन ठाकुर (भू०पू० सरपंच) | — सदस्य |
| 9. श्री श्रीकेवल सिंह मौर्या | — सदस्य |
| 10. श्री रामायण साह | — सदस्य |
| 11. श्री लल्लु शर्मा | — सदस्य |

पता—श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहूँआ, कैमूर (भभुआ)।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर, ग्राम—चौरी, थाना—चांद, पोस्ट—गेहूँआ, जिला—कैमूर (भभुआ)” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

29 दिसम्बर 2021

सं० 4333—श्री ठाकुरजी राम जानकी मंदिर, ग्राम+पत्रालय—महदह, थाना—जिला—बक्सर, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—39 है।

उक्त मठ की सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु पर्वदीय अधिसूचना ज्ञापांक—1414, दिनांक—23/01/2015 द्वारा न्यास समिति का गठन किया गया था। उक्त न्यास समिति के दो सदस्यों क्रमशः श्री मलाई कुशवाहा तथा श्री विरेन्द्र पांडेय को नौकरी हो गया है और एक अन्य सदस्य श्री विकास सिंह द्वारा त्याग-पत्र दे दिया गया है। शेष 05 सदस्यों को सम्मिलित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा 11 नामों का प्रस्ताव एक बैठक में पारित निर्णय के आलोक में दिनांक—15/02/2020 को प्रेषित किया गया। उक्त सूची में वर्णित नामों के चरित्र-सत्यापन हेतु संबंधित थाना को पर्वदीय पत्रांक— 207, दिनांक— 14/05/2020 एवं पत्रांक—2186, दिनांक—08/12/2020 पत्र निर्गत किया गया। उक्त चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन पर्वद को अबतक अप्राप्त है। इसी बीच प्रस्तावित समिति के सदस्यों द्वारा एक बैठक आहुत की गयी, क्योंकि पूर्व न्यास समिति के सचिव एवं प्रस्तावित वर्तमान न्यास समिति के अध्यक्ष श्री विकास कुमार सिंह द्वारा स्वास्थ्य कारणों से त्याग-पत्र दे दिया गया है।

उक्त बैठक में श्री विकास सिंह के त्याग-पत्र से हुए रिक्त स्थान पर श्रीमती अंकित सिंह को सचिव के पद पर नियुक्त किये जाने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया तथा सदस्य के रूप में श्री दशरथ पासवान को अधिरोपित किया गया। प्रस्तावित न्यास समिति द्वारा विगत विभिन्न तिथियों पर न्यास की आय-व्यय विवरणी समर्पित की गयी, जिसमें उल्लेख किया गया कि मंदिर के अधीनस्थ कुल 18 एकड़ 95 डी० भूमि है। कुछ भूमि बनारस में भी अवस्थित है तथा वहां रह रहे साधु द्वारा भूमि का विक्रय कर दिया गया है। इस संबंध में मा० उच्च न्यायालय में एक अपील भी समर्पित की गयी, जो मा० न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है।

अतः प्रस्तावित न्यास समिति को अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए मान्यता प्रदान की जाती है। चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने पर समिति के स्थायी के बिंदुपर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-07/10/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री ठाकुर जी राम जानकी मंदिर, ग्राम+पत्रालय-महदह, थाना-जिला-बक्सर” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ठाकुर जी राम जानकी मंदिर न्यास योजना, ग्राम+पत्रालय-महदह, थाना-जिला-बक्सर” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री ठाकुर जी राम जानकी मंदिर न्यास समिति, ग्राम+पत्रालय-महदह, थाना-जिला-बक्सर” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए गठित की जाती है। चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत कार्यकाल पर निर्णय लिया जायेगा:-

- | | |
|-------------------------------------|------------|
| 1. श्रीमति मोनिका सिंह | — अध्यक्ष |
| 2. श्री प्रमोद चौधरी | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्रीमति सिंह | —सचिव |
| 4. श्रीमति कमला सिंह | —सदस्य |
| 5. श्री धनंजय मिश्र | —सदस्य |
| 6. श्री अजीत कुमार | —सदस्य |
| 7. श्री कमला पासवान | —सदस्य |
| 8. श्री अलख सिंह | —सदस्य |
| 9. श्री ओम प्रकाश गुप्ता (गोरख साह) | —सदस्य |
| 10. श्री दशरथ पासवान | —सदस्य |
| 11. श्री अनिल कुमार मिश्रा | —सदस्य |

श्री ठाकुर जी राम जानकी मंदिर, ग्राम+पत्रालय-महदह, थाना-जिला-बक्सर।
उक्त आदेश के आलोक में “श्री ठाकुर जी राम जानकी मंदिर, ग्राम+पत्रालय-महदह, थाना-जिला-बक्सर” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

29 दिसम्बर 2021

सं० 4331—श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर), विद्यापति मार्ग, जिला-पटना जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-873 है।

उक्त न्यास की संचालन कर रहे श्री अजीत कुमार द्वारा पूर्व न्यास समिति के सभी सदस्यों के साथ दि०-01/02/2021 को एक प्रार्थना-पत्र, जिसमें 09 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन हेतु दिया गया था। इन नामों के चरित्र-सत्यापन हेतु संबंधित थाना को पत्र भी निर्गत किया गया था, जिसमें से केवल रविन्द्र कुमार शुक्ल के संबंध में पाटलीपुत्रा थाना से प्राप्त हुआ। पुनः सभी व्यक्तियों का चरित्र-सत्यापन हेतु संबंधित थाना को भेजा गया, जिसका प्रतिवेदन अबतक अप्राप्त है। मंदिर के प्रबंधक श्री अजीत कुमार तिवारी द्वारा लिखित शपथ-पत्र दिया गया है कि मंदिर में संचालित वेद विद्यालय में विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। मंदिर की भूमि पर कुछ अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है और समिति के प्रयास के बाद 09 अतिक्रमणकारियों से भूमि मुक्त कराया गया, परंतु अभी भी 06 लोग मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा किये हुये हैं। उक्त अतिक्रमणकारियों द्वारा किसी प्रकार का किराया का भुगतान नहीं किया जा रहा है। किराया की मांग करने पर झगड़ा करने के लिए तैयार रहते हैं।

उपरोक्त सभी परिस्थितियों पर विचार करते हुए प्रस्तावित न्यास समिति के संबंध में योजना का निरूपण करते हुए एक वर्ष के लिए गठित की जाती है तथा चरित्र-सत्यापन प्राप्त होने पर अवधि विस्तार पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-27/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर), विद्यापति मार्ग, जिला-पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर) न्यास योजना, विद्यापति मार्ग, जिला-पटना” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर) न्यास समिति, विद्यापति मार्ग, जिला-पटना” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

1. श्री रविन्द्र कुमार शुक्ला	— अध्यक्ष
2. श्री अजीत कुमार तिवारी	— सचिव
3. श्री आदित्य नारायण	— कोषाध्यक्ष
4. श्री भुवनेश्वर ओझा	— सदस्य
5. श्री विनोद पाठक	— सदस्य
6. श्री संजीव कुमार सिंह	— सदस्य
7. श्री विजय पाण्डेय	— सदस्य
8. श्री विनोद कुमार	— सदस्य
9. श्री अमर पाठक	— सदस्य

सभी का पता—श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर), विद्यापति मार्ग, जिला—पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री ठाकुरजी राम मंदिर (अड़रा मंदिर), विद्यापति मार्ग, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

29 दिसम्बर 2021

सं० 4339—श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला, ग्राम+पत्रालय—कुजापी, थाना— चंदौती, जिला—गया, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—1866/66 है।

उक्त न्यास के संचालन हेतु पर्षद द्वारा दिनांक— 24/10/05 को 09 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था, किंतु समिति द्वारा उचित देखभाल नहीं करने के कारण पर्षदीय पत्रांक— 527, दिनांक— 27/05/08, दिनांक— 30/12/15, दिनांक— 23/01/16 एवं दिनांक— 04/06/16 द्वारा आय-व्यय विवरण, पर्षद शुल्क आदि की मांग की गयी, परंतु न्यास समिति द्वारा पर्षद के पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं गयी। इस बीच भू-अर्जन पदाधिकारी का पत्र दि०— 13/09/18 को प्राप्त हुआ कि उक्त न्यास समिति के खाता सं०— 807 की भूमि अर्जित की गयी है। उक्त मुआवजा की राशि प्राप्त करने हेतु न्यास समिति द्वारा पर्षद से पत्राचार किया जाने लगा। तत्पश्चात न्यास समिति के विरुद्ध आरोप भी स्थानीय मुखिया एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा प्राप्त होता रहा।

पर्षद द्वारा पत्र दिनांक— 16/07/2021 को न्यास समिति को मुआवजा की राशि का भुगतान नहीं करने हेतु पत्र निर्गत किया गया। न्यास समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव को अधिनियम की धारा— 29 (2) के अन्तर्गत नोटिस निर्गत किया गया कि आपलोगों द्वारा विगत लगभग 10 वर्षों से न्यास के आय-व्यय विवरण, बजट, पर्षद शुल्क आदि नहीं जमा किया गया है और न ही पर्षदीय आदेशों / निदेशों का अनुपालन किया गया। उक्त स्पष्टीकरण के प्रतिउत्तर में श्री रामभजन प्रसाद— अध्यक्ष का प्रत्युत्तर दिनांक— 04/08/21 द्वारा उल्लेख किया गया कि न्यास समिति के सचिव, श्री अभय कुमार काफी दबंग हैं और उनके द्वारा कोई लेखा—जोखा नहीं दिया जाता है, इस हेतु उनके विरुद्ध एक स्वत्व वाद सं०— 556/19 भी लाया गया है। इसके साथ अपने प्रार्थना—पत्र के साथ दावे पर वाद पत्र भी समर्पित किया गया है। एक अन्य पत्र दिनांक— 01/09/21 में उल्लेख किया गया है कि श्री अभय कुमार, मठ की सम्पत्ति का निजी उपयोग कर रहे हैं और सम्पूर्ण व्यवस्था को भंग कर मठ पर अधिकार कर लिये हैं। श्री अजित कुमार द्वारा दिनांक— 15/09/21 को शिकायत—पत्र प्राप्त हुआ कि मठ की सारी सम्पत्ति को श्री अभय कुमार सिन्हा एवं श्री संतोष कुमार द्वारा अपने परिवार के साथ मिलकर

लुट मचा रखा है एवं न्यास के एक अन्य सदस्य का प्रार्थना-पत्र भी प्राप्त हुआ, जिसमें कहा गया कि वे लोग नाम-मात्र के सदस्य हैं।

उपरोक्त परिस्थितियाँ स्पष्ट करती हैं कि न्यास सम्पत्ति के आय का दुरुपयोग सचिव द्वारा निजी प्रयोग में किया जा रहा है और बार-बार पर्षद द्वारा निबंधित डाक से नोटिस/स्पष्टीकरण आदि निर्गत करने पर भी कोई प्रत्युत्तर या स्पष्टीकरण का जबाव पर्षद को नहीं दिया गया है।

ऐसी परिस्थिति में दिनांक- 24/10/05 को गठित न्यास समिति को उपरोक्त आरोप के आधार पर भंग किया जाता है। चूंकि पूर्व न्यास समिति द्वारा विगत 15 वर्षों से न्यास सम्पत्ति एवं इससे प्राप्त आय का दोहन किया गया। ग्रामीणों द्वारा आम सभा की बैठक का प्रस्ताव दिनांक- 24/09/21, जो 180 लोगों का हस्ताक्षर युक्त है, पर्षद को प्राप्त हुआ है, जिसमें न्यास समिति गठन हेतु 11 सदस्यों का नाम भी प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित व्यक्तियों का संबंधित थाना से चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन भी संलग्न की गयी है।

प्रस्तावित नामों में दो प्रशासनिक पदाधिकारी क्रमशः भूमि सुधार उपसमाहर्ता, सदर, गया को अध्यक्ष तथा थानाध्यक्ष, चंदौती को सदस्य के रूप में मान्यता देते हुए न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-22/10/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए "श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला, ग्राम+पत्रालय- कुजापी, थाना- चंदौती, जिला-गया"के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला न्यास योजना, ग्राम+पत्रालय- कुजापी, थाना- चंदौती, जिला-गया" होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम "श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला न्यास समिति, ग्राम+पत्रालय- कुजापी, थाना- चंदौती, जिला-गया" होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. भूमि सुधार उपसमाहर्ता, सदर, गया—	अध्यक्ष
2. श्री उमेश कुमार सिंह—	उपाध्यक्ष
3. श्री राकेश कुमार शर्मा—	सचिव
4. श्री श्रवण कुमार—	कोषाध्यक्ष
5. श्री जयजय राम प्रसाद—	सदस्य
6. श्री अखिलेश कुमार—	सदस्य
7. श्री संदीप कुमार—	सदस्य
8. श्री मनोज कुमार—	सदस्य
9. श्री शम्भु प्रजापत—	सदस्य
10. श्री प्रहलाद यादव—	सदस्य
11. थानाध्यक्ष, चंदौती, जिला— गया—	सदस्य

श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला, ग्राम+पत्रालय— कुजापी, थाना— चंदौती, गया।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री तिलकधारी न्यास कुशवाहा धर्मशाला, ग्राम+पत्रालय— कुजापी, थाना— चंदौती, जिला— गया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 जनवरी 2022

सं0 4795—श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2659 है।

मंदिर में पूजा—पाठ, राग—भोग श्री सुन्दर पुरी करते थे। उनके स्वर्गवास के पश्चात श्री धनेश्वर पुरी, तत् पश्चात श्री नन्दकेश्वर पुरी मंदिर की देखभाल करते थे। उनके उपरांत श्री गजाधरनंद पुरी मंदिर की व्यवस्था देखते थे। श्री गजाधरनंद पुरी का निधन दि0— 08/09/96 को हो गया। तदोपरांत श्री रामेश्वर पुरी को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया। सचिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि श्री बालेश्वर प्रसाद सिंह द्वारा मठ की भूमि, श्री बाल्मिकी प्रसाद को दि0— 28/03/1983 को बिना किसी अनुमति के बिक्री की गयी। इस बीच दि0— 20/10/16 को श्री परीक्षित पुरी द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया कि मंदिर के न्यासधारी विगत कुछ वर्षों से अस्वस्थ चल रहे हैं और प्रार्थी लगभग 05 वर्षों से सेवा—सत्कार कर रहा है। आवेदन में स्वयं को न्यासधारी नियुक्त करने की प्रार्थना की। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को पुनः पत्र प्रेषित कर प्रतिवेदन की मांग की गयी। किंतु कोई प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ। इस बीच दि0— 12/06/20 को श्री रामेश्वर पुरी महंत द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि इनकी आयु अधिक हो गयी है और पूर्व में स्वेच्छा से श्री परीक्षित पुरी को शिष्य बनाया था, जो बुरी संगत में पड़कर मठ की गरिमा को आघात पहुंचा रहा है। मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए श्री परीक्षित पुरी को चेला पद से अपसारित करते हुए श्री आयुष पुरी को चेला पद पर नियुक्त करते हुए सूचना पर्वद को दी। इस बीच गया देवी ने सूचना प्रदान की कि वर्तमान महंत काफी वृद्ध हो गये हैं तथा उनकी सेवा प्रार्थिनी द्वारा की जा रही है।

अनुमंडल पदाधिकारी से मंदिर की सुचारु व्यवस्था हेतु पर्वदीय पत्रांक— 2010, दि0— 27/11/2020 द्वारा 07 न्यास समिति गठन हेतु 07 के सदस्यों के नाम की मांग की गयी तथा अंचलाधिकारी, बेलछी, जिला— पटना को मंदिर की व्यवस्था करने का निर्देश प्रदान किया गया। अंचलाधिकारी, बेलछी का पत्रांक— 501, दि0— 16/08/21 पर्वद को प्राप्त हुआ। महंत जी की वृद्धावस्था के कारण उनके परिवार में न्यासधारी बनने हेतु दावा तथा आरोप—प्रत्यारोप किया जा रहा है, जिससे मंदिर का प्रबंधन प्रभावित हो रहा है।

पर्वद के समक्ष भी दोनों पक्ष एक—दूसरे के विरुद्ध आरोप—प्रत्यारोप लगाते हैं।

अंचलाधिकारी द्वारा प्रेषित प्रतिवेदन में 09 नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन हेतु किया गया है, जिसमें क्रम सं0— 4 एवं 5 पर श्रीमती सुमित्रा देवी तथा श्री रामेश्वर पुरी के नाम का प्रस्ताव है। साथ में संबंधित थाना का प्रतिवेदन दि0— 06/08/21 भी संलग्न है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि प्रस्तावित नामों में किसी के विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी थाना अभिलेख में नहीं है। क्रम सं0— 2 पर कनक कुमारी के नाम का प्रस्ताव है, जिनके पिता का नाम बालेश्वर प्रसाद सिंह है। श्री बालेश्वर प्रसाद सिंह पर मंदिर की भूमि का बिक्रय किये जाने का आरोप था।

अतः उनके नाम को विलोपित करते हुए गया देवी के नाम को रखते हुए 07 व्यक्तियों की न्यास समिति का गठन का निर्णय लिया गया था। तदोपरांत पर्वद को सुमित्रा देवी एवं अन्य का एक आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने महंत रामेश्वर पुरी के शिष्य श्री परिक्षित पुरी को रखने का आग्रह किया गया। इस प्रकार उक्त न्यास समिति के सदस्यों की संख्या— 08 होगी। अंचलाधिकारी को निर्देश दिया जाता है कि उक्त नामों में से सचिव तथा कोषाध्यक्ष को नामित करते हुए भेजें। जिसपर उक्त नामों पर विचार किया जायेगा। यह भी निर्देश दिया गया कि अपने स्तर से मंदिर की सभी भूमि की बंदोवस्ती खुली डाक द्वारा करायेंगे जिसमें से पुजारी श्री रामेश्वर पुरी को 5000/— रु0 प्रतिमाह उनके भरण—पोषण देने का

प्रावधान करेगी। शेष राशि से मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। अंचलाधिकारी, बेलछी को यह भी निर्देश दिया जाता है कि न्यास समिति में एक व्यक्ति को सचिव एवं एक व्यक्ति को कोषाध्यक्ष के रूप में नामित करते हुये शीघ्र पर्वद के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव भेजें।

उपरोक्त सभी परिस्थिति पर विचारोपरान्त प्रस्तावित न्यास समिति को योजना का निरूपण करते हुए 01 वर्ष के लिए बनाया जाता है और कार्य संतोषजनक पाये जाने पर कार्यकाल पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक— 27/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ न्यास योजना, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ न्यास समिति, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए गठित की जाती है। न्यास समिति का कार्य संतोषप्रद पाये जाने के उपरांत कार्यकाल पर निर्णय लिया जायेगा—

- | | |
|--|-----------|
| 1. अंचलाधिकारी, बेलछी | — अध्यक्ष |
| 2. श्रीमति गया देवी, पुत्री— महंथ रामेश्वर पुरी | — सदस्य |
| 3. श्री सीताराम प्रसाद पिता—स्व० ब्रह्मदेव प्रसाद | — सदस्य |
| 4. श्री अरूण ठाकुर, पिता— स्व० अयोध्या ठाकुर | — सदस्य |
| 5. श्री राजाराम रविदास, पिता— श्री बुन्देला रविदास | — सदस्य |
| 6. श्री मुकेश ठाकुर, पिता— श्री बच्चु ठाकुर | — सदस्य |

7. श्री रामप्रवेश महतो पिता— स्व० नगीना महतो — सदस्य
 8. श्री परिक्षित पुरी शिष्य महंत श्री रामेश्वर पुरी — सदस्य

सभी का पता—श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री करुणेश्वरनाथ महादेव मठ, सकसोहरा, बाढ़, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलै/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
 अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5215—श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना बिहार राज्य धार्मिक न्यास,पर्वद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4231 है।

सनातन धर्मसभा, पटना सिटी अवस्थित भवन, श्री संतोषी माता मन्दिर की नियमित व्यवस्था तथा सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु पर्वद द्वारा वर्ष 2013 में 09 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। इसमें कुल 15 क० भूमि है। न्यास समिति के कार्यकलाप के संबंध में विगत 02-03 वर्षों से पर्वद को काफी शिकायत प्राप्त हो रही थी और समिति द्वारा जो आय—व्यय विवरण समर्पित की जा रही थी, वह पूर्ण रूप से सही नहीं प्रतीत होता था। इस संबंध में न्यास समिति को नये सिर से सत्य व सही आय—व्यय विवरणी समर्पित करने हेतु निर्देश दिया गया था, जो न्यास समिति द्वारा समर्पित किया जा चुका है तथा कुछ शिकायतकर्तागणों का आरोप था कि न्यास में नये सदस्य को नियुक्त नहीं होने से विगत कई वर्षों से कार्य नहीं किया जा रहा है; जबकि सनातन धर्म के अधिकांश परिवार एवं नवयुवक इस संस्था में अपना सहयोग देने के लिए इच्छुक है, परन्तु वर्तमान में न्यास समिति द्वारा उन्हें किसी प्रकार से भाग लेने से इन्कार कर दिया जाता है। कहा जाता है कि वही सदस्य भाग ले सकते हैं, जो संस्था में सदस्य हैं और यह स्वीकार किया वर्ष 2018 के पश्चात किसी प्रकार से सदस्य बनाये जाने के संबंध में किसी प्रकार की कोई प्रक्रिया नहीं की गयी है और वर्तमान में जो संस्था में सदस्य है, उन्हें भी वर्तमान न्यास समिति के कार्यकलापों से असंतोष है और उनके द्वारा भी नयी न्यास समिति बनाये जाने हेतु नामों पर प्रस्ताव दिया है।

दोनों पक्षों को यह निर्देश दिया गया कि कोई भी धार्मिक संस्था तभी सुचारु रूप से चल सकती है, जब उसके सदस्य आपस में मिल-बैठकर एकदूसरे के सहयोग से कार्य करें। अतः दोनों पक्षों को निर्देश दिया गया था कि एक सामान्य बैठक करके न्यास समिति गठन हेतु नामों का प्रस्ताव दें। उक्त के आलोक में डॉ० त्रिलोक प्रसाद गोलवारा द्वारा दिनांक—21/11/2021 को एक बैठक का आयोजन किया गया और बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्वद के समक्ष दिनांक—26/11/2021 को समर्पित किया गया। अपने प्रार्थना—पत्र के साथ वर्तमान में उस संस्था में जो सदस्य है, उनकी सूची भी समर्पित की गयी, जो 124 संख्या में है। प्रस्तावित नामों के संबंध में शिकायतकर्तागण द्वारा कथन किया गया कि कृष्ण कुमार अग्रवाल, जो वर्तमान संस्था के सदस्य है, इन्हें समिति में स्थान दिया जाए और सभी की सहमति से प्रस्ताव के क्रम संख्या—08 में नामित व्यक्ति संजीव यादव के स्थान पर श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल को न्यास समिति में सदस्य के रूप में सम्मिलित करते हुए मान्यता दी जाती है। प्रस्तावित नामों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठित की जाती है और इस संबंध में समिति का गजट प्रकाशन के पश्चात् दो माह के अन्दर न्यास समिति के अन्य सदस्यों को बनाये जाने के संबंध में प्रक्रिया प्रारम्भ करते हुए उसकी सूचना सनातन धर्मसभा भवन के नोटिस बोर्ड पर नये सदस्यों को बनाये जाने के संबंध में सूचना निर्गत करेंगे। साथ ही संस्था का जो संविधान या नियमावली है, उसकी भी प्रति नोटिस बोर्ड पर दर्शित की जायेगी और यदि कोई सदस्य चाहे तो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद से उक्त नियमावली की प्रति प्राप्त कर सकता है।

संस्था के सदस्य नियुक्त किये जाने के अतिरिक्त जो अन्य कार्य है वह न्यास समिति पूर्व की भाँति करती रहेगी और नये सदस्य के प्रार्थना—पत्र प्राप्त होने पर उसकी सूचना पर्वद को देंगे की कुल कितने प्रार्थना—पत्र प्राप्त हुए है या किस तकनीकी कारण से कितने प्रार्थना—पत्र निरस्त किये गये हैं। न्यास समिति के सदस्य बनाये जाने के संबंध में यह भी प्रस्ताव रख सकती है कि प्रत्येक सदस्य को कुछ वार्षिक राशि उक्त संस्था के विकास तथा जीर्णोद्धार आदि के लिए भी देना होगा, जिसकी बराबर रसीद भी न्यास समिति के कोषाध्यक्ष या सचिव से प्राप्त कर लेंगे।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री सनातन धर्म सभा न्यास योजना, पटना सिटी, पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री सनातन धर्म सभा न्यास समिति, पटना सिटी, पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
 3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
 4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
 5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
 6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
 7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
 8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
 9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
 10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
 11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
 12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
 13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
 14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
 15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
 16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
- पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--------------------------------|--------------|
| 1. डॉ० त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा | — अध्यक्ष |
| 2. श्री आत्मा बांग्ला | — सचिव |
| 3. श्री ईश्वर प्रसाद गोईनका | — सह-सचिव |
| 4. श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री विजय कुमार यादव | — सदस्य |
| 6. श्री बी० एन० कपूर | — सदस्य |
| 7. शिव प्रसाद मोदी | — सदस्य |
| 8. श्री राधे राठी | — सदस्य |
| 9. श्री संतोष गोलवारा | — सदस्य |
| 10. श्री अनिल जेटली | — सदस्य |
| 11. श्री सत्यनारायण अग्रवाल | — सदस्य |

सभी का पता—श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं0 5217—मंदिर राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमानजी, ग्राम+पोस्ट— कोरान सराय, थाना— डुमरांव, जिला—बक्सर जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3091 है।

उक्त न्यास के पूर्व न्यासधारी स्व० गुप्तेश्वर तिवारी थे। वर्ष 1990 में एक न्यास समिति गठन किये जाने हेतु आवेदन दिया गया था। दिनांक—18/01/1991 को न्यासधारी, सेवायत द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिया गया था कि उक्त मंदिर का निर्माण अजगैवी तिवारी द्वारा करवाया गया था तथा एक न्यास समिति का गठन समर्पणनामा दस्तावेज के आलोक में किया गया था। न्यास समिति में प्रबंधक के रूप में श्री सुदामा तिवारी थे। वर्तमान में शेष न्यास समिति के सदस्यों का स्वर्गवास हो गया है।

समर्पणनामा के आलोक में तीन सदस्यीय न्यास समिति 1. श्री गुप्तेश्वर तिवारी 2. श्री शिवशंकर पाण्डेय एवं 3. श्री हरिहर राय की न्यास समिति गठन किये जाने का प्रार्थना—पत्र एवं समर्पणनामा की फोटोप्रति समर्पित की गयी। श्री गुप्तेश्वर तिवारी द्वारा दिनांक—12/07/2012 को एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि उक्त समिति के एक सदस्य श्री हरिहर राय जी का स्वर्गवास हो गया है। उनके स्थान पर श्री सुरेश तिवारी एवं श्री कृष्णा दुबे को न्यास समिति में रखने की अनुमति प्रदान की जाय। पुनः दिनांक— 01/10/2013 को श्री गुप्तेश्वरी तिवारी द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया की प्रार्थना का पौत्र श्री शुभम तिवारी पुत्र श्री विनोद शंकर तिवारी मंदिर का कार्यभार संभाल रहे हैं। इस कारण उन्हें न्यास समिति में रखा जाय, क्योंकि प्रार्थना वर्तमान में काफी बीमार एवं शारीरिक रूप से असमर्थ हैं। तदोपरान्त पर्षद को ग्रामीणों की ओर से एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि पुर्व सेवायत श्री गुप्तेश्वर तिवारी का निधन दिनांक— 02/01/2014 को हो गया और उनके कर्तव्यों का निर्वहन उनके पौत्र श्री शुभम कुमार कर रहे हैं। दिनांक— 19/03/2014 को श्री शुभम तिवारी द्वारा प्रार्थना—पत्र तथा निबंधित एकरारनामा दिनांक— 31/12/2013 की प्रति समर्पित की गयी। इस बीच स्थानीय ग्रामीणों के हस्ताक्षर युक्त एक प्रार्थना—पत्र दिनांक— 30/07/2015 को पर्षद में प्राप्त कराया गया जिसमें उल्लेख किया गया कि पुर्व सेवायत सहित दोनों सदस्यों का निधन हो गया, अतएव नवीन न्यास समिति का गठन किया जाय।

पर्षद द्वारा सभी तथ्यों पर विचार करते हुए दिनांक— 15/07/2021 को संचिका सुनवायी हेतु निर्धारित की गयी और उक्त तिथि को श्री शुभम कुमार व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे तथा उन्हें अपने साथ दो अन्य व्यक्तियों के न्यास समिति गठन हेतु प्रस्ताव दिये जाने का निर्देश दिया गया, जिसके संदर्भ में उनके द्वारा श्री पिण्डु तिवारी तथा श्री राज कुमार तिवारी का प्रस्ताव दिया गया।

चुकि उक्त मंदिर के देख-भाल हेतु श्री गुप्तेश्वर तिवारी के स्वर्गवास के पश्चात से रिक्ति है और न ही किसी न्यासधारी की नियुक्त या न्यास समिति का गठन किया गया है। अतः इस मामले को विचाराधीन रखना उचित प्रतीत नहीं होता है।

उपरोक्त सभी परिस्थिति पर विचारोपरान्त निम्नांकित योजना का निरूपण करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव, जिला— बक्सर की अध्यक्षता में 04 सदस्यों की न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—11/01/2022 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री राम लक्ष्मण जानकी मंदिर, ग्राम+पोस्ट— कोरान सराय, थाना— डुमरांव, जिला—बक्सर”के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “मंदिर राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमानजी न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट— कोरान सराय, थाना— डुमरांव, जिला—बक्सर”होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “मंदिर राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमानजी न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट— कोरान सराय, थाना— डुमरांव, जिला—बक्सर”होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए गठित की जाती है। न्यास समिति का कार्य संतोषप्रद पाये जाने के उपरांत कार्यकाल पर निर्णय लिया जायेगा:-

- | | |
|--|-------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव, जिला- बक्सर | - अध्यक्ष |
| 2. श्री पिण्डु तिवारी | -उपाध्यक्ष |
| 3. श्री शुभम कुमार तिवारी | -सचिव |
| 4. श्री राज कुमार तिवारी | -कोषाध्यक्ष |

मंदिर राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमानजी, ग्राम+पोस्ट- कोरान सराय, थाना- डुमरांव, बक्सर।

उक्त आदेश के आलोक में "मंदिर राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमानजी, ग्राम+पोस्ट- कोरान सराय, थाना- डुमरांव, जिला- बक्सर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण /बदलैन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5211—श्री महावीर मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा, जिला-कैमुर जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-1589 है।

उक्त न्यास की सुव्यवस्था हेतु पर्षद द्वारा पारित आदेश दिनांक-19/01/21 के आलोक में अंचलाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक- 989, दिनांक- 01/07/21 द्वारा ग्यारह व्यक्तियों की न्यास समिति गठन करने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। जिसमें चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन संबंधित थाना से दिनांक-03/01/21 को प्राप्त हो गया। उपरोक्त प्रतिवेदन में उल्लेख है कि प्रस्तावित नामों का कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। उक्त नामों के संबंध में हरिहर प्रसाद सिंह ने एक आपत्ति दि०-14/07/21 को दाखिल किया गया था। शिकायतकर्ताओं के हस्ताक्षर तथा आधार कार्ड की फोटो प्रति के साथ लिखित प्रार्थना-पत्र दाखिल किया गया की शिकायत पत्र भुलवश दे दिया गया था और समिति का गठन प्रस्तावित नामों के आलोक में किया जाय।

पर्षदीय आदेश दि०-10/01/2022 के आलोक में प्रस्तावित न्यास समिति को मान्यता प्रदान करने हुये न्यास समिति का गठन एवं एक योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया गया।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि अधिनियम की धारा- 55 के तहत सभी दुकानदारों से किराये की राशि स्ववायर फीट की दर से निर्धारित करने हेतु विमर्श करें। उसमें यह शर्त भी रखा जा सकता है कि प्रत्येक वर्ष 05 प्रतिशत या 03 वर्ष के पश्चात् 10 प्रतिशत किराये की राशि में बढ़ोत्तरी होगी, जिससे भविष्य में दुकानदारों तथा न्यास समिति के सदस्यों के बीच टकराव की स्थिति न हो जाय।

न्यास समिति मंदिर प्रांगण में व्यवसाय कर रहे सभी दुकानदारों के साथ बैठक कर उसी हिसाब से राशि निर्धारित करें। यदि किसी दुकानदार द्वारा दुकान के जीर्णोद्धार के समय राशि दी गयी है और उसका कोई लिखित दस्तावेज हो तो उनके द्वारा किराये के रूप में आधी किराये की राशि दी जायेगी और आधे किराये की राशि एडवान्स का पैसा में एडजस्ट की जायेगी।

अतः पर्षदीय आदेश दि०-10/01/2022 द्वारा अनुमोदन के पश्चात् बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए "श्री महावीर मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा,

जिला-कैमूर के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री महावीर मंदिर न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा, जिला-कैमूर”** होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम **“श्री महावीर मंदिर न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा, जिला-कैमूर”** होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए गठित की जाती है। न्यास समिति का कार्य संतोषप्रद पाये जाने के उपरांत कार्यकाल पर निर्णय लिया जायेगा:-

- | | |
|---|------------------|
| 1. अंचलाधिकारी, कुदरा, जिला-कैमूर (भभुआ) | — अध्यक्ष |
| 2. श्री मनि पाण्डेय पिता-बबन पाण्डेय | —सचिव |
| 3. श्री प्रदीप कुमार पाल पिता-स्व० सूर्यनाथ प्रसाद पाल | —कोषाध्यक्ष |
| 4. श्री बिगाऊ दूबे पिता-स्व० मुराली दूबे | —पुजारी-सह-सदस्य |
| 5. श्री गजेन्द्र कुमार गुप्ता पिता-स्व० कृष्ण कुमार | —सदस्य |
| 6. श्री कन्हैया तिवारी पिता-स्व० राजगृही तिवारी | —सदस्य |
| 7. श्री मनोज पाण्डेय पिता-स्व० राम जग पाण्डेय | —सदस्य |
| 8. श्री अनिल कुमार सेठ पिता-स्व० कपुरचन्द सेठ | —सदस्य |
| 9. श्री बृजेन्द्र कुमार सिंह पिता-स्व० राघवेन्द्र प्रताप सिंह | —सदस्य |
| 10. श्री महेन्द्र पासवान पिता-स्व० लोटन पासवान | —सदस्य |
| 11. श्री विजय कुमार सिंह पिता-स्व० शिव प्र० सिंह | —सदस्य |

सभी का पता-श्री महावीर मंदिर न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा, जिला-कैमूर।

उक्त आदेश के आलोक में **“श्री महावीर मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना-कुदरा, जिला-कैमूर”** के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमिका हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं0 5213—पालीगंज मठ, श्री राम जानकी मंदिर, थाना-अंचल-पालीगंज, जिला-पटना बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0-297 है।

उक्त न्यास के संचालन हेतु दिनांक-25/06/2014 को एक न्यास समिति का गठन किया गया था। परंतु उक्त न्यास समिति द्वारा किसी प्रकार का कोई आय-व्यय विवरणी, पर्षद शुल्क आदि के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई पत्राचार पर्षद से नहीं किया गया। इस न्यास की कुछ भूमि को अवैध रूप से कब्जा किया गया था। इस संबंध में मा० उच्च न्यायालय में CWJC No.- 10234/07 दाखिल किया गया, जो दि०-07/11/09 निस्तारित करते हुए सभी दावेदारों को पर्षद के समक्ष उपस्थित होकर अपना-अपना दावा प्रस्तुत करने का निर्देश प्रदान किया गया था। इस न्यास से संबंधित एक वाद न्यायाधिकरण के समक्ष भी विचाराधीन है। पर्षद द्वारा न्यास समिति को मंदिर की आय में वृद्धि हेतु निर्देश प्रदान किया गया है। नवीन न्यास समिति गठन हेतु प्रस्ताव पर्षद को प्राप्त हुआ था तथा प्रस्तावित नामों के चरित्र-सत्यापन को संबंधित थाना को दि०-13/08/21 एवं दि०-03/11/21 को भेजा गया था। परंतु प्रतिवेदन अप्राप्त रहा। उक्त न्यास समिति के विरुद्ध पर्षद को कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुयी है।

उपरोक्त परिस्थितियों में प्रस्तावित न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए करने एवं उसके कार्यान्वयन हेतु एक योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया गया।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं0-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **पालीगंज मठ, श्री राम जानकी मंदिर, थाना-पालीगंज, जिला-पटना** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**पालीगंज मठ न्यास योजना, श्री राम जानकी मंदिर, थाना-पालीगंज, जिला-पटना**” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**पालीगंज मठ न्यास समिति, श्री राम जानकी मंदिर, थाना-पालीगंज, जिला-पटना**” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. **न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।**

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|-------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, पालीगंज, पटना | — अध्यक्ष |
| 2. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पालीगंज, पटना | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री देवेन्द्र शर्मा, नौबतपुर | —सचिव |
| 4. श्री सुरेश कश्यप, पालीगंज | —सह-सचिव |
| 5. श्री पंकज कुमार, पालीगंज | —कोषाध्यक्ष |
| 6. श्री पंकज शर्मा, पालीगंज | —सदस्य |
| 7. श्री रघुनाथ प्र० कश्यप, पालीगंज | —सदस्य |
| 8. श्री विकास सिंह, निरखपुर, पालीगंज | —सदस्य |
| 9. श्री विद्यासागर चंद्रवंशी, पालीगंज | —सदस्य |
| 10. श्री कुंदन कुमार, पालीगंज | —सदस्य |
| 11. श्री कमलेश सिंह, खपुरा, पालीगंज | —सदस्य |

सभी का पता—पालीगंज मठ, श्री राम जानकी मंदिर, थाना—पालीगंज, जिला—पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “पालीगंज मठ, श्री राम जानकी मंदिर, थाना—पालीगंज, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

15 फरवरी 2022

सं० 5131—माँ मंगला गौरी स्थान, जिला—गया, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4073/10 है।

उक्त न्यास की व्यवस्था, न्यासधारी एवं स्वयंभू समिति द्वारा की जाती रही है। पर्षद को समय-समय पर मंदिर में व्याप्त अव्यवस्था के संबंध में पत्र प्राप्त होता रहा। इसके आलोक में न्यास स्थल की जांच हेतु अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र निर्गत किया गया। मंदिर की व्यवस्था को लेकर विधान परिषद में भी प्रश्न उठाया गया। इस मंदिर का स्थल निरीक्षण तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी ने किया एवं अपना प्रतिवेदन दि०-04/06/09 को समर्पित की थी। उक्त प्रतिवेदन में पूजा-पाठ की व्यवस्था पुजारियों द्वारा किये जाने तथा मंदिर में व्यापक सुधार की आवश्यकता एवं प्रबंधकारिणी समिति में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होने की बात कही थी।

पर्षद को प्राप्त विभिन्न शिकायत पत्र, अनुमंडल पदाधिकारी का प्रतिवेदन दि०-04/06/09, विपिन गिरि एवं अन्य द्वारा प्रतिउत्तर के रूप में भेजे गये दि०-26/11/09 के पत्र पर विचार करते हुये यह पाया गया कि विपिन गिरि एवं अन्य द्वारा अपने पत्र में मंदिर में दान तथा चढ़ावा की बात स्वीकार की गयी है तथा अनुमंडल पदाधिकारी के प्रतिवेदन में भी यह तर्क था कि एक दान-पात्र है, जिसमें भक्तगण दान देते हैं, जो मंदिर के देख-रेख एवं पूजा-पाठ में व्यय होता है। पुजारियों को भी उसमें से एक अंश प्रदान किया जाता है। सभी बातों पर विचारोपरांत इसे सार्वजनिक धार्मिक न्यास पाते हुए निबंधन किये जाने का निर्देश दिया गया। चूंकि मंदिर की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी तथा सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं था। अतएव न्यास समिति गठन किये जाने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी से प्रस्ताव की मांग की गयी। इसमें यह भी प्रस्ताव रखा गया की पुजारी वर्ग के कुछ व्यक्तियों को न्यास समिति में रखा जायेगा तथा आय का एक अंश पुजारी को प्रदान किया जायेगा।

उपरोक्त तथ्यों की अधिसूचना दि०-31/01/11 को जिला गजट में प्रकाशित हुयी। तदोपरांत विभिन्न पदाधिकारियों से उक्त मंदिर की सुव्यवस्था हेतु न्यास समिति गठन किये जाने हेतु कई बार पत्र दिया गया। परंतु प्रस्ताव उपलब्ध नहीं हो पाया।

अतः सभी पत्रों पर विचारोपरांत पर्षद द्वारा दि०-25/10/21 को भूमि सुधार उपसमाहर्ता को मंदिर में न्यास समिति गठन हेतु ग्यारह व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी। भूमि सुधार उपसमाहर्ता द्वारा पत्रांक—1115, दि०-29/10/21 द्वारा 09 व्यक्तियों के नामों का एवं दो जिला स्तर के प्रशासनिक पदाधिकारियों को रखे जाने का प्रस्ताव दिया

गया। तदोपरांत जिला पदाधिकारी, गया का एक पत्र दि०- 02/12/21 ग्यारह व्यक्तियों के नामों के प्रस्ताव के साथ प्राप्त हुआ।

उपरोक्त सभी तथ्य यह स्पष्ट करते हैं कि पर्षद द्वारा पिछले लगभग 10 वर्षों से प्रयास किये जाने के पश्चात प्रथम बार भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं जिला पदाधिकारी के माध्यम से न्यास समिति बनाये जाने हेतु नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। दोनों प्रस्तावों पर विचार करने के उपरान्त निम्न न्यास समिति का अस्थायी रूप से गठन किया जाता है तथा मंदिर की व्यवस्था हेतु योजना का निरूपण का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-12/01/2022 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **“माँ मंगला गौरी स्थान, जिला-गया”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“माँ मंगला गौरी स्थान न्यास योजना, जिला-गया”** होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम **“माँ मंगला गौरी स्थान न्यास समिति, जिला-गया”** होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. **न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।**

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष को बैठक बुलाने का अधिकार रहेगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि मंदिर के गर्भ-गृह तथा अन्य स्थानों पर दान-पात्र निर्मित कराकर लगवायेगी। गर्भ-गृह के बाहरी भाग में लगाये गये दान-पात्र की आय न्यास समिति संधारित करेगी।

17. गर्भ-गृह में पूजा के उपरांत दक्षिणा के रूप में श्रद्धालु जो दान देंगे, उस पर पुजारी वर्ग का अधिकार होगा। पुजारी वर्ग आपसी सामंजस्य से पूजा-पाठ की व्यवस्था तथा प्राप्त आय को आपस में जिस रिति से बांटते हैं, उसकी सूचना न्यास समिति के माध्यम से पर्षद को प्रेषित करेंगे।

18. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की अस्थायी न्यास समिति गठित की जाती है। चरित्र-सत्यापन प्रतिवेदन करने के पश्चात स्थायी करने पर विचार किया जायेगा।

1. अपर समाहर्ता (सदर), गया। (अध्यक्ष)
2. पुलिस अधीक्षक, गया। (उपाध्यक्ष)
3. डॉ० कौशलेन्द्र प्रताप, पिता—स्व० रविन्द्र प्रताप सिंह
पता— राठौर भवन, बैंक ऑफ बरौदा परिसर, स्वराजपुरी रोड, था०— कोतवाली, गया। (उपाध्यक्ष)
4. श्री शंकर प्रसाद, पिता—श्री कुंजल प्रसाद (मो०— 8210017378)
पता—माँ मंगला गौरी स्थान, जिला— गया। (सचिव)
5. श्री अनुप कुमार कोडिया, पिता—स्व० नंद लाल कोडिया
पता— 101ए, गोसाई बाग, टेकारी रोड, था०— कोतवाली, गया। (सह सचिव)
6. श्री कुमार सानु, पिता—श्री शिव कु० टईया
पता— नारायण चुआं, मंगला गौरी रोड, था०— विष्णुपद, गया। (कोषाध्यक्ष)
7. श्री संजय गिरी, पिता—स्व० गणेश गिरी (मो०— 8083148574)
पता—माँ मंगला गौरी स्थान, जिला— गया। (सदस्य)
8. श्री रवि आचार्य (संगीतज्ञ), पिता—स्व० एस० नरसिंह आचार्य
पता— सुखमना महादेव, था०— विष्णुपद, जिला— गया। (सदस्य)
9. श्री धर्मेन्द्र कुमार, पिता—स्व० राम विलास सिंह (मो०— 9708228124)
पता— ग्राम— सिकहर, पोस्ट— बारागंधार, थाना— मुफसिल, जिला—गया। (सदस्य)
10. श्री प्रमोद गिरी, पिता—स्व० शंभु नाथ गिरी (मो०— 9852754990)
पता—माँ मंगला गौरी स्थान, जिला— गया। (सदस्य)
11. श्री जसवंत गिरी, पिता— स्व० कृष्णानंद गिरी
पता—माँ मंगला गौरी स्थान, जिला— गया। (सदस्य)

उक्त आदेश के आलोक में “माँ मंगला गौरी स्थान, जिला— गया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5219—श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना बिहार राज्य धार्मिक न्यास, पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4119/11 है।

इस न्यास की सुव्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन दिनांक—08/02/2012 को किया गया था, जिसका कार्यकाल काफी समय पूर्व समाप्त हो चुका है। पर्षद को न्यास समिति के विरुद्ध न्यास की भूमि को बिना पर्षद की अनुमति के विद्यालय और अस्पताल खोलने के प्रयास की शिकायत की सूचना प्राप्त हुयी। न्यास समिति द्वारा ससमय आय—व्यय की विवरणी भी नहीं प्रस्तुत की गयी। न्यास समिति के अध्यक्ष ने सूचित किया कि सचिव की आयु अधिक हो गयी है तथा स्वयं वे कोरोना से पीड़ित थे। साथ ही न्यास समिति की बैठक में ग्यारह व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव रखे जाने का आग्रह किया। पर्षद को एक अन्य आम सभा दि०— 24/08/21 द्वारा ग्यारह व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव प्राप्त है।

न्यास समिति द्वारा प्रस्तावित क्रमसं०—3, वीणा वर्मा, अध्यक्ष, अजय कुमार वर्मा की पत्नी हैं। क्रम सं०—5 श्री राकेश कुमार सिंह उपरोक्त उपाध्यक्ष श्री जगलाल सिंह के पुत्र हैं तथा क्रम सं०—8 पर पुनम कुमारी प्रस्तावित सचिव की पुत्रवधू हैं।

अतः एक ही परिवार का होने के कारण उक्त नामों पर विचार नहीं किया गया।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि न्यास समिति बिना पर्षद की अनुमति के किसी भी प्रकार से मंदिर की भूमि का हस्तान्तरण किसी भी व्यक्ति या सरकार को विद्यालय या अस्पताल या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं देगी। अर्थात् समिति अपना प्रस्ताव पारित करेगी और प्रस्ताव पारित करने के पश्चात पर्षद को भेजेगी और पर्षद विचारोपरांत उस बिंदु पर निर्णय लेगी।

उपरोक्त परिस्थितियों में दोनों प्राप्त सूचियों में से सभी पक्षों की सहमति से न्यास समिति का गठन (05 वर्ष) एवं उसके कार्यान्वयन हेतु एक योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया गया।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्षद की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी मंदिर न्यास योजना, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम

“श्री राम जानकी मंदिर न्यास समिति, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री अजय कुमार वर्मा	— अध्यक्ष
2. डॉ० श्रीमति शांति राय	—उपाध्यक्ष
3. श्री जगलाल सिंह	—उपाध्यक्ष
4. श्री पशुपति नाथ सिंह	—सचिव
5. श्री सरयु प्रसाद	—उप—सचिव
6. श्री मुन्द्रिका प्रसाद	—कोषाध्यक्ष
7. श्री सत्य प्रकाश	—सदस्य
8. श्री फकीरा रजक	—सदस्य
9. श्री शंभु पासवान	—सदस्य
10. श्री कमलेश प्रसाद	—सदस्य
11. श्री शंकर पासवान	—सदस्य

सभी का पता—श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम—कंसारी, पोस्ट—जैतिया, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा।

अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5221—श्री भास्कर भगवान सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुण्ड, ग्राम—प्राणपुर, अंचल+थाना—परैया, जिला—गया, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4533/20 है।

उक्त न्यास में रामपति देवी पति श्री मुंशी गोप एवं मुंशी गोप पिता—स्व० गोपी गोप, निवासी—ग्राम—प्राणपुर, पो०—सोलरा, था०+अं०—परैया द्वारा एक समर्पण नामा भगवान के नाम से निष्पादित किया। जिसमें उन्होंने खातासं०—39, प्लॉट सं०—376, रकबा—15 कट्टा 17 धुर एवं खातासं०—109, प्लॉटसं०—377, रकबा—16 कट्टा 3 धुर (कुल रकबा 1 बीघा 12 कट्टा) समर्पित कर दी।

इस न्यास से संबंधित खाता सं०—109, प्लॉटसं०—375, रकबा—7 एकड़ 14 डी० भूमि में सूर्य मंदिर का निर्माण किया गया है।

उक्त मंदिर एवं मंदिर की सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु न्यास समिति बनाये जाने हेतु अंचल पदाधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद के पत्र दिनांक—05/12/2018 द्वारा मांगी गयी थी, जिसके आलोक में अंचल पदाधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिनांक—02/05/2019 को प्राप्त हुआ और जिसका चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन दिनांक—29/07/2021 को प्राप्त हुआ। किसी अन्य ग्रामीण द्वारा उपरोक्त प्रस्तावित नामों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति आज तक पर्षद में दाखिल नहीं की गयी है।

उपरोक्त परिस्थिति में मंदिर एवं मंदिर की सम्पत्ति के संचालन एवं सुरक्षा हेतु प्रस्तावित नामों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठन किये जाने एवं योजना का निरूपण करने का निर्णय पर्षदीय आदेश दि०—12/01/22 द्वारा लिया गया। कार्य संतोषजनक पाये जाने पर स्थायी किये जाने पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—12/01/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री भास्कर भगवान सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुण्ड, ग्राम—प्राणपुर, अंचल+थाना—परैया, जिला—गया” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री भास्कर भगवान सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुण्ड न्यास योजना, ग्राम—प्राणपुर, अंचल+थाना—परैया, जिला—गया” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री भास्कर भगवान सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुण्ड न्यास समिति, ग्राम—प्राणपुर, अंचल+थाना—परैया, जिला—गया” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|--------------|
| 1. प्रो० कामता प्रसाद सिन्हा, पिता-नन्हकु सिंह | (अध्यक्ष) |
| पता-कटारी हिल मार्ग, शिवपुरी कॉलोनी, गया। | |
| 2. श्री शिवरतन यादव, पिता-चमारी चादव | (सचिव) |
| पता-ग्राम-प्राणपुर, थाना-परैया, जिला-गया। | |
| 3. श्री परशुराम कुमार, पिता-महेन्द्र प्रसाद | (कोषाध्यक्ष) |
| पता- मधुसूदन कॉलोनी, रोडनं०- 07, धुधरी टांड, चांद चौरा, गया। | |
| 4. श्री नवीकुमार नवीन, पिता-काली यादव | (उपाध्यक्ष) |
| 5. श्री राम प्रकाश कुमार, पिता-रामधनी यादव | (उपाध्यक्ष) |
| 6. श्री राजाराम पासवान, पिता-स्व० गया पासवान | (सहायक सचिव) |
| 7. श्री सुनील विश्वकर्मा, पिता-रघुनंदन विश्वकर्मा | (सदस्य) |
| 8. श्री बिरेन्द्र प्रसाद, पिता-रामदेव महतो | (सदस्य) |
| 9. श्री संतोष कुमार, पिता-स्व० रामधनी यादव | (सदस्य) |
| 10. श्री दिलीप कुमार, पिता-रामरतन यादव | (सदस्य) |
| 11. श्री मुकेश कुमार पिता-रामभरत प्रसाद | (सदस्य) |

क्रमसं०- 4 से 11 तकका पता-ग्रा०-प्राणपुर, अं०+था०-परैया, जिला-गया।

उक्त आदेश के आलोक में "श्री भास्कर भगवान सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुण्ड, ग्रा०-प्राणपुर, अं०+था०-परैया, गया" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलैण/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

2 मार्च 2022

सं० 5350—श्री बड़ी देवीजी मंदिर, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०-4612/22 है।

उक्त मंदिर में नवरात्रि में माँ दुर्गा की स्थापना विगत लगभग 80 वर्षों से बड़े भव्य स्वरूप में की जाती है। राजस्व अभिलेखों में वार्ड सं०- 30, सीट सं०- 263, खेसरा सं०- 163, 164 में बड़ी देवीजी स्थान के रूप में इन्द्राज है। पूर्व से ही स्वयंभू समिति बनाकर वहां आयोजन और व्यवस्था की जाती रही है, किंतु विगत कुछ वर्षों से आपसी विवाद के कारण वहां दो स्वयंभू समिति गठित कर ली गयी है। एक स्वयंभू समिति, धर्मशाला की देख-रेख और दूसरी स्वयंभू समिति का कथन है कि वह धर्मशाला एवं देवी स्थापना और उससे संबंधित भूमि का कार्यभार देखती है।

उभय पक्षों के विवाद पर पर्षद को सूचना प्रदान की गयी। तदोपरांत पर्षद द्वारा दोनों पक्षों को निबंधित-डाक द्वारा नोटिस निर्गत कर उक्त मामले की सुनवाई की गयी। पर्षदीय आदेश दि०- 22/01/2022 द्वारा सभी पक्षों की सहमति तथा राजस्व अभिलेख के इन्द्राज आदि के आलोक में सार्वजनिक धार्मिक न्यास घोषित करते हुए न्यास के निबंधन का आदेश दिया गया। तत्पश्चात न्यास का निबंधन पर्षद में किया गया, जिसका निबंधन सं०- 4612/22 पंजीकृत की गयी। दोनों स्वयंभू न्यास समिति द्वारा अलग-अलग बैंक खाता खोलकर उसका संचालन किया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में उक्त स्थल एवं धर्मशाला आदि की सुव्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक प्रतीत हुआ। दोनों पक्षों द्वारा पर्षद के आदेश दि०- 07/02/22 के आलोक में आपस में बैठक आहुत कर 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद को उपलब्ध कराने का निर्देश प्रदान किया गया और यह भी निर्देश दिया गया कि यदि दोनों पक्ष सहमत नहीं होते हैं, तो अपना-अपना, अलग-अलग प्रस्ताव पर्षद को उपलब्ध करा सकते हैं।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में दोनों पक्षों द्वारा आपस में सहमति नहीं होने का कथन किया गया तथा अलग-अलग नामों की सूची दि०- 21/01/2022 एवं दि०- 22/01/2022 को पर्षद में समर्पित की गयी। प्राप्त दोनों सूची में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरांत एक न्यास समिति का गठन एवं इसके कार्यान्वयन हेतु योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक- 10/02/2022 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री बड़ी देवीजी मंदिर, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री बड़ी देवीजी मंदिर न्यास योजना, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री बड़ी देवीजी मंदिर न्यास समिति, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों एवं धर्मशाला के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को शीघ्र बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में उपाध्यक्ष के द्वारा बैठक की अध्यक्षता की जायेगी।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

17. मंदिर तथा धर्मशाला के तीनों खाता यथा- 1. भारतीय स्टेट बैंक, मारुफगंज की खाता सं०- 10308303718 2. इलाहाबाद बैंक (इण्डियन बैंक) का खाता सं०- 50339249927 एवं 3. भारतीय स्टेट बैंक, मारुफगंज की खाता सं०- 51019073616 का संचालन पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति द्वारा किया जायेगा। न्यास समिति बैठक आहुत कर उपरोक्त वर्णित तीनों खाता में अपेक्षित सुधार / नामांतरण का प्रस्ताव पारित करेगी तथा संबंधित बैंक को अधिसूचना की छायाप्रति संलग्न करते हुए सूचित करेगी।

18. न्यास समिति, न्यास स्थल पर किये जाने वाले विकास कार्य के संबंध में बैठक द्वारा प्रस्ताव पारित करेगी तथा किसी भी भौतिक संरचना के निर्माण से पूर्व बैठक में पारित प्रस्ताव को पर्षद के अनुमोदनार्थ प्रेषित करेगी। पर्षद से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत कोई भी निर्माण कार्य किया जायेगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|---------------------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, पटना सिटी, जिला- पटना | -अध्यक्ष |
| 2. श्री भगवान दास यादव | -संरक्षक |
| 3. श्री घनश्याम शर्मा | -उपाध्यक्ष |
| 4. श्री संत प्रसाद गोलवारा | -उपाध्यक्ष |
| 5. डॉ० राजेश कुमार | - सचिव |
| 6. श्री साधु शरण भदानी | - सह-सचिव |
| 7. श्री सुनिल बंका | -कोषाध्यक्ष |
| 8. श्री प्रह्लाद कुमार यादव | -सदस्य |
| 9. श्री ईश्वर लाल अग्रवाल | -सदस्य |
| 10. श्री राज नारायण केशरी | -सदस्य |
| 11. श्री अतानू साहा | -सदस्य-सह-पूजा व्यवस्थापक |

पता-श्री बड़ी देवीजी मंदिर, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना।

उक्त आदेश के आलोक में "श्री बड़ी देवीजी मंदिर, मारुफगंज, थाना- मालसलामी, पटना सिटी, जिला- पटना" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

28 मार्च 2022

सं० 5703—भागलपुर जिलान्तर्गत श्री श्री 108 महारानी दुर्गा स्थान (नया स्थान) ग्राम+पो०-अबजुगंज, थाना-सुलतानगंज, पर्वद में सार्वजनिक न्यास के रूप में निबंधित है, जिसका निबंधन सं०-4551 है।

नगर परिषद वार्ड सं०-8 खाता सं०-333 खेसरा सं०-838, मौजा-नवाद, खाता सं०-760, 488 मौजा अफजुगंज, खाता सं०-294, 324 श्रीश्री 108 दुर्गा जी महारानी के नाम से इन्द्राज है तथा उक्त भूमि पर एक भव्य मन्दिर स्थित है। उक्त मन्दिर के कुशल संचालन हेतु न्यास समिति गठन हेतु अंचलाधिकारी, सुलतानगंज के पत्र दिनांक-26.02.2021 द्वारा 11 व्यक्तियों के नाम का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। ग्रामीणों द्वारा भी आम सभा दिनांक-27.09.20 की छायाप्रति के साथ 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिनांक-03.10.2020 को भेजा गया। दोनों नामों में लगभग समानता है, तथा चरित्र सत्यापन भी दिनांक-03.04.2021 को प्राप्त है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं इस न्यास का सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए "श्रीश्री 108 महारानी दुर्गा स्थान (नया स्थान) ग्राम+पो०-अबजुगंज, थाना-सुलतानगंज, जिला-भागलपुर" के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री श्री 108 महारानी दुर्गास्थान (नया स्थान) ग्राम+पो०-अबजुगंज, थाना-सुलतानगंज, जिला-भागलपुर" होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम श्री श्री 108 महारानी दुर्गा स्थान (नया स्थान), ग्राम+पो०-अबजुगंज, थाना-सुलतानगंज, जिला-भागलपुर" होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंट पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

5. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्तआदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|-------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, भागलपुर | — अध्यक्ष |
| 2. श्री कैलाश प्रसाद साह, पिता-स्व० परमेश्वर साह | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री अजय कुमार साह, पिता-श्री पाचू साह | —सचिव |
| 4. श्री अंशु कुमार राज, पिता-श्री अशोक साह | —कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री चन्द्रशेखर प्रसाद साह, पिता-श्री शिवनारायण साह | —सदस्य |
| 6. श्री मुकेश कुमार, पिता-श्री प्रदीप साह | —सदस्य |
| 7. श्री राजेश कुमार, पिता-श्री बलदेव साह | —सदस्य |
| 8. श्री गौतम कुमार, पिता-श्री सरयुग साह | —सदस्य |
| 9. श्री भूषण साह, पिता-स्व० रामधनी साह | —सदस्य |
| 10. श्रीमती मनोरमा देवी, पति-श्री शंकर साह | —सदस्य |
| 11. श्री उमेश प्रसादसाह, पिता-श्री सुभाष साह | —सदस्य |

सभी-ग्राम+पो०-अबजुंगंज, थाना-सुलतानगंज, जिला-भागलपुर।

उक्त न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले पाँच वर्षों का होगा।

यह स्पष्ट किया जाता है कि समिति के अध्यक्ष, अनुमण्डल पदाधिकारी प्रशासनिक पदाधिकारी है, यदि वह किसी कारण से उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो बैठक आदि की अध्यक्षता उपाध्यक्ष द्वारा संचालित कर कार्रवाई की जायेगी तथा मन्दिर की आय-व्यय आदि का संचालन राष्ट्रीयकृत बैंक में मन्दिर के नाम खाता खोलकर कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से की जायेगी।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री श्री 108 महारानी दुर्गास्थान (नया स्थान) ग्राम+पो०-अबजुंगंज, थाना-सुलतानगंज, जिला-भागलपुर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलै/ विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

2 अप्रैल 2022

सं० 08—भागलपुर जिलान्तर्गत श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम—भ्रमरपुर, थाना—विहपुर, पर्वद में सार्वजनिक न्यास के रूप में निबंधित है, जिसका निबंधन सं०—4566 है।

समर्पणनामा दिनांक—09.09.1929 तथा ग्रामीणों द्वारा दिये गये प्रार्थना—पत्र आदि पर विचार करते हुए पर्वद में इस न्यास को धार्मिक न्यास के रूप में निबंधित किया गया। मन्दिर के कुशल संचालन हेतु 07 सदस्यीय न्यास समिति बनाये जाने पर विमर्श किया गया तथा उपस्थित दोनों पक्षों में सहमति के आधार पर अलग-अलग नामों का प्रस्ताव देने के लिए निर्देश दिया गया, जिस संदर्भ में ग्रामीणों द्वारा एक बैठक दिनांक—28.10.2020 को की गयी, जिसमें 15 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया, जिसकी फोटो प्रति श्री किशोर कुमार झा द्वारा दाखिल किया गया। द्वितीय पक्ष श्री गिरिश चन्द द्वारा दिनांक—26.02.2021 को 08 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया था। उपरोक्त दोनों सूची अंचलाधिकारी को भेजते हुए उनसे उपरोक्त नामों पर अपना मतव्य तथा कुछ नये नाम जोड़ने या घटाने के लिए पत्र दिनांक—16.04.2021 दिया गया। अंचलाधिकारी द्वारा उक्त दोनों सूची में से मात्र गिरिश चन्द झा के परिवार के ही 05 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भेज दिया गया है, जो पूर्ण रूप से नियम के विरुद्ध तथा स्वीकार योग्य नहीं है, और चूंकि मन्दिर की व्यवस्था के लिए समिति का गठन शीघ्र किया जाना भी आवश्यक है।

उपरोक्त परिस्थितियों में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक अस्थायी न्यास समिति का गठन 01 वर्ष के लिए आवश्यक प्रतीत होता है। चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने पर समिति को स्थायी किये जाने पर विचार किया जायेगा।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम—भ्रमरपुर, थाना—विहपुर, जिला—भागलपुर” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम—भ्रमरपुर, थाना—विहपुर, जिला—भागलपुर” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम—भ्रमरपुर, थाना—विहपुर, जिला—भागलपुर” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|-------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, नवगछिया | — अध्यक्ष |
| 2. श्री गिरिश चन्द्र झा, पिता-स्व० हरिमोहन झा | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री शम्भू कुमार गोस्वामी | —सचिव |
| 4. श्री किशोर कुमार झा | —कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री विनय कुमार मिश्रा | —सदस्य |
| 6. श्री आदित्य कुमार झा | —सदस्य |
| 7. श्री राजा राम मंडल | —सदस्य |
| 8. श्री मनोज मेहतर | —सदस्य |
| 9. श्रीमती रीता देवी | —सदस्य |

सभी-ग्राम-भ्रमरपुर, थाना-विहपुर, अंचल-नारायणपुर जिला-भागलपुर।

उक्त न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले 01 वर्षों का होगा।

यह स्पष्ट किया जाता है कि समिति के अध्यक्ष, अनुमण्डल पदाधिकारी प्रशासनिक पदाधिकारी है, यदि वह किसी कारण से उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो बैठक आदि की अध्यक्षता उपाध्यक्ष द्वारा संचालित कर कार्रवाई की जायेगी तथा मन्दिर की आय-व्यय आदि का संचालन राष्ट्रीयकृत बैंक में मन्दिर के नाम खाता खोलकर कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से की जायेगी।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम-भ्रमरपुर, थाना-विहपुर, जिला-भागलपुर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

28 मार्च 2022

सं० 5701—भागलपुर जिलान्तर्गत बाबा मनसकामनानाथ मन्दिर नाथनगर, पर्षद में सार्वजनिक न्यास के रूप में निबंधित है, जिसका निबंधन सं०-3878 है।

उक्त न्यास के संचालन हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक-643, दिनांक-02.07.2009 द्वारा 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। पिछले 05 वर्षों में न्यास समिति द्वारा जो विकास का कार्य किया गया है, उसका उल्लेख पर्षद के आदेश दिनांक-13.03.2020 में किया गया है तथा न्यास समिति गठन किये जाने हेतु अनुमण्डल पदाधिकारी से भी नामों की मांग की गयी थी तथा न्यास समिति द्वारा एक आम सभा की बैठक दिनांक-06.07.2021 को की गयी है और तदनुसार 09 सदस्यों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन किये जाने हेतु दिनांक-21.08.2021 को उपलब्ध कराया गया तथा अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक-128, दिनांक-11.02.2022 के द्वारा 10 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद को उपलब्ध कराया गया है तथा 2009 से कार्यरत न्यास समिति के सदस्यों के कार्यों को भी देखते हुए उपरोक्त तीनों सूची में से चयन कर नई न्यास समिति का गठन किये जाने का निर्णय लिया गया।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं इस न्यास का सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए "बाबा मनसकामनानाथ मन्दिर, नाथनगर, जिला-भागलपुर" के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम " बाबा मनसकामनानाथ मन्दिर, नाथनगर, जिला-भागलपुर " होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "बाबा मनसकामनानाथ मन्दिर, नाथनगर, जिला-भागलपुर" होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|--------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, भागलपुर | — अध्यक्ष |
| 2. श्री संजय कुमार झा, पिता-स्व० जर्नादन मिश्र
कैशकीनाथ झा लैन, पो०-चम्पानगर, नाथनगर | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री रविन्द्र प्रसाद भगत, पिता-स्व० रघुनाथ प्रसाद
गोलदार पट्टी, नाथनगर | — सचिव |
| 4. श्री ओम प्रकाश मोदी, पिता-स्व० गणेश प्रकाश मोदी
चुन्नीसाह लेन, नाथनगर | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री देवाशीष बनर्जी, पिता-स्व० शिव दास बनर्जी
बंगाली टोला, चम्पानगर, नाथनगर | — सदस्य |
| 6. श्री अभय शंकर साह, पिता-श्री गौरी शंकर साह
सी०टी०एस० रोड, फॉर्ट रोड नं०-1, नाथनगर | — सदस्य |
| 7. श्री सुनील कुमार दलानियां, पिता-स्व० विश्वनाथ दलानियां
के०बी०लाल रोड, नाथनगर | — सदस्य |
| 8. श्री सुनील बुधिया, पिता-स्व० निरंजन बुधिया
सी०टी०एस० रोड, झखाड़ी पट्टी, नाथनगर | — सदस्य |
| 9. श्री सहजानंद मिश्रा, पिता-स्व० झारखण्डी मिश्र
तिलकपुर, भागलपुर। | — सदस्य |
| 10. श्री भवेश यादव, पिता-स्व० दालेश्वर यादव
एम०टी०एन० घोष रोड, नाथनगर | — सदस्य |
| 11. श्री शिव शंकर सिन्हा, पिता-स्व० बच्चन प्रसाद सिन्हा
पुरानी सराय, नाथनगर, | — सदस्य |

सभी—नाथनगर, पो0—चम्पानगर, जिला—भागलपुर।

उक्त न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले पाँच वर्षों का होगा।

यह स्पष्ट किया जाता है कि समिति के अध्यक्ष, अनुमण्डल पदाधिकारी प्रशासनिक पदाधिकारी है, यदि वह किसी कारण से उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो बैठक आदि की अध्यक्षता उपाध्यक्ष द्वारा संचालित कर कार्रवाई की जायेगी तथा मन्दिर की आय—व्यय आदि का संचालन राष्ट्रीयकृत बैंक में मन्दिर के नाम खाता खोलकर कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से की जायेगी।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “बाबा मनसकामनानाथ मन्दिर, ग्राम—नाथनगर, जिला—भागलपुर” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

28 मार्च 2022

सं0 5705—श्री बाबा कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम—रामपुर राउत उर्फ रौता, थाना—कुशेश्वर स्थान, जिला—दरभंगा जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—34 के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—1664 है। इस न्यास की सम्पत्तियों की सुरक्षा, समुचित प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक—1402, दिनांक—05/11/2019 द्वारा एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

उक्त न्यास समिति के संबंध में पर्षद को सूचना प्राप्त हुयी कि न्यास समिति के एक सदस्य श्री आनन्द कुमार खेतान ने खाता सं0—1332, खेसरा सं0—1628, क्षेत्रफल—6 डी0भूमि, जो शिवोत्तर के नाम से राजस्व अभिलेख में इन्द्राज है, उस पर अवैध अतिक्रमण कर रखा है। ऐसी परिस्थिति में श्री आनन्द खेतान से निबंधित डाक, दि0—19/12/19 एवं दि0—03/02/2020 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी। तत्पश्चात पर्षदीय पत्रांक—1293, दिनांक—22/09/2020 द्वारा यह आदेश निर्गत किया गया कि श्री आनन्द खेतान की सदस्यता दिनांक—08/09/20 से समाप्त की जाती है।

पर्षद द्वारा निर्गत आदेश दिनांक—22/09/2020 के विरुद्ध श्री आनन्द कुमार खेतान ने मा0 उच्च न्यायालय में CWJC No.-3393/2021 दाखिल किया, जिसमें पारित आदेश दिनांक—03/02/22 के आलोक में दिनांक—02/03/22 को पर्षद में सुनवायी हुयी, जिसमें दोनों पक्ष स्वयं, अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित थे। सुनवायी के क्रम में आनन्द कुमार खेतान द्वारा दाखिल बिक्रय—पत्र दिनांक—11/07/2005 में क्रेता ने उक्त भूमि बजरिये पैतृक जायदाद एवं मौखिक बटवारा हिस्सा में उल्लेख किया है, लेकिन यह कहीं भी स्पष्ट नहीं हो रहा है कि बिक्रेता रामचन्द्र अग्रवाल या उनके पूर्व और उनका आपसी बंटवारा किसी न्यायालय द्वारा किया गया है या नहीं और यह क्रेता को क्या—क्या भूमि हिस्से में आयी और न ही कोई दस्तावेज दाखिल की गयी, जिसमें बिक्रेता रामचन्द्र अग्रवाल या उनके पिता का नाम किस राजस्व अभिलेख में इन्द्राज हो। जबकि इसके विपरीत संचिका में उपलब्ध खतियान की प्रति जिसमें खाता संख्या—990, गैर मजरूआ आम “ब्रह्मोत्तर” तथा खतियान के शीर्ष पर नेम ऑफ प्रोपराईटर में श्री कुशेश्वर नाथ महादेव मन्दिर, करपरदार के रूप में सोने लाल झा का स्पष्ट उल्लेख है तथा उक्त सोने लाल झा व पुजारी के बीच चले वाद जिसका निस्तारण अपील में समझौते के आधार पर हुआ, उस डिक्री में भी उक्त खाता—990, खेसरा संख्या—502 शिवोत्तर भूमि का इन्द्राज है तथा जिला पदाधिकारी द्वारा समर्पित प्रतिवेदन दि0—21/12/2006 में भी अन्य भूमि के साथ—साथ उक्त भूमि को भी शिवोत्तर भूमि के रूप में दर्शाया गया है तथा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास न्यायाधिकरण में दाखिल वाद सं0—06/14 में प्रार्थी आनंद खेतान, जिसमें आनंद खेतान उपस्थित भी हो चुके हैं। इसमें स्पष्ट आरोप है कि आनंद खेतान खाता सं0—990 (पु0), 1332 (नया), खेसरा संख्या—502 (पु0), 1628 (नया) 02 डी0 भूमि पर अतिक्रमण है। उक्त सभी दस्तावेज से यह प्रथम दृष्टया उक्त सम्पत्ति मन्दिर की है और प्रार्थी के विरुद्ध अतिक्रमण वाद मन्दिर की भूमि के संबंध में विचाराधीन है। यह पाया गया कि किसी ऐसे व्यक्तियों को मंदिर की सुरक्षा हेतु गठित न्यास समिति में स्थान देना कहीं से भी न्यायोचित नहीं है, जो व्यक्ति स्वयं मंदिर की भूमि को अवैध रूप से कब्जा किया गया हो और उसके विरुद्ध बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास न्यायाधिकरण में वाद विचाराधीन हो।

अतः उपरोक्त परिस्थिती में श्री आनन्द कुमार खेतान को न्यास समिति में स्थान देने संबंधी प्रार्थना—पत्र को निरस्त करते हुए उन्हें न्यास समिति से विरमित करने का आदेश दि0—02/03/22 को पारित किया गया एवं उक्त आदेश पर्षदीय पत्रांक—5609, दिनांक—16/03/22 न्यास समिति एवं श्री आनन्द खेतान को प्रेषित किया जा चुका है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

5 मार्च 2022

सं0 5464—श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी, वृन्दावन घाट, सरफफुदिन शिवाजीनगर, दरभंगा जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा—34 के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3192 है।

उक्त मन्दिर के संबंध में श्री मोहन लाल केवट, श्री दुर्गेश पटेल, श्री रामचरित्र सहनी के पुत्र श्री धर्मेन्द्र सहनी तथा श्री बिजेन्द्र ठाकुर दि०- 27/01/22 को पर्षद के समक्ष उपस्थित हुये। इस मन्दिर में लगभग 18 क० 18 धुर जमीन है। पूर्व में इसके सेवायत के रूप में दरबारी लाल केवट देख-भाल करते थे, परन्तु उनके द्वारा न्यास पर्षद में मन्दिर से होने वाली आय-व्यय, बजट, आदि के संबंध में कोई सूचना नहीं दी जाती थी, जिस संबंध में पर्षद द्वारा उन्हें कई बार नोटिस जारी की गयी, परन्तु कोई स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया गया। पर्षद के आदेश दिनांक-04/05/1998 द्वारा श्री दरबारी लाल केवट को सेवायत के पद से अपसारित करते हुए 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया, परन्तु कालान्तर में यह पाया गया कि न्यास समिति द्वारा भी फर्जी दस्तावेज तैयार कर पर्षद में दाखिल किया जाता रहा है, जो मन्दिर और मन्दिर से होने वाली आय के लिए उचित नहीं है।

उक्त के आलोक में पर्षदीय आदेश दिनांक-11/06/1999 द्वारा न्यास समिति को भंग करते हुए, श्री दरबारी लाल केवट को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया तथा न्यास समिति के अध्यक्ष और सचिव को अस्थायी न्यासधारी श्री दरबारी लाल केवट को सभी प्रकार के प्रभार देने हेतु पत्र दिनांक- 19/06/1999 को लिखा गया, परन्तु समय-समय पर न्यास समिति और अस्थायी न्यासधारी तथा स्वयं-भू न्यास समिति के विरुद्ध बार-बार शिकायत प्राप्त होती रही है और न न्यास समिति द्वारा और न अस्थायी न्यासधारी द्वारा पिछले लगभग 05-06 वर्षों से किसी प्रकार का कोई आय-व्यय विवरण, बजट आदि पर्षद में दाखिल नहीं किया गया। स्पष्टीकरण की मांग किये जाने पर दिनांक- 13/08/2013 को श्री प्रमोद साह द्वारा 1400/- रुपये पर्षद शुल्क के रूप में जमा कर दिया गया जो स्पष्ट करता है कि अस्थायी न्यासधारी और न्यास समिति द्वारा मन्दिर से होने वाली सभी आय का दुरुपयोग किया जाता रहा है। इसी बीच दिनांक-16/08/2021 को श्री दरबारी लाल केवट द्वारा एक प्रार्थना-पत्र दिया गया कि प्रार्थी ने अपने प्रयास से वर्ष 1974 में नक्सा पास कराया था तथा 07 फीट चाहरदिवारी, मुख्य द्वार तथा प्रतिमा आदि की स्थापना, पूजा-पाठ और भंडारा आदि कराया और आगे उल्लेख किया कि सूची में कुछ असामाजिक तत्व गुटवाजी कर मन्दिर की आय को खा-पी रहे हैं और मन्दिर परिसर में रह रहे दुकानदार से स्थान खाली कराने का आदेश दिया जाए। श्री रामचरित्र महतो द्वारा दिनांक-09/10/2020 को एक प्रार्थना-पत्र दिया गया कि वह स्वयं-भू न्यास समिति के अध्यक्ष हैं और ठाकुरबाड़ी के सौदर्यीकरण के लिए 13½ लाख रुपये घेराबन्दी हेतु पास हुआ है और मन्दिर के प्रांगण में 4-5 दुकानदार अपना व्यवसाय करते थे, जिन्हें खाली करा लिया गया है। मात्र दो दुकानदार श्री लक्ष्मण सहनी और श्री चन्द्र प्रकाश साह द्वारा दुकान खाली नहीं किया गया है, जिससे चाहरदिवारी का निर्माण पूर्ण रूप से नहीं किया जा सका है तथा तरह-तरह की धमकी दी जा रही है। दिनांक-24/10/2021 को मन्दिर की न्यास समिति गठन किये जाने हेतु 07 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया, जो संजुला देवी, वार्ड पार्षद के द्वारा अग्रसारित किया गया है। पुनः दिनांक-21/08/2021 को श्री रामचरित्र महतो द्वारा दिनांक-14/10/2021 के आम सभा की बैठक कर न्यास समिति बनाये जाने हेतु नामों का प्रस्ताव दिया, जिसपर लगभग 115 ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जिसमें 06 व्यक्तियों की न्यास समिति तथा 11 व्यक्तियों को कार्यकारणी सदस्य के रूप में प्रस्तावित किया गया, अपने प्रार्थना-पत्र के साथ मन्दिर के गर्भगृह का फोटो तथा मन्दिर के बाहर का फोटो एवं मन्दिर के प्रांगण में ही सरकारी विद्यालय का फोटो भी समर्पित किया गया।

उपरोक्त फोटो से भी स्पष्ट होता है कि मन्दिर की स्थिति वर्तमान में अच्छी है। उपरोक्त पत्रों के आलोक में श्री लक्ष्मण सहनी को पर्षद द्वारा नोटिस जारी की गयी, परन्तु वे उपस्थित नहीं हुए तथा पर्षद द्वारा थाना के माध्यम से श्री लक्ष्मण सहनी को तथा श्री दरबारी लाल केवट को भी नोटिस जारी की गयी, जिसके संबंध में श्री दरबारी लाल केवट के पुत्र द्वारा दिनांक-10/01/2022 को एक प्रार्थना-पत्र दिया गया कि इनके पिता श्री दरबारी लाल केवट का स्वर्गवास दिनांक-18/11/2021 को हो गया है और उनके पिता द्वारा प्रार्थी को सेवायत बनाया गया है। इस संबंध में एक शपथ-पत्र तथा दरबारी लाल केवट का मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल किया गया और साथ ही एक बैठक दिनांक-09/01/2022 की फोटो प्रति समर्पित करते हुए 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया। पुनः एक प्रार्थना-पत्र दिनांक-22/01/2022 को समर्पित किया गया, जिसमें इनके पिता द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुए 15 सदस्यीय कार्यकारणी समिति गठन किये जाने का प्रस्ताव दिया।

दि०- 27/01/2022 को पर्षद के समक्ष दोनों पक्ष उपस्थित हुये तथा श्री लक्ष्मण सहनी के पुत्र धर्मेन्द्र सहनी द्वारा लिखित प्रार्थना-पत्र दिया गया कि प्रार्थी को सेवायत दरबारी लाल केवट द्वारा मन्दिर की भूमि को किराये पर दी गयी थी और वर्तमान में वह 1200/- रुपये किराया देते हैं, परन्तु विगत 4-5 माह से वे किराया भुगतान नहीं कर रहे हैं और कथन किया कि वह किराया भुगतान करने को तैयार हैं और मन्दिर की बाउण्ड्री बनने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि कथन किया कि मन्दिर की बाउण्ड्री पूर्ण हो चुकी है। उनके अधिकार में 8X15 की दुकान है तथा दुकान के पीछे के हिस्सा में गंदगी भरा रहता था, उसे साफ-सुथरा कर प्रार्थी अपना सामान रखते हैं। दोनों पक्षों की सहमति से उक्त मन्दिर के कुशल संचालन हेतु 11 सदस्यीय समिति का गठन तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-27/01/2022 द्वारा के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी, वृन्दावन घाट, सरफुद्दीन शिवाजीनगर, दरभंगा के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, वृन्दावन घाट, सरपफुदिन शिवाजीनगर, दरभंगा” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, वृन्दावन घाट, सरपफुदिन शिवाजीनगर, दरभंगा” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|--------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, दरभंगा | — अध्यक्ष |
| 2. श्री रामचरित्र महतो पिता— स्व० जयलाल महतो | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री दुर्गेश पटेल पिता— स्व० ईश्वर लाल पटेल | — सचिव |
| 4. श्री अजय कुमार आनंद | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री अरुण शर्मा पिता— राम बाबू शर्मा | — सदस्य |
| 6. श्री उमेश महतो पिता— स्व० शिवजी महतो | — सदस्य |
| 7. श्री अमित कुमार मंडल | — सदस्य |
| 8. श्री कृष्ण कुमार सहनी | — सदस्य |
| 9. श्री भोला सहनी पिता— स्व० कन्हैया सहनी | — सदस्य |
| 10. श्री शम्भु कारक पिता— स्व० जगदीश कारक | — सदस्य |
| 11. श्री मोहन लाल केवट पिता— स्व० दरबारी लाल केवट | — सदस्य |

पता—श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी, वृन्दावन घाट, सरपफुदिन शिवाजीनगर, दरभंगा।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री श्री 108 राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी, वृन्दावन घाट, सरपफुदिन शिवाजीनगर, दरभंगा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलैन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा।

अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

5 मार्च 2022

सं० 5466—श्री खुदनेश्वरनाथ धाम, खुदनेश्वर महादेव स्थान, मोरवा, ताजपुर, जिला—समस्तीपुर जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3783/07 है।

उक्त न्यास के खाता सं०— 1324, खेसरा सं०— 4478, 5785, 5789, क्षेत्रफल— 3 ए० 21 डी० तथा खाता सं०— 207, खेसरा सं०— 5787, क्षेत्रफल— 01 ए० 01 डी० बकास्त शिवोत्तर खतियान में इन्द्राज है। खाता सं०— 1228, खेसरा सं०— 4969, 4470, क्षेत्रफल— 2 ए० 60 डी०, खाता सं०— 1229, खेसरा सं०— 4475, 4476, 4477, क्षेत्रफल— 01 ए० 05 डी० गैर मजरूआ खास शिव मन्दिर, खाता सं०— 1326, खेसरा सं०— 4471, 4472, 4473, 4474, 4489, 5788 कुल रकबा— 01 ए० 29 डी० शिवोत्तरदार अभिलाष भारती के नाम से इन्द्राज है। मन्दिर तथा मन्दिर की व्यवस्था हेतु न्यास समिति का गठन वर्ष 2007 में किया गया था तथा उक्त मन्दिर के जीर्णोद्धार के लिए पर्षद द्वारा पूर्व में राशि भी प्रदान की गयी थी। न्यास समिति के अध्यक्ष— श्री राजेन्द्र झा का कार्यकाल के दौरान स्वर्गवास हो गया और न्यास समिति द्वारा समय-समय पर आय-व्यय विवरणी तथा पर्षद शुल्क का भुगतान किया जाता रहा है। मन्दिर के नाम से भारतीय स्टेट बैंक में खाता भी संचालित है, जिसकी संख्या— 1179368000014 है। दिनांक— 07/06/2013 को उक्त खाता में 6,69,422/- रुपये जमा है। अध्यक्ष द्वारा अपने पत्र दिनांक— 01/06/2013 द्वारा 11 सदस्यों का चुनाव कर न्यास समिति गठन किये जाने का आग्रह किया गया है। उक्त प्रस्ताव आम सभा में लिए गये निर्णय के आलोक में था।

इसी बीच अध्यक्ष, राजेन्द्र झा द्वारा दिनांक— 03/05/2016 को प्रार्थना-पत्र दिया गया कि तत्कालीन अध्यक्ष द्वारा समिति को मौखिक रूप से कार्य करने के लिए अनुमति दे दी गयी थी, परन्तु अधिसूचना अभी निर्गत नहीं किया गया है तथा पत्र में उल्लेख था कि मुख्य शिव मन्दिर का निर्माण-कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा 04 छोटे मन्दिर अन्य देवी-देवताओं का निर्माण कार्य जारी है। समिति का अगला कार्यक्रम मन्दिर के प्रवेश द्वार, 01 उद्यान तथा भक्तों की सुविधानुसार व्यवस्था करना है। इसी बीच दिनांक—22/09/2018 को आम सभा का आयोजन किया गया। चूंकि पूर्व प्रस्तावित नाम में कुछ सदस्यों का स्वर्गवास हो चुका था और कुछ काफी वृद्ध हो गये हैं। इन्हीं सब बिन्दुओं पर विचार करते हुए उपरोक्त आमसभा में 11 सदस्यों का प्रस्ताव भेज गया, जिसमें से पूर्व प्रस्तावित नामों में से मात्र दो व्यक्ति श्री मनोज कुमार और विजय कुमार को रखा गया था। प्रस्तावित न्यास समिति द्वारा प्रस्ताव को स्वीकृत कर, समिति गठन तथा योजना का निरूपण करने की प्रार्थना के साथ वित्तीय वर्ष 2017-18 की आय-व्यय विवरणी भी समर्पित की गयी। इसी बीच प्रस्तावित नामों का चरित्र सत्यापन हेतु संबंधित थाना को प्रेषित किया गया। दि०—14/12/2018 एवं दि०— 29/05/2019 के बीच किया तथा अंचलाधिकारी से भी प्रस्तावित नामों पर मतव्य प्राप्त की गयी, जिसमें उल्लेख किया गया कि मन्दिर प्राचीन गौरवशाली और समृद्धशाली है। मन्दिर में सी०सी०टी०वी० कैमरा आदि यंत्र, स्वच्छता तथा पेयजल की व्यवस्था है और मन्दिर विकास की ओर अग्रसर है। मन्दिर में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव भी समय-समय पर आयोजित होती है और न्यास समिति के गठन की अनुशंसा की। इस बिन्दु पर प्रस्तावित अध्यक्ष, इन्द्रमोहन शर्मा को पर्षद द्वारा पत्र लिखकर वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक की आय-व्यय विवरणी, पर्षद शुल्क तथा मन्दिर में किए गए विकासात्मक कार्यों के संबंध में विस्तृत विवरण की मांग की गयी। अध्यक्ष, श्री इन्द्रदेव शर्मा तथा दो अन्य सदस्यों द्वारा पर्षद में समर्पित दस्तावेज के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में मन्दिर के विकास के संबंध में लगभग 05 लाख रुपये, वित्तीय वर्ष 2017-18 में 08 लाख रुपये, वित्तीय वर्ष 2018-19 में 10.58 लाख रुपये, वित्तीय वर्ष 2019-20 में 8,11,000/- रुपये तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में लगभग 8,36,000/- रुपये मन्दिर के विकास तथा कुछ जीर्णोद्धार आदि के संबंध में खर्च किये जाने का उल्लेख है तथा उपरोक्त के संदर्भ में कुछ फोटोग्राफ भी समर्पित किया गया।

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रस्तावित नामों के विरुद्ध कभी किसी प्रकार की शिकायत ग्रामीण द्वारा नहीं दी गयी है। अंचलाधिकारी द्वारा भी विकास कार्य को समुचित पाया गया है तथा पर्षद में आय-व्यय विवरण, बजट आदि भी उक्त स्वयं-भू समिति द्वारा समर्पित किया जाता है। न्यास समिति का कार्य संतोषजनक पाते हुए प्रस्तावित नामों की न्यास समिति का गठन तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक योजना का निरूपण का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—01/02/2022 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री खुदनेश्वरनाथ धाम, खुदनेश्वर महादेव स्थान, मोरवा, ताजपुर, जिला—समस्तीपुर” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री खुदनेश्वरनाथ धाम, खुदनेश्वर महादेव स्थान न्यास योजना, मोरवा, ताजपुर, जिला—समस्तीपुर” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री खुदनेश्वरनाथ धाम, खुदनेश्वर महादेव स्थान न्यास समिति, मोरवा, ताजपुर, जिला—समस्तीपुर” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री इन्द्रदेव शर्मा, पिता-स्व० रामनन्दन शर्मा, मोरवा रायटोल, मोरवा, समस्तीपुर — अध्यक्ष
2. श्री प्रसन्न कुंझा "परदेशी", पिता-स्व० अशर्फी लाल झा, मोरवा डीह, मोरवा, समस्तीपुर— सचिव
3. श्री विजय कुमार, पिता- स्व० लक्ष्मीश्वर प्रसाद, ग्रा०+पो०— मोरवा, समस्तीपुर — कोषाध्यक्ष
4. श्री मनोज कुमार झा, पिता- स्व० श्रीपति झा, मोरवा डीह, मोरवा, समस्तीपुर — सदस्य
5. श्री उमेश कुमार झा, पिता- श्री सूर्यकान्त झा, मोरवा डीह, मोरवा, समस्तीपुर — सदस्य
6. श्री अमरनाथ राय, पिता- श्री सहदेव राय, मोरवा गढ़, मोरवा, समस्तीपुर — सदस्य
7. श्री रवीन्द्र कुमार चौधरी, पिता- स्व० हरीदेव चौधरी, चन्दौली, निकसपुर, समस्तीपुर — सदस्य
8. श्री गौरव कुमार शर्मा, पिता- श्री दिनेश कुमार शर्मा, मोरवा रायटोल, मोरवा, समस्तीपुर— सदस्य
9. श्री विभूतिनाथ झा, पिता- स्व० राजेन्द्र झा, उदापट्टी, बथुआ बुजुर्ग, समस्तीपुर — सदस्य
10. श्री सुशील कुमार वर्मा, पिता- स्व० गंगा प्रसाद, ग्रा०+पो०— मोरवा, समस्तीपुर — सदस्य
11. श्रीमती बिरिया देवी, पिता- श्री परमानन्द ठाकुर, मोरवा बाजार, मोरवा, समस्तीपुर— सदस्य

उक्त आदेश के आलोक में "श्री खुदनेश्वरनाथ धाम, खुदनेश्वर महादेव स्थान, मोरवा, ताजपुर, जिला- समस्तीपुर"के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन / विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

5 मार्च 2022

सं० 5462—“माँ हैयट देवी, जगदम्बा स्थान, ग्रा०— नवादा, अं०— बेनीपुर, दरभंगा” जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 34 के तहत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4579 है।

उक्त न्यास के संबंध में सभी पक्षों को सुनने तथा अंचलाधिकारी की रिपोर्ट और कुछ ग्रामीणों के शपथ-पत्र पर विचार करते हुए मन्दिर को सार्वजनिक धार्मिक संस्था मानते हुए निबंधन किये जाने का निर्देश दिया गया था तथा दोनों पक्षों को मन्दिर के कुशल संचालन हेतु एक न्यास समिति गठन किये जाने हेतु आम सभा कर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया था। उक्त निर्देश के आलोक में दोनों पक्षों द्वारा 11-11 व्यक्तियों की सूची पर्वद को दिनांक— 03/03/2021 एवं आम सभा दिनांक— 30/07/2020 उपलब्ध कराया गया, परन्तु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के अन्तर्गत अधिकतम 11 सदस्यों की न्यास समिति का गठन किया जा सकता है। इसलिए दोनों पक्षों को 05-05 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिये जाने का निर्देश पर्वद के आदेश दिनांक— 24/02/2021 द्वारा दिया गया, जिसपर दोनों पक्षों द्वारा 05-05 व्यक्तियों की सूची दी गयी। उक्त सभी सूची को अनुमण्डल पदाधिकारी को भेजते हुए उसपर उनका मंतव्य की मांग की गयी कि कुछ नाम जोड़ना या हटाना चाहते हो तो स्पष्ट करें। इस संबंध पत्र दि०— 07/02/2021, दि०— 10/09/2021, एवं दि०— 21/12/2021 को भेजा गया। पर्वद के उपरोक्त पत्र के आलोक में अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा 12 नामों की सूची अपने पत्रांक— 5464, दिनांक— 15/01/2022 पर्वद को प्राप्त हुआ। परन्तु समाज की सभी व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व हो, इसलिए उक्त सूची में भी दो नाम श्री प्रदीप यादव पुत्र चौधरी यादव, जो वर्तमान मुखिया है और पढ़े-लिखे है तथा एक अन्य नाम श्री अमरनाथ ठाकुर, पुजारी के नामों को भी न्यास समिति में जोड़ते हुए उक्त मन्दिर के कुशल संचालन दैनिक राग-भोग, पूजा-पाठ हेतु योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु 11 सदस्यीय न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक—27/01/2022 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **“माँ हैयट देवी, जगदम्बा स्थान, ग्रा०— नवादा, अं०— बेनीपुर, दरभंगा”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“माँ हैयट देवी जगदम्बा स्थान न्यास योजना, ग्रा०— नवादा, अं०— बेनीपुर, दरभंगा”** होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम **“माँ हैयट देवी जगदम्बा स्थान न्यास समिति, ग्रा०— नवादा, अं०— बेनीपुर, दरभंगा”** होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

17. मंदिर में कार्यरत पुजारी मात्र गर्भगृह में भक्तों द्वारा चढ़ाये जाने वाले एक, दो, पांच एवं दस रुपये की राशि के अधिकारी होंगे, जिसे वे आपस में जो पुजारी होंगे, बांट कर रखेंगे।

18. मंदिर में चढ़ावा में प्राप्त होने वाले धातु तथा विवाह, मुंडन, वाहन पुजन एवं दुकान के किराया की बसुली न्यास समिति के सदस्य स्वयं के बीच किसी को नियुक्त कर या किसी कर्मी को अधिकृत करेंगे और उस संबंध में पंजी भी संधारित करेंगे, जिसमें प्रतिदिन संधारण किया जायेगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|--------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, बेनीपुर, दरभंगा | — अध्यक्ष |
| 2. श्री विजेन्द्र झा पिता— रामचन्द्र भानू झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री रतिकान्त झा पिता—स्व० देवनारायण झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — उपाध्यक्ष |
| 4. श्री रमापति झा पिता— स्व० कृत नारायण झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सचिव |
| 5. श्री प्रदीप यादव पिता— चौधरी यादव, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सह-सचिव |
| 6. श्री लक्ष्मण झा पिता— स्व० रामगंगा झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — कोषाध्यक्ष |
| 7. श्री बुधियार यादव पिता— स्व० विरंची यादव, घोघिया, बेनीपुर, दरभंगा | — सदस्य |
| 8. श्री मणिकान्त झा पिता— स्व० सुरेश नारायण झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सदस्य |
| 9. श्री अभय कुमार झा पिता— स्व० सुभाष चन्द्र झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सदस्य |
| 10. श्री अमरनाथ ठाकुर (पुजारी), नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सदस्य |
| 11. श्री शीलाकान्त झा पिता— स्व० सरयुग कांत झा, नवादा, बेनीपुर, दरभंगा | — सदस्य |

उक्त आदेश के आलोक में “माँ हैयट देवी, जगदम्बा स्थान, ग्रा०— नवादा, अं०— बेनीपुर, दरभंगा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

2 मार्च 2022

सं० 5366—माँ उग्रतारा मंदिर, महिषी, जिला— सहरसा जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या— 1000 है।

उक्त मन्दिर की व्यवस्था हेतु पर्षद द्वारा दिनांक— 28/05/2007 को न्यास समिति का गठन किया गया था। तदोपरान्त कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात पुनः एक नवीन न्यास समिति दिनांक— 27/09/2012 को गठित किया गया था। उक्त समिति के कुशलतापूर्वक कार्य नहीं करने के कारण जिलाधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी थी। जिलाधिकारी ने पत्रांक— 331, दिनांक— 05/05/2016 द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भेजा था, जिसमें जिलाधिकारी स्वयं अध्यक्ष के रूप में थे और 07 अन्य व्यक्तियों को समिति में स्थान देकर न्यास समिति का गठन दिनांक— 27/06/2016 को किया गया था। न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् समिति के अध्यक्ष, जिलाधिकारी को न्यास समिति गठन हेतु पत्रांक— 2300, दिनांक— 28/07/2021 द्वारा भेजा गया था, जिसके आलोक में जिला पदाधिकारी द्वारा अपनी पत्रांक— 2496, दिनांक— 31/12/2021 द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति बनाये जाने हेतु भेजा गया। जिसमें पूर्व न्यास समिति के कार्यो पर विचार करते हुए 06 व्यक्तियों का नाम वर्तमान समिति में भी रखा है। इसी बीच पर्षद को सूचना प्राप्त हुई कि प्रस्तावित नामों में दो सहोदर भाई श्री भगवान झा, जो पूर्व न्यास समिति में थे तथा श्री कृष्णा झा पुत्रगण स्व० पिताम्बर झा को रखा गया है। पर्षद के माननीय सदस्य का प्रस्ताव है कि एक ही परिवार के दो व्यक्ति हैं, इसलिए किसी एक व्यक्ति को न्यास समिति में रखा जाए तथा एक व्यक्ति के स्थान पर श्री अक्षय कुमार चौधरी को सदस्य के रूप में रखा जा सकता है।

उपरोक्त सभी परिस्थितियों पर विचार करते हुए जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित सूची में से क्रम संख्या— 06 और क्रम संख्या— 09 भगवान झा तथा कृष्ण झा दोनों सहोदर भाई हैं। सहमति के आधार पर श्रीकृष्णा झा को न्यास समिति में स्थान दिया जाता है तथा भगवान झा के स्थान पर माननीय सदस्य के प्रस्तावानुसार श्री अक्षय कुमार चौधरी को न्यास समिति में सम्मिलित करते हुए एक न्यास समिति का गठन तथा इसके कार्यान्वयन हेतु योजना के निरूपण का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-27/01/2022 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **माँ उग्रतारा मंदिर, महिषी, जिला- सहरसा** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“माँ उग्रतारा मंदिर न्यास योजना, महिषी, जिला- सहरसा”** होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम **“माँ उग्रतारा मंदिर न्यास समिति, महिषी, जिला- सहरसा”** होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|----------------------------|--------------|
| 1. जिला पदाधिकारी, सहरसा | — अध्यक्ष |
| 2. श्री प्रमील कुमार मिश्र | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री केशव कुमार | — सचिव |
| 4. श्री कृष्णा झा | — सह-सचिव |
| 5. श्री माणिक चन्द्र झा | — कोषाध्यक्ष |
| 6. श्री भवनाथ चौधरी | — सदस्य |
| 7. श्री रामदेव रजक | — सदस्य |
| 8. श्री लखन पासवान | — सदस्य |
| 9. श्री सुन्दरकान्त झा | — सदस्य |
| 10. श्री जनार्दन चौधरी | — सदस्य |
| 11. श्री अक्षय कुमार चौधरी | — सदस्य |

सभी का पता— माँ उग्रतारा मंदिर, महिषी, जिला- सहरसा।

उक्त आदेश के आलोक में “भौ उग्रतारा मंदिर, महिषी, जिला— सहरसा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

4 अक्टूबर 2021

सं० 3449—श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी, बेलदौर, जिला— खगड़िया, जो पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या— 4015 है। पूर्व में उक्त मन्दिर के पुजारी के रूप में श्री दिनेश शर्मा से पत्राचार किया गया था, परन्तु श्री दिनेश शर्मा एक अन्य श्री राम जानकी मन्दिर के महंत भी हैं। ग्रामीणों का शिकायत प्राप्त हुआ है कि महंत दिनेश शर्मा द्वारा वर्तमान मन्दिर पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और मन्दिर की जीर्ण—शीर्ण अवस्था हो गयी है तथा दिनेश शर्मा द्वारा निबंधन के पश्चात से आय—व्यय विवरणी भी दाखिल नहीं की जा रही है। इसके संबंध में उनसे नोटिस तथा स्पष्टीकरण की मांग पर्षद के पत्र दिनांक— 27/11/2017 एवं 17/02/2018 द्वारा की गयी। साथ ही 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भी अंचलाधिकारी से न्यास सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु पर्षद के पत्र दिनांक— 17/02/18 द्वारा मांग की गयी। तदोपरान्त दिनेश शर्मा द्वारा दिनांक— 08/03/2018 को वर्ष 2006-07 से 2016-17 तक की आय—व्यय विवरणी दाखिल की गयी। परन्तु दिनेश शर्मा द्वारा उसके पश्चात् कोई आय—व्यय विवरणी दाखिल नहीं की गयी और दिनांक— 02/07/2018 को मात्र 05 हजार रुपये पर्षद शुल्क जमा कर कभी उपस्थित नहीं हुए तथा एक प्रार्थना—पत्र दिनांक— 12/03/2018 को दाखिल किया कि अंचलाधिकारी, बेलदौर द्वारा मन्दिर की लगभग 03 बी0 10 क0 भूमि अवैध रूप से विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर्चा काट दिया गया है, जिसके विरुद्ध प्रार्थी दिनेश शर्मा द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता के समक्ष वाद संख्या— 257/12-13 दाखिल किया है। जिसमें प्रार्थी को सक्षम न्यायालय में मुकदमा दायर करने का निर्देश दिया गया है। उक्त के आलोक में प्रार्थी द्वारा दिवानी न्यायालय में वाद संख्या— 38/14 दाखिल किया गया तथा एक परिवाद— 301 (सी)/10 दाखिल किया है। इसी बीच पर्षद द्वारा यह पाया गया कि दिनेश शर्मा द्वारा मन्दिर की सम्पत्ति की देख-भाल उचित रूप से नहीं किया जा रहा है।

अतः न्यास समिति गठन करने हेतु अंचलाधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों की मांग पर्षद के पत्र दिनांक— 17/02/2018 तथा स्मार पत्र दिनांक— 21/12/2018 द्वारा की गयी। इसी बीच दिनांक— 23/10/2018 को दिनेश शर्मा द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया कि गाँव के कुछ ग्रामीण मन्दिर की भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं। अतः प्रार्थी का सहयोग हेतु 09 व्यक्तियों की न्यास समिति बनायी जाए। इसी बीच पर्षद द्वारा मन्दिर का स्थल निरीक्षण करने हेतु पर्षद के निरीक्षक को भेजा गया। निरीक्षक द्वारा अपनी रिपोर्ट दिनांक— 29/12/2017 को दाखिल किया, जिसमें उल्लेख किया कि वर्तमान में ठाकुरबाड़ी कुव्यवस्थित है और दिनेश शर्मा को भी कभी पर्षद द्वारा मान्यता नहीं दी गयी है। उन्हें पर्षद द्वारा उसी गाँव में अवस्थित श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी के न्यासधारी के रूप में मान्यता दी गयी थी।

मन्दिर में नियमित रूप से पूजा—पाठ नहीं किया जा रहा है। वर्षों से मरम्मत आदि का कार्य नहीं हुआ है तथा जमीन सुद भरना लेकर दे दिया है। इस संबंध में अंचलाधिकारी से प्रतिवेदन की मांग पर्षद के पत्र दिनांक— 01/10/2019 द्वारा की गयी। जिसका कोई प्रत्योत्तर दाखिल नहीं किया गया है। इसी बीच ग्रामीणों द्वारा एक आम सभा दिनांक— 26/02/2020 को कर 09 व्यक्तियों के नामों की न्यास समिति गठित किये जाने हेतु प्रस्ताव तथा बैठक की प्रति पर्षद में दिनांक— 24/06/2021 को उपलब्ध कराया है। अनुमण्डल पदाधिकारी को पुनः स्मार पत्र दिनांक— 13/08/2020 एवं दिनांक— 26/11/2020 से 11 व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी। पुनः स्मार पत्र दिनांक— 25/03/2021 को अंचलाधिकारी को भेजी गयी। अंचलाधिकारी द्वारा पर्षद के उपरोक्त पत्रों के आलोक में 13 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिनांक— 19/04/2021 जो पर्षद में दिनांक— 22/04/2021 को प्राप्त कराया है। इसी बीच दिनांक— 01/06/2021 को ईमेल के माध्यम से अंचलाधिकारी यहाँ से 11 व्यक्तियों के नामों की एक अन्य सूची प्राप्त हुई। दिनांक— 01/03/2021 एवं दि०— 22/04/2021 को प्राप्त सूची में अंचल कार्यालय के पत्रांक— 781 दिनांक— 19/04/2021 सामान्य है। इस संबंध में अंचलाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक— 769 दिनांक— 06/08/2021 द्वारा जिला पदाधिकारी को पत्र लिखा गया कि इनके कार्यालय के लिपिक प्रभात कुमार द्वारा पत्र में छोड़छाड़ कर जो 13 व्यक्तियों की सूची उनके द्वारा भेजी गयी थी, उस सूची में फेरबदल करते हैं। इसी पत्रांक और इसी दिनांक से 11 व्यक्तियों की सूची भेजी गयी है, जो गलत है तथा जिला पदाधिकारी से दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की गयी है। अंचल कार्यालय के पत्र ईमेल के माध्यम से दि०— 06/08/2021 को प्राप्त है।

उपरोक्त सभी तथ्यों और संचिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि दिनेश शर्मा को वर्तमान लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी का महंत/सेवायत या न्यासी कभी नहीं बनाया गया है और उनके द्वारा किये जा रहे कार्य पूर्ण रूप से अवैध है और उनके द्वारा उक्त मन्दिर से होने वाली आय—व्यय का सही विवरण भी दाखिल नहीं किया गया है और न पर्षद शुल्क दिया गया है, जबकि पर्षद के निरीक्षक द्वारा अपनी रिपोर्ट दिनांक— 29/12/2017 में स्पष्ट उल्लेख किया है कि मन्दिर और मन्दिर की सम्पत्ति से लगभग 02 लाख रुपये की आय होती है तथा मन्दिर के जीर्णोद्धार, रंग—रोगन का कोई कार्य पिछले 10 वर्षों से नहीं किया गया है और मन्दिर में पूर्ण रूप से अव्यवस्था है।

अतः दिनेश शर्मा उक्त मन्दिर में किसी प्रकार के कार्य करने से अवरुद्ध किया जाता है तथा पर्षद में आम सभा की बैठक द्वारा प्राप्त 09 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव जो दानदाता परिवार के सदस्य की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ है तथा अंचलाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक- 751 दिनांक- 19/04/2021 द्वारा जो 13 नामों का प्रस्ताव भेजा गया है।

उपरोक्त परिस्थिति में न्यास की सुव्यवस्था, सम्यक् विकास एवं सुचारु प्रबंधन हेतु न्यास योजना का निरूपण एवं उसके कार्यान्वयन हेतु उक्त दोनों सूचियों में 11 सदस्यों की न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षद के आदेश दिनांक- 26/08/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी, बेलदौर, जिला- खगड़िया” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, बेलदौर, जिला- खगड़िया” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, बेलदौर, जिला- खगड़िया” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

- | | |
|---|--------------|
| 1. अंचलाधिकारी, बेलदौर, जिला- खगड़िया | — अध्यक्ष |
| 2. श्री रंजन कुमार राज, पिता- चन्द्रदेव शर्मा | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री विकास कुमार पिता- श्री दामोदर पासवान | — सचिव |
| 4. श्री मणिकान्त शर्मा पिता- बहादुर शर्मा | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री साहेब कुमार पिता- कनिक लाल शर्मा | — सदस्य |
| 6. श्री सूनील शर्मा पिता- बागेश्वर शर्मा | — सदस्य |

- | | |
|---|---------|
| 7. श्री बीरेन्द्र तांती पिता— सिंगेश्वर तांती | — सदस्य |
| 8. श्री नकुल देव शर्मा पिता— बिंदेश्वरी शर्मा | — सदस्य |
| 9. श्री राजीव कुमार पिता—रामाकांत प्रसाद | — सदस्य |
| 10. श्री बीरेन्द्र शर्मा पिता— प्रसुनराम शर्मा | — सदस्य |
| 11. श्री अजय शर्मा, पूजारी पिता— स्व० जंतरी शर्मा | — सदस्य |

सभी का पता— ग्राम+पोस्ट— बेलदौर, जिला— खगड़िया।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी, बेलदौर, जिला— खगड़िया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

4 अक्टूबर 2021

सं० 3481—श्री राम जानकी ठाकुर बाड़ी, डीह पर, जिला—बेगुसराय जो पर्षद में निबंधित न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4505 है। इस न्यास में लगभग 15 बी० भूमि अंचलाधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार है। अंचलाधिकारी के प्रतिवेदन में उल्लेखित है कि वर्तमान में मन्दिर की स्थिति दयनीय हो गयी है। पूर्व में जो सेवायत सीताशरण दास थे, जिनका बहुत समय पूर्व स्वर्गवास हो गया है। मन्दिर तथा उसकी सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु न्यास समिति किये जाने की आवश्यकता है।

संचिका पर मन्दिर से संबंधित समर्पणनामा की कैंथी लिपि व हिन्दी प्रति उपलब्ध है। न्यास समिति गठन किये जाने हेतु पर्षद के पत्र दिनांक—07/07/2021 द्वारा अंचलाधिकारी से नामों की मांग की गयी थी। अंचलाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक—488, दिनांक—10/08/2021 द्वारा 12 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव तथा सभी व्यक्तियों का चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन की फोटो प्रति जो वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी की गयी है, संलग्न कर भेजी गयी है।

उपरोक्त परिस्थिति में न्यास की सुव्यवस्था, सम्यक् विकास एवं सुचारु प्रबंधन हेतु 06 सदस्यों की अस्थायी न्यास समिति का गठन एवं उसके कार्यान्वयन हेतु एक योजना का निरूपण करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षद के आदेश दिनांक—27/08/2021 में अनुमोदित करने के पश्चात् बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, डीह पर, जिला—बेगुसराय” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, डीह पर, जिला—बेगुसराय” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, डीह पर, जिला—बेगुसराय” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

- | | |
|---|-------------|
| 1. अंचलाधिकारी, वीरपुर, बेगुसराय | —अध्यक्ष |
| 2. डॉ० धीरेन्द्र प्रसाद सिंह पिता—स्व० गीता प्रसाद सिंह, वार्ड नं०—1 | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री विजय कुमार सिंह पिता—स्व० शत्रुघ्न सिंह, वार्ड नं०—05 | —सचिव |
| 4. श्री कामता प्रसाद सिंह पिता—स्व० राजाबली सिंह, वार्ड नं०—01 | —कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री नीरज कुमार पिता—स्व० सीताराम सिंह, वार्ड नं०—02 | —सदस्य |
| 6. श्री महेन्द्र मल्लिक पिता—श्री विपत मल्लिक, वार्ड नं०— 03 | —सदस्य |
| 7. श्रीमति बसंती देवी पति—श्री शंकर साह, वार्ड नं०— 03 | —सदस्य |
| 8. श्री बैद्यनाथ यादव पिता—स्व० रामजी यादव, वार्ड नं०— 03 | —सदस्य |
| 9. श्री अवधनाथ सिंह पिता—स्व० फुलचंद सिंह, वार्ड नं०— 05 | —सदस्य |
| 10. श्री चन्द्रभूषण प्रसाद सिंह पिता—श्री रामोत्तार सिंह, वार्ड नं०— 04 | —सदस्य |
| 11. श्री संजय कुमार पिता—श्री नागेन्द्र सिंह, वार्ड नं०— 01 | —सदस्य |

सभी का पता—ग्राम+पोस्ट—डीह पर, थाना—वीरपुर, जिला—बेगुसराय।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, डीह पर, जिला—बेगुसराय” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

1 अक्टूबर 2021

सं० 3419—श्री अहिल्या स्थान, ग्राम+पोस्ट—अहियारी, थाना—कमतौल, जिला—दरभंगा बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—3957/09 है। श्री अहिल्या स्थान, सनातन धर्मावलम्बियों के लिए आस्था का केन्द्र है, जहाँ वर्ष भर श्रद्धालु बिना किसी के रोक-टोक के पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।

उक्त पौराणिक स्थान के सुचारु प्रबंधन तथा सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु दिनांक—24/03/2015 को एक 05 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। पुनः न्यास समिति के अनुरोध पर 03 नवीन सदस्यों को उक्त न्यास समिति में दि०—20/02/2016 को सदस्य पद पर नियुक्त किया गया। उक्त न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। न्यास समिति के गठन हेतु विभिन्न व्यक्तियों द्वारा स्वयं 11—11 नामों का प्रस्ताव पर्वद को विभिन्न तिथियों पर उपलब्ध कराया है, परंतु कोई भी प्रस्ताव न तो आम सभा द्वारा पारित है और न किसी अधिकार के द्वारा भेजा गया है। ऐसी विषम परिस्थिति में पर्वद द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, दरभंगा को पत्र भेजकर 11 स्वच्छ चरित्र के धार्मिक व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव की मांग की गयी थी, जो अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक—394, दिनांक—23/07/21 पर्वद को प्राप्त कराया।

पर्वद द्वारा पर्वद के मा० सदस्य, जो दरभंगा प्रमंडल के स्थायी निवासी हैं, उनसे भी विचार-विमर्शोपरान्त तथा प्राप्त सूचियों और अनुमंडल पदाधिकारी से प्राप्त सूची पर विचारोपरांत उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा—32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः पर्वद की बैठक दिनांक—24/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री अहिल्या स्थान,

ग्राम+पोस्ट-अहियारी, थाना-कमतौल, जिला-दरभंगा के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री अहिल्या स्थान न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट-अहियारी, थाना-कमतौल, जिला-दरभंगा”** होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री अहिल्या स्थान न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट-अहियारी, थाना-कमतौल, जिला-दरभंगा”** होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

3. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (कोषाध्यक्ष एवं अध्यक्ष अथवा कोषाध्यक्ष एवं सचिव) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। यदि पूर्व से न्यास का खाता है तो उसका भी संचालन न्यास समिति के उक्त पदाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

4. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

6. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी/मंहत की अर्हता का निर्धारण की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री हरिभूषण ठाकुर “बचौल”, पर्षद के मा० सदस्य, पता- 21/एम, स्ट्रैण्ड रोड, पटना –संरक्षक
2. श्री कवीश्वर ठाकुर पिता-स्व० गंगाधर ठाकुर – अध्यक्ष
पता- ग्रा०+पो०-अहियारी, प्रखंड-जाले, था०-कमतौल, दरभंगा।
3. श्री विमल कुमार यादव पिता-स्व० होरिल यादव –उपाध्यक्ष
पता-ग्रा०+पो०-अहियारी, प्रखंड-जाले, था०-कमतौल, दरभंगा।
4. डॉ० श्री जयशंकर झा-संस्कृत विभाग, ल० ना० मि० विश्वविद्यालय, दरभंगा –उपाध्यक्ष
5. श्री हेमन्त कुमार झा, ग्रा०+पो०+था०-कमतौल, जिला-दरभंगा –सचिव
6. श्री रंजीत प्रसाद, ग्रा०+पो०+था०-कमतौल, जिला-दरभंगा –कोषाध्यक्ष
7. श्रीमति अंजनी निषाद, ग्रा०+पो०-ततैला, था०-कमतौल, जिला-दरभंगा –सदस्य
8. श्री उमेश ठाकुर (भू०पू० सैनिक) पिता-स्व० रामेश्वर ठाकुर –सदस्य
पता- ग्रा०+पो०-अहियारी, प्रखंड-जाले, दरभंगा।
9. अंचलाधिकारी, जाले, दरभंगा –सदस्य
10. श्री सच्चिदानंद चौधरी, ग्रा०+पो०-चहुटा, भाया-कमतौल, जिला-मधुबनी –सदस्य
11. थानाध्यक्ष, कमतौल, जिला-दरभंगा –सदस्य

उपरोक्त न्यास समिति अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए गठित किया जाता है। कार्य संतोषजनक पाये जाने तथा थानाध्यक्ष, कमतौल से सदस्यों का चरित्र-सत्यापन प्राप्त होने के पश्चात न्यास समिति को स्थायी किये जाने पर विचार किया जायेगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री अहिल्या स्थान, ग्राम-पोस्ट-अहियारी, थाना-कमतौल, जिला-दरभंगा" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज (तीन वर्षों से अधिक) आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

1 अक्टूबर 2021

सं० 3413—श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-चतरा, थाना-प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०-4552 है।

उक्त न्यास में मात्र 87 डी० भूमि है, जो राजस्व अभिलेखों में खाता सं०- 54, खेसरा सं०-110, 1115, 1146 के रूप में श्री राम जानकी चतरा मठ सेवायत ननकी झा के नाम से इन्द्राज है तथा खाता सं०-80, रकबा-39 डी०, खाता सं०-101, खेसरा सं०-40, रकबा-09 डी०, खाता सं०-102, खेसरा सं०-243, 244, 378, रकबा-44 डी० (178 हेक्टर) है।

न्यास समिति गठित किये जाने के संबंध में ग्रामीणों द्वारा दि०-20/12/2020 को आम सभा कर 11 सदस्यों का प्रस्ताव प्रेषित किया। अंचलाधिकारी के माध्यम से भी मंदिर की सुरक्षा हेतु 11 नामों का प्रस्ताव पत्रांक-304, दि०-27/04/2021 के माध्यम से प्राप्त हुआ है। अंचलाधिकारी द्वारा प्राप्त सूची में सदानंद सिंह के पुत्र को भी नामित किया गया है, जबकि सदानंद सिंह द्वारा ही उक्त मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है; जिसके संबंध में सदानंद सिंह को पर्वद में बुलाकर दि०-25/09/20, दि०-28/11/2020 एवं दि०-11/02/2021 को सुनवायी की गयी है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः पर्वद की बैठक दिनांक-24/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए "श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-चतरा, थाना-प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर" के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री राम जानकी मंदिर न्यास योजना, ग्राम-चतरा, थाना-प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर" होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम जानकी मंदिर न्यास समिति, ग्राम-चतरा, थाना-प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर" होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

3. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष अथवा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर) से किया जायेगा।

4. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

6. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी/महंत की अर्हता का निर्धारण की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।

11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

15. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

16. मंदिर के अधीनस्थ भूमि की बंदोवस्ती का अधिकार न्यास समिति को होगा, जिसका आय-व्यय विवरण, पर्षद के समक्ष प्रतिवर्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए ग्रामीणों द्वारा प्राप्त सूची एवं अंचलाधिकारी द्वारा प्राप्त सूची में से निम्नलिखित सदस्यों की अस्थायी रूप से एक वर्ष लिए न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. अंचलाधिकारी, विद्यापति नगर, जिला-समस्तीपुर	—	पदेन अध्यक्ष
2. श्री राम करण राय पिता-स्व० राम नारायण राय पता-ग्राम-बदौना चाँदपुर, पो०-हरपुर बोचहा, जिला-समस्तीपुर।	—	उपाध्यक्ष
3. श्री शिव सागर सिंह पिता-स्व० रामचन्द्र सिंह	—	सचिव
4. श्री चन्द्रभूषण राय पिता- स्व० गिरवर यादव	—	कोषाध्यक्ष
5. श्री संजीव कुमार राय पिता- स्व० राम कृपाल राय	—	सदस्य
6. श्री रामलखन पासवान पिता-फकीरा पासवान	—	सदस्य
7. श्री ललित साह पिता-सरदार साह	—	सदस्य
8. श्री रणवीर सिंह पिता-सहदेव सिंह	—	सदस्य
9. श्री राम प्रवेश राय पिता- स्व० सूर्य नारायण राय	—	सदस्य

सभी का पता-ग्राम-चतरा, थाना+प्रखंड-विद्यापति नगर, जिला-समस्तीपुर।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-चतरा, थाना+प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज (तीन वर्षों से अधिक) आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

31 दिसम्बर 2021

सं० 4374—श्री राम जानकी व अन्य देवतागण मंदिर, ग्राम-मनियारी, थाना-सुप्पी, अंचल-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-4437 है।

इस न्यास की सूचारु प्रबंधन, उन्नयन, सम्यक विकास व दैनिक राग-भोग हेतु ग्रामीणों द्वारा न्यास समिति बनाये जाने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था, जिसपर अंचल अधिकारी से प्रतिवेदन की मांग की गयी। अंचल अधिकारी ने अपने पत्र दिनांक 15.12.2015 द्वारा उक्त मंदिर में मौजा जमला, खाता संख्या 162, खेसरा संख्या 1159, 877, 880, 952, रकबा-1.08 एकड़ तथा मौजा मनियारी, खाता संख्या 97, खेसरा संख्या 1643, 1646, 1647, 1660, रकबा 1.71 एकड़ जमीन के संबंध में प्रतिवेदन समर्पित की है तथा ग्रामीणों द्वारा वर्तमान मंदिर का कुछ फोटोग्राफ भी दाखिल किया है और दिनांक 22.09.2017 को बैठक कर 09 व्यक्तियों की न्यास समिति बनाये जाने का प्रस्ताव पास कर पर्षद में उपलब्ध कराया है।

उपरोक्त के आलोक में पर्षद द्वारा अंचल अधिकारी को उक्त सूची भेजते हुए उसपर उनका मतव्य या कुछ अन्य व्यक्तियों को कमिटी से हटाना चाहते हो या रखना चाहते हो तो पर्षद के पत्र दिनांक 01.12.2018 एवं 20.10.2019 द्वारा की गयी। इसी बीच ग्रामीणों द्वारा शिकायत पत्र प्राप्त हुआ कि वर्तमान मंदिर की भूमि को कुछ लोग अवैध रूप से अतिक्रमण कर निर्माण करने का प्रयास कर रहे हैं। जिसपर संबंधित थाना को सूचित कर तथा अंचल अधिकारी से दिनांक 16.03.2020 को 09 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ, जिसके चरित्र सत्यापन हेतु संबंधित थाना को दिनांक 23.10.2019, 28.09.2020, 23.11.2020 को भेजकर प्रतिवेदन की मांग की गयी। संबंधित थाना से प्रतिवेदन दिनांक 07.05.2021 को प्राप्त हुआ, जिसमें उल्लेख किया गया है कि प्रस्तावित व्यक्तियों के नामों के विरुद्ध थाना अभिलेख में कोई आपराधिक इतिहास दर्ज नहीं है।

उपरोक्त परिस्थिति में मंदिर के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक है।

अतः मैं अखिलेश कुमार जैन, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी व अन्य देवतागण मंदिर, ग्राम-मनियारी, थाना-सुप्पी, अंचल-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु निम्नांकित योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए आदेश दिनांक-07.09.2021 के आलोक में एक न्यास समिति का गठन किया जाता है। जिसका अनुमोदन पर्षद की बैठक दिनांक 22.12.2021 को किया जा चुका है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम " श्री राम जानकी व अन्य देवतागण मंदिर, ग्राम-मनियारी, थाना-सुप्पी, अंचल-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी न्यास

योजना होगा" तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम जानकी व अन्य देवतागण मंदिर, ग्राम-मनियारी, थाना-सुप्पी, अंचल-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी न्यास समिति" होगा। जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय, रेहन तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही न्यास समिति के पदाधिकारियों का यह प्रथम कर्तव्य होगा कि न्यास की सभी भू-सम्पत्तियों का जमाबंदी न्यास के नाम से कराकर पर्षद को सूचित करेंगे। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतेगें।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|---|---|--------------|
| 1. अंचल अधिकारी, सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी | — | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्री उदयकान्त चौधरी, पुत्र स्व० मंगनी चौधरी | — | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री मधुसुदन झा, पुत्र स्व० वासुदेव झा | — | सचिव |
| 4. श्री शम्भु प्रसाद, पुत्र स्व० चुल्हाई साह | — | कोषाध्यक्ष |
| 5. श्रीमती सीमा देवी, पत्नी श्री संजीत बैठा | — | सदस्य |
| 6. श्री आदित्यनाथ झा, पुत्र स्व० अयोध्यानाथ झा | — | सदस्य |
| 7. श्री अमोद कुमार पिन्टु, पुत्र श्री राजकुमार प्रसाद | — | सदस्य |
| 8. श्री उपेन्द्र झा, पुत्र स्व० कन्तलाल झा | — | सदस्य |
| 9. श्री नवीन कुमार झा, पुत्र स्व गिरजानन्द झा | — | सदस्य |

सभी ग्राम-मनियारी, पोस्ट-ढेंग, प्रखंड-सुप्पी, थाना-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी।

नवगठित न्यास समिति द्वारा मंदिर से होने वाली आय-व्यय का लेखा-जोखा रजिस्टर समुचित ढंग से संधारित करेगी। मंदिर परिसर में रखे दान-पेटी को कम से कम तीन सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा तथा पैसे की गिनती के उपरान्त यथाशीघ्र मंदिर के बैंक खाता में जमा किया जायेगा। मंदिर से संबंधित होने वाली कोई भी खर्च बैंक से निकासी कर किया जायेगा।

नोट- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम श्री राम जानकी व अन्य देवतागण मंदिर, ग्राम-मनियारी, थाना-सुप्पी, अंचल-सुप्पी, जिला-सीतामढ़ी पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन अधिसूचना पर हस्ताक्षर की तिथि से पाँच वर्षों के लिए किया जाता है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं० 4349—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गोपालगंज जिला के अन्तर्गत थावे ग्राम अवस्थित श्री गुरु रहषु स्वामी मानस मंदिर एक सार्वजनिक, धार्मिक और काफी प्रसिद्ध ऐतिहासिक मंदिर/न्यास है, जो पर्षद के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या 3147 है।

मंदिर की पूजा-पाठ और प्रबंधन पूर्व में श्री प्रदीप कुमार दास द्वारा की जाती थी, परन्तु उनके उपर काफी गंभीर आरोप प्राप्त हुआ और जाँचोपरान्त पर्षदीय पत्रांक 27, 28 दिनांक 09.04.2001 द्वारा अपसारित कर पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 30 दिनांक 09.04.2001 द्वारा 13 सदस्यीय न्यास समिति का गठन अगले आदेश तक के लिए किया गया। कालान्तर में कुछ संशोधन के साथ न्यास समिति कार्यरत रही। पर्षदीय पत्रांक 1815, दिनांक 1815, दिनांक 06.12.2017 द्वारा नयी न्यास समिति के गठन हेतु नामों की मांग की गयी, जिसके आलोक में 05.05.2018 को अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा 11 नामों का प्रस्ताव भेजा गया, जिसपर विचारोपरान्त दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात् पर्षद के आदेश दिनांक 18.11.2019 द्वारा उक्त प्रस्तावित नामों को उचित नहीं पाया गया। अतः नये सिरे से अच्छे धार्मिक और मंदिर के विकास आदि के कार्यों में इच्छा रखने वाले व्यक्तियों के नामों की मांग जिला पदाधिकारी से पर्षद के आदेश दिनांक 18.11.2020 के आलोक में की गयी। जिला पदाधिकारी से न्यास समिति गठन हेतु नाम प्राप्त नहीं होने पर पुनः अनुमंडल पदाधिकारी से पर्षदीय 2026, दिनांक 28.11.2020 द्वारा न्यास समिति गठन हेतु नामों की मांग की गयी। उक्त के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी के पत्रांक 1091, दिनांक 08.08.2021 द्वारा ग्यारह नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। उक्त सूची में कार्यरत न्यास समिति के 05 सदस्य को भी स्थान दिया गया है। मंदिर के सौन्दर्यकरण एवं निर्माण में 70 लाख की राशि खर्च की जा चुकी है और अभी 30 लाख रुपये मंदिर के खाते में जमा हैं। कार्यरत न्यास समिति के अथक प्रयास से ही विशाल मंदिर के रूप में इसका निर्माण किया जा रहा है।

अधिनियम में हुए संशोधन के उपरान्त न्यास समिति में अधिकतम ग्यारह व्यक्ति ही रह सकते हैं अतः कार्यरत न्यास समिति को विघटित किया जाता है तथा इस न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री गुरु रहषु स्वामी मानस मंदिर, थावे, जिला-गोपालगंज** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक 10 सदस्यीय न्यास समिति गठित की जाती है। जिसका अनुमोदन पर्षदीय बैठक दिनांक 22.12.2021 में किया जा चुका है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री गुरु रहषु स्वामी मानस मंदिर, थावे, जिला-गोपालगंज न्यास योजना होगा”** तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री गुरु रहषु स्वामी मानस मंदिर, थावे, जिला-गोपालगंज न्यास समिति होगी”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य व

अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|---|---|--------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, गोपालगंज | — | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्री अशोक पाण्डेय, पुत्र श्री देवनंदन पाण्डेय,
ग्राम-चितु टोला, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | सचिव |
| 3. श्री शिवजी राम, पुत्र स्व० सोमारी राम,
ग्राम-चितु टोला, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | कोषाध्यक्ष, |
| 4. श्री प्रदीप कुमार दास, पुत्र-स्व० दुमर राम,
ग्राम-रामनरेश नगर, पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 5. श्री राजेश साह गोड़ पुत्र-स्व० समयदेव साह
ग्राम-चितु टोला, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 6. श्री मुन्ना श्रीवास्तव, पुत्र-वैजनाथ लाल श्रीवास्तव,
ग्राम-विदशी टोला, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 7. श्री रंजन कुमार मांझी, पुत्र-स्व० महावीर मांझी,
ग्राम-शिवस्थान, थावे, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 8. श्री टुनटुन साह, पुत्र-स्व० श्यामराश्र साह,
ग्राम-गजाधर टोला, पोस्ट वो थाना-थावे, जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 9. श्री अविनाश उपाध्याय, पुत्र-स्व० रामेश्वर उपाध्याय,
ग्राम-बेदुटोला (गजाधर टोला), पोस्ट वो थाना-थावे,
जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |
| 10. श्री पप्पु कुमार यादव, पुत्र-स्व० श्याम बहादुर यादव,
ग्राम-शिवस्थान, पोस्ट वो थाना-थावे, एवं जिला-गोपालगंज | — | सदस्य |

नोट:- राजस्व अभिलेख में न्यास के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री गरु रहषु स्वामी मानस मंदिर, थावे, जिला-गोपालगंज) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन अधिसूचना पर हस्ताक्षर की तिथि से पाँच वर्षों के लिए किया जाता है।

आदेश से,

अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

15 नवम्बर 2021

सं० 3829—श्री राम जानकी मंदिर, हजियापुर रोड, वार्ड नं०-11, जिला-गोपालगंज पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-4089 है।

अनुमंडल पदाधिकारी, गोपालगंज से पत्रांक-1211, दिनांक-28.08.2021 द्वारा एक प्रतिवेदन समर्पित की गयी है तथा साथ ही 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भी दिया गया है। ग्रामीणों द्वारा भी एक आम सभा दिनांक 06.03.2021 को करते हुए 20 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसपर पुनः शपथ-पत्र के माध्यम से दिनांक 03.07.2021 को 11 व्यक्तियों की समिति बनाये जाने हेतु प्रस्ताव किया है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त मंदिर के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

दोनों सूची में से निम्न प्रकार की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठित की जाती है, जिससे इस न्यास की सूचारु प्रबंधन, उन्नयन, सम्पत्ति की सुरक्षा तथा सम्यक विकास की जा सके।

अतः मैं अखिलेश कुमार जैन, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी मंदिर, हजियापुर रोड, वार्ड नं०-11, जिला-गोपालगंज की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु पर्वद की बैठक दिनांक 24.09.2021 के अनुमोदन के आलोक में निम्नांकित योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी मंदिर, हजियापुर रोड, वार्ड नं०-11, जिला-गोपालगंज न्यास योजना होगा” तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी मंदिर, हजियापुर रोड, वार्ड नं०-11, जिला-गोपालगंज न्यास समिति” होगा। जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्वद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय, रेहन तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही न्यास समिति के पदाधिकारियों का यह प्रथम कर्तव्य होगा कि न्यास की सभी भू-सम्पत्तियों का जमाबंदी न्यास के नाम से कराकर पर्वद को सूचित करेंगे। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतेगें।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। अत्याधिक जरूरी पड़ने पर अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|--|---|---------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, गोपालगंज | — | पदेन अध्यक्ष, |
| 2. श्री देवनारायण पांडे (पूर्व प्राचार्य) पुत्र-स्व० रामबदन पाण्डे,
ग्राम-रामपुर, पो०-बलथरी, थाना-कुचायकोट,
जिला-गोपालगंज, पिन कोड-841503. | — | उपाध्यक्ष, |
| 3. श्री संजीव कुमार पिंकी, पुत्र-स्व० सुरेन्द्र कुमार गुप्ता,
ग्राम-मारवाड़ी मुहल्ला, वार्ड नं०-16,
पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज | — | उपाध्यक्ष, |
| 4. श्री तारकेश्वर प्रसाद, पुत्र-स्व० रामझा प्रसाद,
गम-हनुमानीगढ़ी, सरेया, पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज | — | सचिव, |
| 5. ई० विमल कुमार, पुत्र-स्व० रामचन्द्र प्रसाद,
केशव नगर, वार्ड नं०-10, हजियापुर, जिला-गोपालगंज | — | उप-सचिव, |
| 6. श्री मनीष किशोर नारायण, पुत्र-स्व० अरिन्द्र किशोर
नारायण, ग्राम-अधिवक्ता नगर, वार्ड नं०-09, | | |

पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज	—	कोषाध्यक्ष,
7. श्री मनीष रंजन सिंह उर्फ मिकू सिंह, पुत्र-स्व० भोला राय, ग्राम-मारवाडी मुहल्ला, वार्ड नं०-09, पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज	—	सदस्य
8. श्री राकेश कुमार, अधिवक्ता, पुत्र-स्व० रामाशंकर राय, ग्राम-केशवनगर, वार्ड नं०-10, हजियापुर, जिला-गोपालगंज, पिन कोड-841428, वर्तमान पता-ग्राम-ब्रह्मनाइनथा, पोस्ट-उच्छकगाँव, जिला-गोपालगंज, पिन कोड-841438	—	सदस्य
9. श्री प्रमोद शर्मा, पुत्र-स्व० मुनीलाल शर्मा, ग्राम-हजियापुर, वार्ड नं०-09, पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज	—	सदस्य
10. श्री राहुल बैठा, पुत्र-श्री देवीलाल बैठा, ग्राम-हजियापुर, वार्ड नं०-10, पोस्ट+थाना+जिला-गोपालगंज	—	सदस्य
11. डॉ० विशाल कुमार, पुत्र-डॉ० के०एम० प्रसाद, ग्राम-बंजारी चौक, सुमन हॉस्पिटल, गोपालगंज, पोस्ट+थाना एवं जिला-गोपालगंज	—	सदस्य

नोट:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम "श्री राम जानकी मंदिर, हजियापुर रोड, वार्ड नं०-11, जिला-गोपालगंज पर ही रहेगा," किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।
उपरोक्त न्यास समिति का गठन अस्थाई रूप अधिसूचना के तिथि से एक वर्ष के लिए किया जाता है, चरित्र सत्यापन एवं पर्षद के गठन हो जाने के पश्चात् इसको स्थाई किये जाने पर विचार किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं० 4352—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरपुर जिला के अन्तर्गत सुतापट्टी ग्राम अवस्थित बलदेव दास बसन्त लाल धर्मशाला एक सार्वजनिक तथा धार्मिक न्यास है, जो पर्षद के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या 1933 है।

इस न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 1820, दिनांक 20.09.2016 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 32 के अन्तर्गत सात सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। किन्तु न्यास समिति के उदासीनता के कारण धर्मशाला का बज्रूद पर खतरा आ गया है। न्यास समिति द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 59, 60 एवं 70 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य नहीं किया तथा अधिसूचना में वर्णित दिशा निर्देशों का भी अनुपालन नहीं किया गया। इस तरह न्यास समिति निष्क्रिय तथा निष्प्रभावी रही और इसका कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है।

धर्मशाला के सुचारु प्रबंधन, सम्यक विकास एवं इससे संबंधित वादों में पैरवी हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी से पर्षद के पत्र दिनांक 09.11.2020 द्वारा 07 व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी है। अनुमंडल पदाधिकारी ने अपने पत्र दिनांक 28.01.2021 के द्वारा न्यास समिति गठन के लिए 07 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया और धर्मशाला की भूमि पर व्यवसाय कर रहे श्री पवन कुमार बंका द्वारा अपने पत्र दिनांक 29.02.2021 के द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया तथा श्री प्रदीप कुमार केजरीवाल से भी इनके पत्र दिनांक 05.12.2020 के द्वारा 07 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ और अन्य भी कई नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुए। उन सभी नामों पर विचारोपरान्त संस्था की देख-भाल तथा विभिन्न न्यायालय में चल रहे मुकदमा आदि में संस्था का पक्ष रखने तथा पैरवी आदि उचित रूप से की जा सके इसके लिए बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए बलदेव दास बसन्त लाल धर्मशाला, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक 07 सदस्यीय न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठित की जाती है कार्य संतोषजनक पाये जाने तथा चरित्र सत्यापन प्राप्त होने पर स्थायी किये जाने पर विचार किया जाएगा। जिसका अनुमोदन पर्षदीय बैठक दिनांक 22.12.2021 में किया जा चुका है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "बलदेव दास बसन्त लाल धर्मशाला, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर न्यास योजना होगा" तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "बलदेव दास

बसन्त लाल धर्मशाला, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर न्यास समिति होगी जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. न्यास समिति को इस धर्मशाला के किरायेदारों से किराया वसूल करना दुकान किराए पर लगाना तथा धर्मशाला के चल एवं अचल सम्पत्ति की किरायेदारी से संबंधित किसी प्रकार के न्यायालय में निलंबित मामले या अन्य मामले तथा भविष्य में संस्थित होने वाले मामले का संचालन करना होगा।

14. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि को वापस करने के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी एवं पर्षद को समय-समय पर इससे संबंधित तथ्यों की जानकारी देगी।

15. न्यास समिति न्यास परिसर के किरायेदारों द्वारा उपकिराया पर लगाये गये दुकानों को खाली कराकर अपने कब्जा में प्राप्त करेगी तथा समुचित तथा स्वच्छ तरीके से खुली डाक द्वारा पुनः नये सिरे से किराया पर लगायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|--|---|--------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी मुजफ्फरपुर | — | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्री विनोद कुमार अग्रवाल, पुत्र स्व० लीलाधर अग्रवाल
जूरन छपरा रोड नं०-02, थाना-ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर | — | उपाध्यक्ष |
| 3. डॉ० उमीला बंका, पत्नी श्री नन्दकिशोर बंका,
सरैयागंज, पलक साड़ी शॉ रुम के उपर, मुजफ्फरपुर | — | उपाध्यक्ष |
| 4. श्री प्रदीप कुमार केजरीवाल, पुत्र-श्री ओम प्रकाश केजरीवाल
इस्लामपुर रोड, थाना-नगर, मुजफ्फरपुर | — | सचिव |
| 5. श्री समीर कुमार, पुत्र स्व० हरिशंकर प्रसाद वर्मा
हमदर्द गली, मोतीझील, थाना-नगर, मुजफ्फरपुर | — | सह-सचिव |
| 6. श्री जीवन जी सराफ, पुत्र-स्व० रामप्रसाद जी सराफ
श्री आनन्द साड़ी सेन्टर, बैंक रोड, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर | — | कोषाध्यक्ष |
| 7. श्री पवन कुमार बंका, पुत्र-स्व० मुरलीधर बंका,
हाउस नं० 38, डोमा पोखर रोड, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर। | — | सदस्य |

NOTE:- राजस्व अभिलेख में संस्था/धर्मशाला के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (बलदेव दास बसन्त लाल धर्मशाला, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन अस्थाई रूप से एक वर्ष के लिए किया जाता है, कार्य संतोषजनक पाये जाने पर तथा चरित्र सत्यापन इसको स्थाई किये जाने पर विचार किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं0 4347—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्वी चम्पारण जिला के अन्तर्गत परेऊआ ग्राम अवस्थित श्री राम जानकी हनुमान जी मंदिर एक सार्वजनिक तथा धार्मिक न्यास है, जो पर्षद के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या 3747 है।

इस न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 864, दिनांक 23.07.2009 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 32 के तहत एक न्यास समिति का गठन किया गया था। पर्षदीय पत्रांक 497, दिनांक 18.05.2015 एवं पत्रांक 1284, दिनांक 22.07.2015 द्वारा समिति के कार्यकाल का विस्तार इसके कार्यावधि की समाप्ति दिनांक 15.09.2014 से दो वर्षों के लिए किया गया। इसके उपरान्त पर्षदीय पत्रांक 3303, दिनांक 27.03.2017 द्वारा न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक 14.09.2016 से अगले दो वर्षों या नवीन न्यास समिति के गठन तक के लिए विस्तारित की गयी।

साथ ही नवीन न्यास समिति गठन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी से समय-समय पर पर्षद के पत्र दिनांक-27.03.2017 एवं दिनांक 06.06.2017 द्वारा नामों की मांग की जाती रही है।

श्री केशव पाण्डे द्वारा दिनांक 03.01.2019 को एक प्रार्थना पत्र दिया कि न्यास समिति दो मुकदमा हकियत वाद 708/11 एवं 710/11 पूर्व में जो भूमि भरत ठाकुर द्वारा 03 विक्रय पत्रों द्वारा दिनांक-15.02.2002 को बिक्री कर दी थी, उससे संबंधित वाद अभी चल रहा है और उक्त आधार पर समय बढ़ाने की मांग की गयी। संचिका के अवलोकन से यह पाया गया कि न्यास समिति ने गठन वर्ष 2009 से 2017 तक का किये गये विकासात्मक कार्य, आय-व्यय विवरण, बजट अभी तक दाखिल नहीं किया था। अतः पर्षद के पत्र दिनांक 22.11.2019 द्वारा इसे दाखिल करने का निर्देश दिया गया।

अंचल अधिकारी से न्यास समिति गठन हेतु नामों की मांग की गयी थी, उसके आलोक में अंचल अधिकारी से पत्रांक 243 दिनांक 19.03.2021 द्वारा 09 नामों का प्रस्ताव पर्षद को प्राप्त हुआ। साथ ही ग्रामीणों द्वारा दिये गये नामों के प्रस्ताव के साथ दोनों सूची को थाना को चरित्र सत्यापन हेतु भेजा गया। संबंधित थाना द्वारा दिनांक 27.04.2021 को अपनी रिपोर्ट समर्पित की गयी कि वर्णित व्यक्तियों के विरुद्ध कोई वाद दर्ज नहीं है जबकि अंचलाधिकारी द्वारा प्राप्त नामों में से थाना ने अपने रिपोर्ट दिनांक 15.03.2021 द्वारा 03 के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा थाना में पंजीकृत होने की रिपोर्ट समर्पित की गयी।

ग्रामीणों द्वारा भी बैठक कर 17 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद को उपलब्ध कराया गया। पर्षद द्वारा की गयी जाँच रिपोर्ट दिनांक-21.04.2016 में भी उक्त प्रस्ताव का उल्लेख है तथा लोगों द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर जमीन पर अवैध कब्जा असामाजिक तत्वों द्वारा की गयी है, उसका भी उल्लेख है। थाना से प्राप्त नामों का चरित्र सत्यापन प्राप्त हो चुका है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त मठ के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं0-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री राम जानकी हनुमान मंदिर, ग्राम परेउवा, पोस्ट व थाना रक्सौल, जिला-पूर्वी चम्पारण** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है। जिसका अनुमोदन पर्षदीय बैठक दिनांक 22.12.2021 में किया जा चुका है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री राम जानकी हनुमान मंदिर, ग्राम परेउवा, पोस्ट व थाना रक्सौल, जिला-पूर्वी चम्पारण न्यास योजना होगा”** तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री राम जानकी हनुमान मंदिर, ग्राम परेउवा, पोस्ट व थाना रक्सौल, जिला-पूर्वी चम्पारण न्यास समिति होगी”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी /सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

1. श्री केशव पाण्डेय, पुत्र-श्री चन्द्रीका पाण्डेय	—	अध्यक्ष
2. श्री अशोक पटेल, पुत्र-श्री लाल बहादुर प्रसाद	—	सचिव
3. श्री राजेन्द्र साह, पुत्र-श्री लाल साह	—	कोषाध्यक्ष
4. श्री सुरेश कुमार पुत्र-स्व० हरिहर साह	—	सदस्य
5. श्री रणधीर महतो, पुत्र-श्री जोखु महतो	—	सदस्य
6. श्री रवि शंकर प्रसाद, पुत्र-श्री राजेन्द्र साह	—	सदस्य
7. श्री प्रमोद राम, पुत्र-श्री सत्यनारायण राम	—	सदस्य
8. श्री परमा ठाकुर, पुत्र-स्व० शिव प्रसाद ठाकुर	—	सदस्य
9. श्री संजय गुप्ता, पुत्र-स्व० शंकर गुप्ता	—	सदस्य
10. श्री विश्वनाथ महतो, पुत्र-स्व० वंशी महतो	—	सदस्य
11. श्री भुनेश्वरी तिवारी, पुत्र-स्व० कैलाश तिवारी	—	सदस्य

सभी ग्राम-पेरुवा, पोस्ट व थाना-रक्सौल, जिला-पूर्वी चम्पारण।

NOTE:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री राम जानकी हनुमान मंदिर, ग्राम पेरुवा, पोस्ट व थाना रक्सौल, जिला-पूर्वी चम्पारण) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन अस्थाई रूप से एक वर्ष के लिए किया जाता है, कार्य संतोषजनक पाये जाने पर इसको स्थाई किये जाने पर विचार किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

31 दिसम्बर 2021

सं० 4376—श्री राम जानकी मंदिर-सह-हरनारायण साह की मठिया, ग्राम-नई बाजार, पोस्ट-छपरा, थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण के संबंध में सभी पक्षों को सुनने तथा अंचल अधिकारी के प्रतिवेदन तथा सभी दाखिल दस्तावेजों के आधार पर आदेश दिनांक 11.01.2021 को इस न्यास को सार्वजनिक धार्मिक न्यास घोषित करते हुए इस न्यास का निबंधन पर्षद में किया गया। जिसकी निबंधन संख्या 4571 है।

पूर्व में इस न्यास के मोतवली के रूप में तारकेश्वर प्रसाद व तीन अन्य पूजा-पाठ करते थे, परन्तु उनके द्वारा मंदिर की अधिकांश भूमि का बिक्रय विभिन्न समुदाय के लोगों के पक्ष में किया है। अतः ऐसे व्यक्तियों को मोतवली रहने का कोई अधिकार नहीं पाते हुए न्यास के सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु पर्षदीय पत्रांक 2698, दिनांक 25.01.2021 द्वारा अंचल अधिकारी, सदर छपरा से नामों की मांग की गयी, इसके आलोक में अंचल अधिकारी द्वारा अपने पत्रांक 281, दिनांक 01.03.2021 द्वारा पाँच नामों की सूची न्यास समिति गठन हेतु पर्षद को उपलब्ध करायी गयी।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक नवीन न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री राम जानकी**

मंदिर-सह-हरनारायण साह की मठिया, ग्राम-नई बाजार, पोस्ट-छपरा, थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक 06 सदस्यीय न्यास समिति गठित की जाती है। जिसका अनुमोदन पर्वदीय बैठक दिनांक 22.12.2021 में किया जा चुका है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री राम जानकी मंदिर-सह-हरनारायण साह की मठिया, ग्राम-नई बाजार, पोस्ट-छपरा, थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण न्यास योजना होगा" तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम जानकी मंदिर-सह-हरनारायण साह की मठिया, ग्राम-नई बाजार, पोस्ट-छपरा, थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण न्यास समिति होगी" जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्वद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी /सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

1. अंचल अधिकारी, सदर, छपरा	—	पदेन अध्यक्ष
2. श्री कामेश्वर यादव, पुत्र स्व० दीनानाथ यादव, नई बाजार, सारण (छपरा)	—	उपाध्यक्ष
3. श्री केदारनाथ सिंह, पुत्र स्व० चन्द्रिका सिंह, नई बाजार, सारण (छपरा)	—	सचिव
4. श्री रुपेश प्रसाद गुप्ता, पुत्र स्व० रामप्रसाद गुप्ता, नई बाजार, सारण (छपरा)	—	कोषाध्यक्ष
5. श्री विश्वनाथ बैठा, पुत्र स्व० रामप्रसाद बैठा, सलैमपुर, सारण (छपरा)	—	सदस्य
6. श्री गणेश राय, पुत्र स्व० शिवगोविन्द राय, नई बाजार, सारण (छपरा)	—	सदस्य

NOTE:- राजस्व अभिलेख में न्यास के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री राम जानकी मंदिर-सह-हरनारायण साह की मठिया, ग्राम-नई बाजार, पोस्ट-छपरा, थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन पाँच वर्ष के लिए किया जाता है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं० 4363—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, शाहदरा ठाकुरबाड़ी, मालसलामी, पटना सिटी, जिला—पटना जो बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबन्धित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबन्धन संख्या—4549 है।

उक्त न्यास के संबंध में चल रही पर्षदीय सुनवायी तथा अंचलाधिकारी के प्रतिवेदन पर विचारोपरांत न्यास को सार्वजनिक घोषित करते हुए, निबन्धन किये जाने का आदेश दिया गया था। निबन्धन के पश्चात रामाकांत यादव द्वारा न्यास के निजी होने का प्रार्थना-पत्र पर्षद में दिया गया, जिसमें उन्हें अपने तथ्य के समर्थन में सभी प्रकार के दस्तावेजी, मौखिक या लिखित साक्ष्य समर्पित करने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में पर्षद द्वारा कई बार निबन्धित पत्र प्रेषित किया गया। रामाकांत यादव के अधिवक्ता भी पर्षद में विभिन्न तिथियों पर उपस्थित हुये। इस न्यास की जांच भी पर्षद द्वारा करायी गयी। अंचलाधिकारी से भी प्रतिवेदन प्राप्त हुयी, जिसमें ग्यारह व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भेजा गया। उनका चरित्र-सत्यापन भी संबंधित थाना से दि०-27/07/21 को प्राप्त हुआ। इसमें उपरोक्त व्यक्तियों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल प्रविष्टि नहीं दर्ज होने की बात कही गयी। अंचलाधिकारी के जांच प्रतिवेदन एवं ग्रामीणों द्वारा शिकायत की जा रही है कि रामाकांत यादव द्वारा अवैध रूप से मंदिर परिसर में अपना आधिपत्य जमाये हुये हैं तथा मंदिर के अंदर फोफी काकारखाना संचालित कर धार्मिक स्थल को नष्ट करने के उद्देश्य में लगे हुये हैं।

उपरोक्त सभी परिस्थिति पर विचारोपरान्त मंदिर की सुरक्षा, दैनिक पुजा-पाठ, राग-भोग हेतु योजना का निरूपण करते हुए एक न्यास समिति करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-29/09/2021 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, शाहदरा ठाकुरबाड़ी, मालसलामी, पटना सिटी, जिला—पटना** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, शाहदरा ठाकुरबाड़ी, मालसलामी, पटना सिटी, जिला—पटना**” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “**श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, शाहदरा ठाकुरबाड़ी, मालसलामी, पटना सिटी, जिला—पटना**” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

- | | |
|--------------------------|-------------|
| 1. श्री दयानन्द | — अध्यक्ष |
| 2. श्री अवध कुमार सिंह | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री राकेश कुमार | —कोषाध्यक्ष |
| 4. श्री राहुल कुमार | —सचिव |
| 5. श्री अरुण कुमार | —सह-सचिव |
| 6. श्री जितेन्द्र कुमार | —सदस्य |
| 7. श्री पंकज कुमार | —सदस्य |
| 8. श्री प्रदीप मेहता | —सदस्य |
| 9. श्री मुन्ना कुमार | —सदस्य |
| 10. श्री गोपीचन्द्र यादव | —सदस्य |
| 11. श्री टिंकु यादव | —सदस्य |

सभीका पता—श्री राम जानकी (शाहदरा ठाकुरबाड़ी), मालसलामी, पटना सिटी, पटना।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, मालसलामी, पटनासिटी, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने /विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं0 4367—श्री महावीर स्थान, रानीपुर, पटना सिटी, जिला—पटना जो पर्षद में निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2123 है।

उक्त न्यास के पूर्व न्यासधारी श्री सुरेन्द्रनाथ त्रिपाठी थे, परंतु उनके द्वारा भी कभी पर्षद से कोई पत्राचार, आय—व्यय विवरण या बजट नहीं समर्पित किया गया और धीरे—धीरे मंदिर की अधिकांश भूमि पर अतिक्रमण हो गया है। इसी बीच अवधेश कुमार सिन्हा द्वारा एक आवेदन दिनांक—19/09/2019 को एवं एक अन्य पत्र दिनांक—07/12/2019 को श्री उदय शंकर त्रिपाठी द्वारा न्यास समिति गठन किये जाने हेतु प्राप्त हुआ, जिसमें दिनांक—15/09/2020 को एक आम सभा की बैठक की प्रति संलग्न है। इसमें 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भी दिया गया है। इस संबंध में अंचलाधिकारी से मंदिर की वर्तमान स्थिति, मंदिर की चल—अचल सम्पत्ति, प्रबंधन आदि के संबंध में प्रतिवेदन की मांग की गयी तथा 11 व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी, जो अप्राप्त रही। इसी बीच बैठक में प्राप्त नामों के चरित्र—सत्यापन हेतु संबंधित थाना को पत्र प्रेषित किया गया, जो दिनांक—09/04/2021 को पर्षद को प्राप्त हुआ तथा इसका निरीक्षण पर्षद द्वारा कराया गया, जिसका प्रतिवेदन पर्षद के समक्ष उपस्थापित किया गया। इस प्रतिवेदन के साथ न्यास स्थल का छाया चित्र भी संलग्न है, जिससे स्पष्ट हो रहा है कि कोई नियमित न्यास समिति नहीं होने के कारण मंदिर की सम्पूर्ण भूमि अवैध रूप से विभिन्न लोगों द्वारा तथा स्वयं को पुजारी कहने वाले त्रिपाठी द्वारा भी कब्जा कर निवास एवं व्यवसाय किया जा रहा है।

उपरोक्त सभी परिस्थिति पर विचारोपरान्त प्रस्तावित न्यास समिति को योजना का निरूपण करते हुए 01 वर्ष के लिए बनाया जाता है और कार्य संतोषजनक पाये जाने पर स्थायी किये जाने पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—27/09/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “श्री महावीर स्थान, रानीपुर, पटना सिटी, जिला—पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री महावीर स्थान न्यास योजना, रानीपुर, पटना सिटी, जिला—पटना” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री महावीर स्थान न्यास समिति, रानीपुर, पटना सिटी, जिला—पटना” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होनेवाला राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

1. अनुमंडल पदाधिकारी, पटना सिटी, जिला-पटना	-अध्यक्ष
2. श्री अवधेश कुमार सिन्हा	-कार्यवाहक अध्यक्ष
3. श्री जयराम यादव	-उपाध्यक्ष
4. श्री ओमकार नाथ यादव (लालो)	-सचिव
5. श्री संजीव कुमार	-उप-सचिव
6. श्री उमेश कुमार यादव	-कोषाध्यक्ष
7. श्री मंटू सिंह उर्फ आशीष सिंह	-सदस्य
8. श्री अरविन्द कुमार भगत	-सदस्य
9. श्री सतीश यादव	-सदस्य
10. श्री राजेश यादव	-सदस्य
11. श्री धीरज कुमार गुप्ता	-सदस्य

सभी का पता-श्री महावीर स्थान, रानीपुर, पटना सिटी, जिला-पटना।

उक्त आदेश के आलोक में "श्री महावीर स्थान, रानीपुर, पटना सिटी, जिला-पटना" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्यवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

31 दिसम्बर 2021

सं० 4372—श्री राम जानकी मंदिर, उत्तरेन ठाकुरबाड़ी ग्राम-उतरेन, पोस्ट-अहियापुर, अंचल-कोच, जिला-गया, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-2779 है।

उक्त न्यास की सुव्यवस्था हेतु वर्ष 1993 में एक न्यास समिति का गठन किया गया। उक्त आठ सदस्यीय न्यास समिति के तीन सदस्यों का निधन हो चुका था तथा दो सदस्यों के उपर न्यास की सम्पत्ति के विनियोग का आरोप था। इस संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की गयी तथा नवीन न्यास समिति गठन किये जाने हेतु अंचलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया गया। पुनः पर्षदीय आदेश दि०-29/08/20 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी से नामों की मांग की गयी तथा ईमेल के माध्यम से भी सभी सदस्यों को स्पष्टीकरण समर्पित करने तथा प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। परंतु न तो स्पष्टीकरण और न ही कोई प्रतिवेदन पर्षद में समर्पित की गयी। दिनांक-03/02/21 को ग्रामीणों की ओर श्री शिवदत्त महतो उपस्थित हुये तथा आम सभी दि०-29/11/20 की बैठक की प्रति समर्पित करते हुए समिति गठन करने की प्रार्थना की। प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में प्रस्तावित सूची को अंचलाधिकारी को प्रेषित कर उनसे मंतव्य तथा यदि कुछ व्यक्तियों के नामों जो जोड़ने या हटाने के संबंध में प्रतिवेदन की मांग की गयी, परंतु कोई प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हो सकी।

अतः उपरोक्त परिस्थितियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा कोई प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने पर ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित नामों, जिसमें कुछ अच्छे नामों के धार्मिक व्यक्ति की सूचना प्राप्त हुयी है, के आधार पर मंदिर के नियमित राग-भोग तथा संपत्ति की सुरक्षा हेतु अस्थायी न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-25/10/2021 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए **“श्री राम जानकी मंदिर, उत्तरेन ठाकुरबाड़ी ग्राम-उत्तरेन, पोस्ट-अहियापुर, अंचल-कोच, जिला-गया”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री राम जानकी मंदिर, उत्तरेन ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, ग्राम-उत्तरेन, पोस्ट-अहियापुर, अंचल-कोच, जिला-गया”** होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम **“श्री राम जानकी मंदिर, उत्तरेन ठाकुरबाड़ी न्याससमिति, ग्राम-उत्तरेन, पोस्ट-अहियापुर, अंचल-कोच, जिला-गया”** होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होनेवाला राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

1. अनुमंडल पदाधिकारी, टिकारी, गया-	अध्यक्ष
2. श्री शंभू प्रसाद पिता-जगदीश प्रसाद-	का0 अध्यक्ष
3. श्री कुंडल वर्मा पिता-तेतर प्रसाद-	उपाध्यक्ष
4. श्री अमित कुमार यादव पिता-महेश यादव	उपाध्यक्ष
5. डॉ० शिवदत्त कुमार सिंह पिता-स्व० रामकृपाल सिंह-	सचिव
6. श्रीमति प्यारी देवी-	कोषाध्यक्ष
7. श्री संतोष पासवान-	सदस्य
8. श्रीमती मीना देवी (उप सरपंच)-	सदस्य
9. श्री बलीराम उपाध्याय-	सदस्य
10. श्री सुनील पासवान-	सदस्य
11. श्री राम पुकार सिंह-	सदस्य

सभी का पता-श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-उतरेन, पोस्ट-अहियापुर, गया।

उक्त आदेश के आलोक में "श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-उतरेन, पोस्ट-अहियापुर, गया" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने /विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 अगस्त 2021

सं० 2764—गया जिलान्तर्गत बौद्ध महाविहार के समीप बोधगया में अवस्थित प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—2768 है।

इस न्यास की प्राचीन के आधार पर मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण, विकास एवं सुव्यवस्था हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक— 593, दिनांक— 23/05/2015 द्वारा 11 सदस्यों की न्यास समिति का गठन पाँच वर्षों के लिए किया गया था।

न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त होने पर समिति द्वारा दिनांक—06/06/20 एवं दि०— 17/09/20 को न्यास समिति के अवधि विस्तार / पुर्नगठित करने का आवेदन दिया गया। इस संचिका के अवलोकन से स्पष्ट हुआ कि न्यास में सुचारु रूप से कार्य किये गये हैं तथा समय-समय पर न्यास की आय-व्यय का अंकेक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किये, परंतु पर्षद के मद में 5 वर्षों का न्यास शुल्क नहीं प्राप्त होने पर समिति को पर्षद द्वारा नोटिस किया गया। तत्पश्चात पर्षद की बैठक दि०— 06/07/21 में लिये गये निर्णय से कुछ अन्य न्यास के साथ इस न्यास के जांच हेतु त्रिसदस्यीय जांच दल (मा० पर्षद सदस्य, जिलाधिकारी, गया एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, गया) का गठन कर जांच करायी गयी। अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी की उपस्थिति में की गयी जांच प्रतिवेदन दि०— 19/07/21 संचिका पर उपलब्ध है। जांचक्रम में समिति को न्यास की आय-व्यय की विवरणी एवं पर्षद के मद में देय शुल्क शीघ्र जमा करने का निर्देश दिया गया तथा त्रिसदस्यीय जांच दल द्वारा उक्त समिति को भंगकर प्रशासनिक पदाधिकारियों को सम्मिलित कर नयी समिति का गठन किया जाय के साथ 11 सदस्यों का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। दि०— 27/07/21 को इस न्यास समिति सचिव श्री राय मदन किशोर उपस्थित होकर चेक सं०— 820270 से पर्षद को बकाया शुल्क जमा करते हुये नयी समिति गठन हेतु प्रस्तावित सूची में अपनी स्वीकृति भी दिये; जिनके द्वारा समिति में अच्छा कार्य करते हुये मंदिर के विकास में पर्याप्त सहयोग भी दिया गया है।

उपरोक्त परिस्थिति में श्री राय मदन किशोर के हस्ताक्षर से त्रिसदस्यीय जांच दल द्वारा प्रस्तावित सूची, जिसमें 05 प्रशासनिक पदाधिकारी, 04 सदस्य (पुर्व न्यास समिति) एवं 02 नवीन सदस्य क्रमशः 1. श्री अरविन्द कुमार तथा श्री लालमणि सिंह का नाम प्रस्तावित है को, मंदिर के विकास का देखते हुए इस प्रस्तावित सदस्यों की समिति के रूप में मान्यता प्रदान करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए "प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर, बौद्ध महाविहार के समीप, बोधगया, जिला— गया" के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर न्यास योजना, बौद्ध महाविहार के समीप बोधगया, जिला—गया" होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर न्यास समिति, बौद्ध महाविहार के समीप, बोधगया, जिला—गया" होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास समिति को यह भी निर्देश दिया जाता है कि मंदिर की जो भूमि अतिक्रमण कर ली गयी है, उस संबंध में सक्षम पदाधिकारी के यहां कार्रवाई करेंगे तथा मंदिर के नाम से राजस्व अभिलेखों में दाखिल-खारिज की कार्रवाई करेंगे। अधिनियम की धारा- 44 के प्रावधान लागू रहेंगे।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों / श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी तथा उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो एवं पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के उपरांत बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित ग्यारह सदस्यों की स्थायी न्यास समिति का गठन किया जाता है :-

महंत बोधगया मठ इसके संरक्षक रहेंगे।

- | | |
|--|------------|
| 1. जिलाधिकारी, गया | —अध्यक्ष |
| 2. श्रीमति उषा डालमियाँ, डालमिया सदन, के0 पी0 रोड, जिला- गया | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री राय मदन किशोर, अंटा कोठी, कटारी हिल रोड, गया, मो0— 700466885 | —सचिव |
| 4. अनुमंडल पदाधिकारी, गया | —सदस्य |
| 5. आरक्षी उपाधीक्षक, बोधगया | —सदस्य |
| 6. कार्यपालक दंडाधिकारी, गया, सदर, मो0— 9060286696 | —सदस्य |
| 7. कार्यपालक पदाधिकारी, बोधगया, नगर, पंचायत | —सदस्य |
| 8. श्री शिव कैलाश डालमिया, डालमिया सदन, के0पी0 रोड, गया
मो0— 9431234563 | —सदस्य, |
| 9. श्री अरविन्द कुमार सिंह, सच्चिदानंद विहार कॉलोनी, दो मुहान, बोधगया, गया— सदस्य | |
| 10. श्री ब्रजेन्द्र चौबे, कार्लो एजेन्सी के पीछे, दो मुहान, बोधगया, मो0—9199467600—सदस्य | |
| 11. श्री लाल मणि सिंह, मोचारिम, बोधगया, जिला- गया, मो0— 9934226588 | —सदस्य |

उक्त आदेश के आलोक में “प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर, बौद्ध महाविहार, बोधगया के समीप, जिला- गया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्यों को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/ भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय / पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

30 दिसम्बर 2021

सं0 4369—बाबा श्री ब्रह्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना—ब्रह्मपुर, जिला—बक्सर, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद, पटना के अन्तर्गत निर्बंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निर्बंधन संख्या—4572/21 है।

उक्त न्यास की आंतरिक व्यवस्था हेतु पंडा समुदाय द्वारा अपने तीनों पट्टी क्रमशः अष्टवक्र पट्टी, छतु पट्टी, टिसरिया पट्टी से बारह व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव दिया है, किंतु अधिनियम के अन्तर्गत ग्यारह सदस्यों से अधिक की न्यास समिति का गठन नहीं हो सकता है एवं दो प्रशासनिक पदाधिकारियों को मंदिर के आंतरिक कार्यों में सहयोग, परामर्श एवं सुरक्षा हेतु स्थान दिया जाना भी आवश्यक है। इन बिंदुओं पर पंडा समाज की ओर से उपस्थित श्री संजय पांडे, श्री विनोद पांडे एवं श्री अनुज पांडे से भी विचार विमर्श किया गया। तदोपरान्त आंतरिक व्यवस्था हेतु व्यवस्था समिति के गठन का निर्णय लिया गया है।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक—07/10/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए “बाबा श्री ब्रह्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर, ग्राम—ब्रह्मपुर, जिला—बक्सर” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक व्यवस्था समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “बाबा श्री ब्रह्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट+थाना—ब्रह्मपुर, जिला—बक्सर” होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “बाबा श्री ब्रह्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर न्यास व्यवस्था समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना—ब्रह्मपुर, जिला—बक्सर” होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास व्यवस्था समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास व्यवस्था समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास व्यवस्था समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास व्यवस्था समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए अधिनियम की धारा— 59, 60 एवं 70 के अन्तर्गत बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकक्षित प्रतिवेदन, कार्य वृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
11. न्यास व्यवस्था समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास व्यवस्था समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास व्यवस्था समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

17. व्यवस्था समिति मंदिर के नाम से बैंक में खाता खोलेगी, जिसका संचालन दो व्यक्तियों के माध्यम से होगा और प्रत्येक प्रकार के आय-व्यय का बयौरा, संबंधित पंजी का संधारण किया जायेगा। मंदिर में चढ़ावा आदि से प्राप्त राशि का किस प्रकार से वितरण किया जाता है, उसका भी इसमें स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास व्यवस्था समिति गठित की जाती है:-

1. अनुमंडल पदाधिकारी-	अध्यक्ष
2. श्री संजय पांडेय पिता-नंदजी पाण्डेय-	कार्यवाहक अध्यक्ष
3. श्री अनुप कुमार पाण्डेय पिता-चंदन पाण्डेय-	सचिव
4. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-	सह-सचिव
5. श्री धर्मराज पाण्डेय पिता-शिवराज पाण्डेय-	कोषाध्यक्ष
6. श्री बबलू पाण्डे पिता-नन्द गोपाल पाण्डेय-	सदस्य
7. श्री सुनील कुमार पाण्डेय पिता-जगदीश पाण्डेय-	सदस्य
8. श्री विनोद पाण्डेय पिता-छटु पाण्डेय-	सदस्य
9. श्री विजय गोपाल पाण्डेय-	सदस्य
10. श्री बबलू पाण्डेय-	सदस्य
11. श्री राज ललन पाण्डेय-	सदस्य

बबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम-ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर।

उक्त आदेश के आलोक में "बाबा श्री ब्रह्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना-ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन /विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

28 अक्टूबर 2021

सं0 3708—बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना- ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर, बिहार राज्य धार्मिक न्यासपर्षद, पटना के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-4572/21 है।

बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ब्रह्मपुर में व्याप्त अनियमितता, धन का बंदरवांट और वहां की अव्यवस्था की शिकायत प्राप्त होने पर पर्षदीय आदेश दि0-27/09/19 द्वारा पर्षद के निरीक्षक को स्थल निरीक्षण कर अपना प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया। उक्त आदेश के आलोक में निरीक्षक द्वारा अपना प्रतिवेदन दि0-04/12/19 को समर्पित किया गया, जिसमें उल्लेख है कि उक्त बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर अति प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर है, जिसका उल्लेख ब्रिटिश काल में पुरातत्व इतिहासकार द्वारा भी किया गया है। निरीक्षक द्वारा अपने प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में पंडा समाज के 12 सदस्यों की एक समिति गठित कर उक्त मंदिर की व्यवस्था आदि कार्य किया जाता है और दान-चढ़ावा से अच्छी राशि मंदिर को प्राप्त होती है, परंतु उसका कोई लेखा-जोखा, मांगने पर भी, उक्त समिति द्वारा प्रस्तुत नहीं की गयी।

मंदिर को निबंधित किये जाने हेतु अंचलाधिकारी से मंदिर की भूमि की बंदोवस्ती, आय-व्यय विवरण, प्रबंधन आदि के संबंध में प्रतिवेदन की मांग की जाती रही तथा पर्षदीय आदेश दि0-01/10/19 के आलोक में पर्षद के निरीक्षक द्वारा जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया कि उक्त मंदिर 300-400 वर्ष प्राचीन है। मंदिर में विशाल शिवलिंग तथा भगवान कार्तिकेय एवं माता पार्वती की प्रतिमा भी स्थापित है और मंदिर के समीप में एक तालाब है। उक्त प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख है कि वर्ष 1812-13 में ब्रिटिश काल में इसका सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें तत्कालीन पुरातत्वविद डॉ0 फ्रांसिस बुकानन ने अपनी पुस्तक "History of Shahabad" में इसका उल्लेख किया है। प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख है कि तालाब के दक्षिण भाग में श्री लक्ष्मी-नारायणका मंदिर व ठाकुरबाड़ी भी है। तालाब का जल अत्यंत दुषित है और यहां पशु मेला का भी आयोजन किया जाता है। वर्तमान में मंदिर की व्यवस्था स्वयं-भू पंडा समिति द्वारा की जाती है। मंदिर के आस-पास मंदिर के प्रांगण में छोटे-बड़े दुकानदारों द्वारा पूर्ण रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है। लगभग 100 दुकानें वहां स्थित हैं, जो किसी प्रकार का कोई भुगतान न तो सरकार को करती है और न मंदिर को। लाखों रू0 की आय मेला के समय मंदिर में होती है।

आस-पास के श्रद्धालु-भक्त आदि पूजा-पाठ बिना रोक-टोक व अवरोध के करते हैं तथा चढ़ावा आदि भी देते हैं। प्रतिवेदन में स्वयंभू समिति का भी उल्लेख है, जिसके सचिव श्री रंगनाथ पाण्डे को पर्षद के निबंधित पत्र दि0- 22/10/19

द्वारा मंदिर का निबंधन करने, मंदिर में व्याप्त पंडा समाज द्वारा सहयोग करने तथा आय-व्यय की विवरणी पर्वद में प्रस्तुत करने के संबंध में नोटिस निर्गत की गयी एवं जिलाधिकारी से भी मंदिर की व्यवस्था, भूमि का खाता, खेसरा आदि के संबंध में प्रतिवेदन की मांग की गयी।

दि०-25/11/19 को श्री रंगनाथ पाण्डे पर्वद के समक्ष उपस्थित हुये एवं कथन किया कि ढाई सौ परिवार का मंदिर से भरण-पोषण करते हैं तथा मंदिर में सी०सी०टी०वी० कैमरा तथा जेनरेटर की व्यवस्था है और सभी मिलकर इस मंदिर की व्यवस्था करते हैं।

जिलाधिकारी द्वारा मंदिर के संबंध में एक विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित की गयी, जिसमें उल्लेख किया गया कि मौजा-ब्रह्मपुर थाना नं०-251, खाता सं०- 1712, खेसरा सं०- 4674, 4675, रकबा- 0.78, 5.22 एकड़ रैयती अनाबाद सर्वसाधारण प्रकृति शिव मंदिर और पोखरा (तालाब) इन्द्राज है। आगे उल्लेख है कि कुछ विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं की संख्या हजारों में होती है। प्रशासन द्वारा पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाती है। मंदिर की साफ-सफाई / जीर्णोद्धार हेतु कोई कमिटि नहीं है। मंदिर में आने वाले चढ़ावा एवं आस-पास लगने वाले दुकानों से प्राप्त होने वाली राशि स्थानीय पुजारियों द्वारा प्राप्त की जाती है, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं रखा जाता है।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक-07/10/2021 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए "बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम-ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर" के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट+थाना- ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर" होगा और इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम "बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना- ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर" होगी, जिसमें न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समितिगठित की जाती है:-

- | | | |
|---|---|---------|
| 1. जिला पदाधिकारी, बक्सर- 9473191242 | — | अध्यक्ष |
| 2. भूमि सुधार उप समाहर्ता, डुमरांव, जिला- बक्सर- 8544412319 | — | सचिव |

3. श्री अक्षय गोपाल पाण्डेय पिता— शिवधनी पाण्डेय— 7903708779 — कोषाध्यक्ष
4. कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत ब्रह्मपुर— 8969345772 — सदस्य
5. अंचलाधिकारी, ब्रह्मपुर— 8544412497 — सदस्य
6. श्री इन्द्रजीत बहादुर सिंह पिता— सूर्य कुमार सिंह— 9708069779 — सदस्य
7. श्री मोहन जी साह पिता— हरी जी साह— 9931227338 — सदस्य

बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम— ब्रह्मपुर, जिला— बक्सर।

1. मंदिर की गर्भ-गृह की व्यवस्था हेतु पंडा समाज की एक अलग समिति गठित की जायेगी, जिसकी अधिसूचना बाद में निर्गत की जायेगी।

2. उक्त आदेश के आलोक में "बाबा श्री ब्रह्मेश्वरनाथ महादेव मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना— ब्रह्मपुर, जिला— बक्सर" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5209—बाबा नागेश्वर नाथ शिवलिंग मंदिर, पुपरी, जिला—सीतामढ़ी पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2532 है।

इस न्यास की सूचारु प्रबंधन, उन्नयन, सम्यक विकास व दैनिक राग-भोग हेतु एक न्यास समिति का गठन पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 269, दिनांक 24.05.2011 द्वारा पाँच वर्षों के लिए किया गया था। जो समाप्त हो चुका है।

अनुमंडल पदाधिकारी, पुपरी सह अध्यक्ष न्यास समिति द्वारा अपने पत्रांक 1161, दिनांक 24.08.2021 द्वारा नवीन न्यास समिति गठन हेतु नौ व्यक्तियों के नामों की सूची उपलब्ध कराया गया, जिसका चरित्र सत्यापन थाना से दिनांक 25.09.2021 को प्राप्त हो चुका है, जिसमें प्रस्तावित न्यास समिति सदस्यों का नाम पता सही बताया गया है और उनके विरुद्ध कोई थाना अपराध अभिलेख में कोई शिकायत अंकित नहीं होने की बात लिखी है।

उपरोक्त परिस्थिति में मंदिर के सूचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक है।

अतः मैं अखिलेश कुमार जैन, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **बाबा नागेश्वर नाथ शिवलिंग मंदिर, पुपरी, जिला—सीतामढ़ी** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु निम्नांकित योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए आदेश दिनांक—08.12.2021 के आलोक में एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "**बाबा नागेश्वर नाथ शिवलिंग मंदिर, पुपरी, जिला—सीतामढ़ी न्यास योजना होगा**" तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "**बाबा नागेश्वर नाथ शिवलिंग मंदिर, पुपरी, जिला—सीतामढ़ी न्यास समिति**" होगा। जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलाने, विक्रय, रेहन तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही न्यास समिति के पदाधिकारियों का यह प्रथम कर्तव्य होगा कि न्यास की सभी भू-सम्पत्तियों का जमाबंदी न्यास के नाम से कराकर पर्षद को सूचित करेंगे। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतेगें।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमिता/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. न्यास समिति द्वारा किसी प्रकार कोई आयोजन किया जाता है तो जिसमें 05 लाख से अधिक की राशि खर्च का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसी प्रकार यदि मंदिर के विकास या संरचना के मद में 10 लाख रुपये अधिक की राशि खर्च होने का अनुमान हो तो उसका अनुमानित खर्च विवरणी प्रस्तुत कर पूर्व अनुमति पर्षद से लेना आवश्यक है और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अन्दर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जाएगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

क्र०सं०	नाम	पूर्ण पता	पदनाम
1.	अनुमंडल पदाधिकारी, पुपरी	अनुमंडल-पुपरी, जिला-सीतामढ़ी-9473191292	पदेन अध्यक्ष
2.	श्री संजय कुमार	वार्ड नं०-05 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	उपाध्यक्ष
3.	डॉ ओम प्रकाश	वार्ड नं०-03 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सचिव
4.	श्री महेश चन्द गुप्ता	वार्ड नं०-01 गणेश पेट्रोलियम पम्प, नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	कोषाध्यक्ष
5.	श्री उमाशंकर चौधरी	वार्ड नं०-06 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सदस्य
6.	श्री शंकर शर्मा	वार्ड नं०-06 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सदस्य
7.	श्रीमती कविता बाजोरिया	वार्ड नं०-04 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सदस्य
8.	श्री श्याम राज	वार्ड नं०-08 नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सदस्य
9.	श्री नवल किशोर चौधरी	वार्ड नं०-03 लोहापट्टी, नगर पंचायत जनकपुर रोड, पुपरी	सदस्य

नवगठित न्यास समिति द्वारा मंदिर से होने वाली आय-व्यय का लेखा-जोखा रजिस्टर समुचित ढंग से संधारित करेगी। मंदिर परिसर में रखे दान-पेटी को कम से कम तीन सदस्यों की उपस्थिति में खोला जायेगा तथा पैसे की गिनती के उपरान्त यथाशीघ्र मंदिर के बैंक खाता में जमा किया जायेगा। मंदिर से संबंधित होने वाली कोई भी खर्च बैंक से निकासी कर किया जायेगा। नवीन न्यास समिति गठन उपरान्त तत्काल पर्षद शुल्क भुगतान करते हुए मंदिर में किये जा रहे हैं विकासात्मक कार्यों का फोटो पर्षद को उपलब्ध करायेगी।

NOTE:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम बाबा नागेश्वर नाथ शिवलिंग मंदिर, पुपरी, जिला-सीतामढ़ी पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन अधिसूचना पर हस्ताक्षर की तिथि से एक वर्ष के लिए किया जाता है। एक वर्ष के बाद इसके कार्यों की समीक्षा की जायेगी और संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति का कार्यकाल बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5205—श्री बाबा धर्मनाथ मंदिर, मुहल्ला-रतनपुरा, पोस्ट-थाना-भगवान बाजार, जिला-सारन पर्षद अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या 374 है।

पूर्व में इस न्यास की व्यवस्था महंत बिन्देश्वरी पर्वत द्वारा की जा रही थी, परन्तु वर्ष 2020 में उक्त महंत बिन्देश्वर पर्वत के विरुद्ध अप्राकृतिक यौनाचार के संबंध में भगवान बाजार थाना कान्ड संख्या-485/2020 के अन्तर्गत धारा 377 आई०पी०सी० एवं 8/12 पास्को एक्ट दर्ज हुआ है, जिसमें उक्त महंत वर्तमान में जेल में है। उक्त मंदिर में लगभग 54 बीघा

जमीन है। इससे मंदिर का पूजा-पाठ, राग-भोग एवं सुचारु व्यवस्था बाधित हो गयी। अतः मंदिर और मंदिर की भूमि की सुरक्षा हेतु अंचल अधिकारी को अस्थायी न्यासधारी बनाया गया तथा एक न्यास समिति बनाये जाने हेतु अनुमण्डल पदाधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों की मांग पर्षद के आदेश दिनांक 11.01.2021 द्वारा की गयी। इसी बीच श्री राहुल रंजन उपाध्याय द्वारा पर्षद में समय-समय पर प्रार्थना-पत्र तथा शपथ-पत्र देकर उपरोक्त आपराधिक काण्ड की जानकारी दी गयी तथा कथन किया कि प्रार्थी के पूर्वज ही उक्त मंदिर के पुजारी के रूप में पिछले कई वर्षों से कार्यरत हैं। अंतिम पुजारी सत्यदेव उपाध्याय प्रार्थी के नाना हैं और वह अस्वस्थ हैं।

पर्षद के पत्र के आलोक में अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव अपने पत्रांक 1106, दिनांक 08.04.2021 के द्वारा उपलब्ध कराया गया। प्रस्तावित नामों का चरित्र सत्यापन संबंधित थाना को भेज कर कराया गया, जिसका सत्यापन प्रतिवेदन दिनांक 27.09.2021 को प्राप्त हुआ। जिसमें किसी भी प्रकार के शिकायत का वर्णन नहीं किया गया है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास के परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक नवीन न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री बाबा धर्मनाथ मंदिर, मुहल्ला-रतनपुरा, पोस्ट-थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए 11 सदस्यीय न्यास समिति आदेश दिनांक 21.12.2021 के आलोक में गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री बाबा धर्मनाथ मंदिर, मुहल्ला-रतनपुरा, पोस्ट-थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण न्यास योजना होगा”** तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री बाबा धर्मनाथ मंदिर, मुहल्ला-रतनपुरा, पोस्ट-थाना-भगवान बाजार, जिला-सारण न्यास समिति होगी”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वोट अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. न्यास समिति द्वारा किसी प्रकार कोई आयोजन किया जाता है तो जिसमें 05 लाख से अधिक की राशि खर्च का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसी प्रकार यदि मंदिर के विकास या संरचना के मद में 10 लाख रुपये अधिक की राशि खर्च होने का अनुमान हो तो उसका अनुमानित खर्च विवरणी प्रस्तुत कर पूर्व अनुमति

पर्षद से लेना आवश्यक है और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अन्दर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जाएगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

1. अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, छपरा	—	पदेन अध्यक्ष
2. श्री राजेश कुमार, पुत्र कमला प्रसाद, पता—शिव बाजार ढेलाजी मंदिर के पास	—	उपाध्यक्ष
3. श्री राकेश कुमार, पुत्र राजेन्द्र राय, पता—रतनपुरा, धर्मनाथ मंदिर,	—	सचिव
4. श्री प्रितम कुमार यादव, पुत्र चन्द्रिका प्रसाद यादव, पता—रामनगर, छावनी भगवान बाजार	—	कोषाध्यक्ष
5. श्री शंकर देव सिंह, पुत्र स्व० कपिलदेव सिंह, पता—रतनपुरा, धर्मनाथ मंदिर,	—	सदस्य
6. श्री विभूति नारायण शर्मा, पुत्र स्व० सूरजनाथ शर्मा, पता—नई बाजार, गंधी मस्जिद के पास	—	सदस्य
7. श्री राज कपुर प्रसाद, पुत्र स्व० राजेन्द्र प्रसाद, पता—धर्मनाथ मंदिर, रतनपुरा	—	सदस्य
8. श्री कृष्ण देव राय, पुत्र स्व० सकलदेव राय पता—रतनपुरा अहिर टोली	—	सदस्य
9. श्री विजय कुमार, पुत्र दिलीप कुमार ठाकुर, पता—रतनपुरा, अहिर टोली	—	सदस्य
10. श्री मुन्ना कुमार, पुत्र शिव जी बैठा, पता—रतनपुरा, अहिर टोली	—	सदस्य
11. श्री राहुल रंजन उपाध्याय, नाती सत्यदेव उपाध्याय, पता—रतनपुरा,	—	सदस्य

NOTE:-राजस्व अभिलेख में न्यास के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री बाबा धर्मनाथ मंदिर, मुहल्ला—रतनपुरा, पोस्ट+थाना—भगवान बाजार, जिला—सारण) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन पाँच वर्ष के लिए किया जाता है। न्यास समिति को यह अधिकार होगा कि वह मंदिर में पूजा—पाठ करने हेतु पुजारी की नियुक्ति कर सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 फरवरी 2022

सं० 5207—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर एक सार्वजनिक तथा धार्मिक न्यास है, जो पर्षद के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या 2526 है।

इस न्यास के सुचारु प्रबंधन, उन्नयन तथा सम्यक विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 2163, दिनांक 28.10.2016 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 32 के अन्तर्गत न्यास समिति का गठन पाँच वर्षों के लिए किया गया था, जिसका कार्यकाल पूरा हो चुका है।

चूंकि पर्षदीय अधिसूचना संख्या 2163 दिनांक 28.10.2016 द्वारा गठित न्यास समिति का कार्यकाल पूरा हो चुका है और न्यास के सुचारु प्रबंधन, उन्नयन तथा सम्यक विकास हेतु न्यास समिति के गठन के लिए समाहर्ता, मुजफ्फरपुर से पर्षदीय पत्रांक 1143, दिनांक 25.06.2021 तथा पत्रांक 3976, दिनांक 26.11.2021 द्वारा नामों की मांग की गयी। इसके आलोक में समाहर्ता, मुजफ्फरपुर ने अपने पत्रांक 4116, दिनांक 09.12.2021 द्वारा न्यास समिति गठन हेतु ग्यारह सदस्यों का नाम पर्षद को उपलब्ध कराया।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए समाहर्ता से प्राप्त नामों की न्यास समिति पर्षदीय आदेश दिनांक 24.12.2021 के द्वारा गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर न्यास योजना होगा**” तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**श्री गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर न्यास समिति होगी**” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि को वापस करने के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी एवं पर्षद को समय-समय पर इससे संबंधित तथ्यों की जानकारी देगी।

14. न्यास समिति द्वारा किसी प्रकार कोई आयोजन किया जाता है तो जिसमें 05 लाख से अधिक की राशि खर्च का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसी प्रकार यदि मंदिर के विकास या संरचना के मद में 10 लाख रुपये अधिक की राशि खर्च होने का अनुमान हो तो उसका अनुमानित खर्च विवरणी प्रस्तुत कर पूर्व अनुमति पर्षद से लेना आवश्यक है और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अन्दर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जाएगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

1. श्री मिहिर कुमार सिंह, भा.प्र.से. आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर	—	अध्यक्ष
2. अनुमंडल पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर पूर्वी	—	पदेन उपाध्यक्ष
3. श्रीमती इन्दु सिन्हा, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर	—	उपाध्यक्ष
4. श्री एन. के. सिन्हा, अवकाश प्राप्त महाप्रबंधक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	—	सचिव
5. श्री पुरेन्द्र प्रसाद, अवकाश प्राप्त आयकर अधिकारी	—	कोषाध्यक्ष
6. श्री सुरेश चाचान,	—	सदस्य
7. डॉ. सुरेन्द्र कुमार, अवकाश प्राप्त अधीक्षक, एस.के.एम.सी.एच. मुज0	—	सदस्य
8. श्री गोपाल फलक, प्रख्यात चित्रकार	—	सदस्य
9. श्री संजय पंकज, वरिष्ठ साहित्यकार	—	सदस्य
10. श्री अनिल कुमार धवन, सहायक प्राध्यापक, आर.एस.कॉलेज, चोचहॉ	—	सदस्य
11. श्री अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ला, अवकाश प्राप्त संयुक्त सचिव, राज्य सरकार	—	सदस्य

NOTE:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन पाँच वर्षों के लिए किया जाता है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

8 मार्च 2022

सं0 5479—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत, थाना-सकरा, ग्राम-मीरापुर मोहनपुर स्थित श्री राम जानकी मंदिर एक सार्वजनिक तथा धार्मिक न्यास है, जो पर्षद के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या 437 है।

इस न्यास के सुचारु प्रबंधन, उन्नयन तथा सम्यक विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक 1544, दिनांक 22.09.2008 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 32 के अन्तर्गत न्यास समिति का गठन किया गया था।

चूँकि मंदिर की भूमि को लेकर अव्यवस्था व्याप्त हो गयी है और पूर्व समिति द्वारा मंदिर की वास्तविक आय-व्यय विवरणी कभी दाखिल नहीं की गयी और न ही उसका कोई विस्तृत उल्लेख दिया गया था। इसलिए इसे विघटित किया जाता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत, थाना-सकरा, ग्राम-मीरापुर मोहनपुर स्थित श्री राम जानकी मंदिर** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है और इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी, मुजफ्फरपुर के पत्रांक 3007, दिनांक 20.12.2019 द्वारा प्राप्त नामों में से 7 (सात) व्यक्तियों के न्यास समिति का गठन एक वर्ष के लिए आदेश दिनांक 20.12.2021 के आलोक में किया जाता है

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-मीरापुर मोहनपुर, थाना-सकरा, जिला-मुजफ्फरपुर न्यास योजना होगा”** तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम-मीरापुर मोहनपुर, थाना-सकरा, जिला-मुजफ्फरपुर न्यास समिति होगी”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष या सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय का विवरण बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।

6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई अपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे अपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि को वापस करने के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी एवं पर्षद को समय-समय पर इससे संबंधित तथ्यों की जानकारी देगी।

14. न्यास समिति द्वारा किसी प्रकार कोई आयोजन किया जाता है तो जिसमें 05 लाख से अधिक की राशि खर्च का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसी प्रकार यदि मंदिर के विकास या संरचना के मद में 10 लाख रुपये अधिक की राशि खर्च होने का अनुमान हो तो उसका अनुमानित खर्च विवरणी प्रस्तुत कर पूर्व अनुमति पर्षद से लेना आवश्यक है और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अन्दर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जाएगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|--|---|--------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर पूर्वी | — | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्री श्याम नन्दन झा, पुत्र स्व० सत्यनारायण झा,
ग्राम-देदौल, पोस्ट-मीरापुर, मुजफ्फरपुर | — | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री रामशंकर सिंह, पुत्र स्व० जयनारायण सिंह,
ग्राम-बोआरिया, पोस्ट-मीरापुर, थाना-सकरा, मुजफ्फरपुर | — | सचिव |
| 4. श्री रामविलास महतो, पुत्र स्व० नेवालाल महतो,
ग्राम-मोहनपुर, पोस्ट-मीरापुर, मुजफ्फरपुर, | — | कोषाध्यक्ष |

- | | | |
|--|---|-------|
| 5. श्री महेश्वर राम, पुत्र स्व० गोपी राम,
ग्राम—मोहनपुर, पोस्ट—मीरापुर, मुजफ्फरपुर | — | सदस्य |
| 6. श्री भाग्यनारायण महतो, पुत्र स्व० मेहरचन्द महतो,
ग्राम—ठिकहाँ, मोहनपुर, मुजफ्फरपुर | — | सदस्य |
| 7. श्री रमेश प्रसाद मेहता पुत्र स्व० युगलकिशोर मेहता,
ग्राम—कम्हरापाकर, पोस्ट—मीरापुर, मुजफ्फरपुर | — | सदस्य |

NOTE:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री राम जानकी मंदिर, ग्राम—मीरापुर मोहनपुर, थाना—सकरा, जिला—मुजफ्फरपुर) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।

उपरोक्त न्यास समिति का गठन हस्ताक्षर के तिथि से एक वर्ष के लिए किया जाता है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 19—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० कारा/नि०को०(अधी०)—०१—२४/२०२२—७८८६

कारा एवं सुधार सेवाएँ निरीक्षणालय
गृह विभाग (कारा)

संकल्प

21 जुलाई 2022

चूँकि बिहार राज्यपाल को यह विश्वास करने का कारण है कि आदर्श केन्द्रीय कारा, बेऊर, पटना में एक तरुण बंदी के साथ एक अन्य राईटर बंदी द्वारा अप्राकृतिक यौनाचार किये जाने की घटना में बरती गई गंभीर लापरवाही, दिनांक 05.06.2021 एवं दिनांक 06.04.2022 को जिला प्रशासन की छापेमारी में कारा से मोबाईल फोन सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों की बरामदगी तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 की निविदा में निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में श्री जितेन्द्र कुमार, अधीक्षक, आदर्श केन्द्रीय कारा, बेऊर, पटना द्वारा गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं लापरवाही बरती गई है।

श्री कुमार का यह कृत्य बिहार कारा हस्तक, 2012 के नियम-38, 140, 615, 796 (i), (ii), 870 (iii) एवं बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम-3 (1) के विहित प्रावधानों के सर्वथा प्रतिकूल है, जैसा कि संलग्न आरोप पत्र में वर्णित है।

2. अतः यह निर्णय लिया गया है कि श्री जितेन्द्र कुमार, अधीक्षक, आदर्श केन्द्रीय कारा, बेऊर, पटना के विरुद्ध संलग्न प्रपत्र 'क' में अंकित आरोपों की जाँच के लिए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के सुसंगत प्रावधानों के आलोक में विभागीय कार्यवाही संचालित की जाय।

3. इस विभागीय कार्यवाही के संचालन के लिए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 17(2) के तहत आयुक्त, पटना प्रमण्डल, पटना को संचालन पदाधिकारी तथा श्री संजय कुमार चौधरी, सहायक कारा महानिरीक्षक (क्षेत्र), कारा एवं सुधार सेवाएँ, बिहार, पटना को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4. श्री कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु, जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित हों।

5. संचालन पदाधिकारी विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन निर्धारित अवधि के अन्दर समर्पित करेंगे।

6. विभागीय कार्यवाही के संचालन के प्रस्ताव पर माननीय मुख्य (गृह) मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित की जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

रजनीश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव-सह-निदेशक (प्र०)।

सं० 6/श्रम वि० आ०(02)—11/2020 श्र०सं०—1700

श्रम संसाधन विभाग

संकल्प

22 जुलाई 2022

श्री विनय कुमार, तत्कालीन श्रम अधीक्षक, मुजफ्फरपुर-01 सम्प्रति श्रम अधीक्षक, शेखपुरा के विरुद्ध गठित आरोप को प्रमाणित पाये जाने के उपरान्त उनके विरुद्ध 'निन्दन' का दण्ड अधिरोपित करने के संबंध में।

श्री विनय कुमार, तत्कालीन श्रम अधीक्षक, मुजफ्फरपुर-01 सम्प्रति श्रम अधीक्षक, शेखपुरा के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-1287 दिनांक-28.03.2020 द्वारा कोरोना संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन की अवधि में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, अमर्यादित आचरण करने तथा वरीय पदाधिकारी के आदेश के उल्लंघन के आरोप में

स्वास्थ्य विभाग की अधिसूचना संख्या-208(11) दिनांक-17.03.2020 के आलोक में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देते हुए अनुशासनिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया एवं पत्रांक-557/स्था० दिनांक-24.04.2020 द्वारा प्रपत्र 'क' में तीन आरोप उपलब्ध कराया गया।

2. श्री विनय कुमार के विरुद्ध आरोप यह है कि कोविड-19 के संक्रमण को रोकने एवं प्रवासी श्रमिक को लॉक डाउन की अवधि में सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक-28.03.2020 को बैठक आहूत की गयी थी। परन्तु श्री कुमार कार्यालय बंद कर बैठक से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गये। दूरभाष से सम्पर्क कर जिला मुख्यालय में उपस्थित होने के लिए निदेश देने पर श्री कुमार द्वारा कहा गया कि वे पटना में हैं, बैठक में नहीं आ सकते और जो कार्रवाई करना है, कर लिया जाय। श्री कुमार का यह आचरण बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 का उल्लंघन है।

3. जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा उपलब्ध कराये गये आरोप पत्र को विभागीय स्तर पर अभिलिखित कर विभागीय ज्ञापन-983 दिनांक-01.07.2020 द्वारा श्री विनय कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की गई। श्री विनय कुमार के स्पष्टीकरण दिनांक-22.07.2020 की समीक्षा की गई एवं उसे असंतोषजनक पाते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-16 (क) के अन्तर्गत श्री विनय कुमार के विरुद्ध विभागीय संकल्प ज्ञापक-2057 दिनांक-26.10.2021 द्वारा विभागीय कार्यवाही संस्थित की गई। उक्त नियमावली के नियम 17 (5) (ग) के अन्तर्गत श्री अरविन्द कुमार, संयुक्त श्रमायुक्त को इस विभागीय कार्यवाही के संचालन पदाधिकारी तथा श्री रोहित राज सिंह, सहायक श्रमायुक्त, पटना प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किये गये।

4. श्री अरविन्द कुमार, संयुक्त श्रमायुक्त-सह-संचालन पदाधिकारी ने कार्यालय पत्रांक-432 दिनांक-11.02.2022 द्वारा समर्पित अधिगम में श्री विनय कुमार के विरुद्ध तीनों आरोपों को प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया है। आरोप संख्या-01 के संबंध में निष्कर्ष है कि जिला पदाधिकारी कार्यालय, मुजफ्फरपुर के कार्यालय परिचारी श्री ओंकार प्रसाद ने पत्र दिनांक-27.03.2020 द्वारा सूचना दी है कि दिनांक-27.03.2020 को श्री विनय कुमार, श्रम अधीक्षक को तामिला कराने गया था परन्तु कार्यालय बन्द रहने के कारण पत्र का तामिला नहीं हो सका। आरोप संख्या-02 इस आधार पर प्रमाणित पाया गया है कि आरोपी पदाधिकारी द्वारा श्रमायुक्त, बिहार के ज्ञापक-5139 दिनांक-30.12.2019 के आलोक में मुख्यालय छोड़ने के लिए जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर की अनुमति नहीं ली थी। आरोप संख्या-02 के निष्कर्ष के आलोक में आरोप संख्या-03 भी प्रमाणित है।

5. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त अधिगम की अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा समीक्षा की गई एवं समीक्षोपरांत विभागीय पत्रांक-908 दिनांक-19.04.2022 द्वारा श्री विनय कुमार को अधिगम की प्रति उपलब्ध कराते हुए द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर की मांग की गई। श्री विनय कुमार ने पत्रांक-214 दिनांक-04.05.2022 द्वारा समर्पित बचाव बयान में यह उल्लेख किया है कि कार्यालय परिचारी द्वारा जिला पदाधिकारी के आदेश ज्ञापक-1282 दिनांक-27.03.2020 को तामिला कराने का कोई प्रयास नहीं किया गया। अन्य दिनों की भौति दिनांक-27.03.2020 को भी कार्यालय खुला था। अतः पत्र का तामिला सुरक्षा प्रहरी को कराया जा सकता था। जिला पदाधिकारी का उक्त पत्र न तो व्हाट्सएप ग्रुप में डाला गया, न ही मेरे ई-मेल पर भेजा गया। आरोप संख्या-02 के संबंध में श्री विनय कुमार ने कहा है कि उनका परिवार पटना में रहता था। दिनांक 27.03.2020 को उनकी पत्नी के बीमार पड़ने की सूचना प्राप्त होने के पश्चात कोरोना संक्रमण की आशंका से उन्होंने उप श्रमायुक्त, मुजफ्फरपुर से दिनांक-28.03.2020 के लिए आकस्मिक अवकाश तथा दिनांक-29.03.2020 को रविवारीय अवकाश उपभोग करने की अनुमति प्राप्त कर दिनांक-27.03.2020 को संध्या 6.00 बजे के बाद पटना के लिए प्रस्थान किया था। समयाभाव के कारण जिला पदाधिकारी का आदेश प्राप्त नहीं किया जा सका। यह परिस्थितिजन्य भूल थी।

6. श्री विनय कुमार से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गई एवं समीक्षोपरांत आरोप प्रमाणित पाये गये। आरोपों के प्रमाणित होने के कारण सक्षम प्राधिकार द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (समय-समय पर संशोधित) के नियम-14 के तहत आरोप वर्ष के लिए श्री विनय कुमार के विरुद्ध 'निन्दन' का दण्ड अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया।

7. अतएव श्री विनय कुमार, तत्कालीन श्रम अधीक्षक, मुजफ्फरपुर-01 सम्प्रति श्रम अधीक्षक, शेखपुरा के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (समय-समय पर संशोधित) के नियम-14 के अंतर्गत लघु दण्ड स्वरूप आरोप वर्ष 2020-21 के लिए 'निन्दन' का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

8. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति श्री विनय कुमार, तत्कालीन श्रम अधीक्षक, मुजफ्फरपुर-01 सम्प्रति श्रम अधीक्षक, शेखपुरा को निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट से उपलब्ध कराई जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राजीव कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 19—571+15-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>